



पंडित द्वारका प्रसाद मिश्र  
भारतीय सूचना प्रौद्योगिकी,  
अभिकल्पन एवं विनिर्माण संस्थान, जबलपुर

वार्षिक प्रतिवेदन  
2014-15

## विषय सूची

क्र.	विवरण	पृष्ठ सं.
1.	निदेशकीय प्रतिवेदन	01
2.	संस्थान का संक्षिप्त परिचय	07
3.	संस्थान एक नजर में	08
4.	प्रशासन	09
	संचालक मंडल	
	वित्त समिति	
	विद्या परिषद (सीनेट)	
	भवन एवं निर्माण समिति	
	संस्थान स्तर की स्थायी समितियाँ/सेल	
5.	शैक्षणिक/ प्रशासनिक	16
	संकायगण	
	शोध अभियन्ता	
	कार्यालय प्रशासन	
	कर्मचारीगण	
6.	शैक्षणिक एवं अनुसंधान गतिविधियाँ	30
	शैक्षणिक एवं छात्र नामांकन	
	शोध परियोजनाएँ	
	कॉन्फ्रेंस, जर्नल में प्रकाशन एवं प्रकाशित पुस्तकें	
7.	दीक्षांत समारोह 2014	49
8.	प्लेसमेंट	52
9.	संकाय सदस्यों की उपलब्धियाँ	53
10.	पुस्तकालय	54
11.	सामाजिक उत्तरदायित्व	58
12.	वर्ष के दौरान विभिन्न गतिविधियाँ	62
13.	नियुक्तियाँ एवं त्यागपत्र	65
14.	विद्यार्थी जीवन	66
15.	छात्रवृत्ति एवं वित्तीय सहायता	73
16.	विद्यार्थी उत्सव एवं कार्यक्रम	76
17.	आई.आई.आई.टी.डी.एम. जबलपुर एवं जापान सहभागिता	78
18.	संगोष्ठियाँ, कार्यशालाएँ, सम्मेलन एवं प्रशिक्षण कार्यक्रम	80
19.	आधारभूत संरचना विकास	85
20.	क्रय किए गए उपकरण	93
21.	वार्षिक लेखा	94
22.	उपलब्ध निधि एवं वहन किए गए खर्च का विवरण	95
23.	वार्षिक अंकेक्षण प्रतिवेदन एवं एस.ए.आर. हेतु अनुपालन	101
24.	सूचना का अधिकार अधिनियम 2005 : प्रतिवेदन ।	110



## निदेशकीय प्रतिवेदन

भारतीय सूचना प्रौद्योगिकी, अभिकल्पन एवं विनिर्माण संस्थान, जबलपुर उच्च गुणवत्ता के प्रोत्साहन के प्राथमिक उद्देश्य के साथ मानव संसाधन विकास मंत्रालय भारत सरकार द्वारा स्थापित एक विशिष्ट संस्थान है। इसका उद्देश्य भारतीय विनिर्माण क्षेत्र के लिये नवीनतम ज्ञान से परिपूर्ण कुशल मानव संसाधन उपलब्ध कराना है। संस्थान सृजनात्मकता एवं ज्वलंत प्रवर्तन के लिये समेकित वातावरण प्रदान करता है। संस्थान के संकाय सदस्य, विद्यार्थी एवं भूतपूर्व छात्र वाणिज्यिक अवसर निर्माण एवं भारतीय उद्योगों के साथ सतत् साझेदारी निर्मित करने हेतु प्रयासरत हैं।



यह अत्यंत खुशी की बात है कि संस्थान ने 7 फरवरी 2015 को अपनी स्थापना के 10 वर्ष पूर्ण कर लिये हैं। सौभाग्य से भारतीय सूचना प्रौद्योगिकी अधिनियम 2014 के द्वारा संस्थान को राष्ट्रीय महत्त्व का दर्जा दिया गया है। इस ऐतिहासिक वर्ष में संस्थान की प्रगति एवं उपलब्धियों का ब्यौरा प्रस्तुत करना तथा वर्ष 2014-15 में संस्थान में आयोजित मुख्य कार्यक्रमों का संक्षिप्त विवरण देना वस्तुतः मेरे लिये हर्ष की बात है।

### अकादमिक कार्यक्रम

वर्ष 2005 में अपनी स्थापना से ही संस्थान तीन मुख्य विषयों कम्प्यूटर साइंस एवं इंजीनियरिंग, इलेक्ट्रॉनिक्स एवं कम्प्यूनिकेशन इंजीनियरिंग एवं मैकेनिकल इंजीनियरिंग में उच्च गुणवत्ता की शिक्षा प्रदान करता है। इन विषयों में स्नातक, परास्नातक एवं शोध कार्यक्रमों के साथ संस्थान डिजाईन में परास्नातक एवं शोध, मेकाट्रॉनिक्स में परास्नातक तथा प्राकृतिक विज्ञान (भौतिक एवं गणित) में शोध तथा जापानी भाषा में अल्पकालिक कोर्स संचालित करता है।

हमारा स्नातक पाठ्यक्रम लगातार सर्वोत्कृष्ट एवं लोकप्रिय पाठ्यक्रम रहा है जिसमें जे.ई.ई. (मुख्य) से प्रवेश दिया जाता है। अकादमिक सत्र 2014-15 के दौरान 257-स्नातक, 86-परास्नातक, एवं 10 शोध छात्रों ने प्रवेश प्राप्त किया।

### प्रायोजित अनुसंधान एवं विस्तार

राष्ट्रीय एजेंसियों द्वारा प्रायोजित अनुसंधान एवं विकास योजनाओं और शैक्षणिक शोध कार्यों को संस्थान उच्च प्राथमिकता देता है। राष्ट्रीय एजेंसियों द्वारा स्वीकृत परियोजनायें, शोध कार्यों व शैक्षणिक गुणवत्ता के स्तर को उन्नत करती है। नीचे दी गई परियोजनाओं की स्वीकृतियाँ प्राप्त हुई हैं:

1. भारत की ग्रामीण जनसंख्या हेतु स्टोव/चूल्हा डिजाईन/पी.आई. प्रो. पुनीत टंडन, डिजाईन प्रोजेक्ट (एस.डी.पी. -14-15) एम.एस. एम. ई, एन.आई.डी. अहमदाबाद की डिजाईन क्लिनिक के अंतर्गत।



2. इलेक्ट्रो-डिपोजिशन ऑफ मैगनेटिक फिल्म इन द प्रेजेंस ऑफ एक्सटर्नल मैगनेटिक फील्ड, पी.आई.: डॉ. ए.सी. मिश्रा, एस.ई.आर.बी./डी.एस.टी., नई दिल्ली द्वारा स्वीकृत।
3. डेवलपमेंट ऑफ ऐडिटिव-सबस्ट्रेक्टिव इंटीग्रेटेड आरपी सिस्टम फॉर इम्प्रूव्ड पार्ट क्वालिटी। पी.आई. डॉ. प्रशांत कुमार जैन, को पी.आई.: प्रो. पुनीत टंडन, डॉ. पी.एम. पाण्डेय (आई.आई.टी. दिल्ली), डी.एस.टी., नई दिल्ली द्वारा स्वीकृत।

एम.एस. एम. ई. एवं उत्पादन यूनिट जबलपुर के कुछ छोटे परामर्श कार्य के अलावा एन.आई.डी अहमदाबाद ने एर्गोनॉमिक्स पर एक परामर्श प्रोजेक्ट दिया जिसके पी.आई. डॉ. प्रवीर मुखेपाध्याय हैं।

संस्थान एवं आई.आई.टी. इन्दौर ने फैकल्टी एवं विद्यार्थी विनिमय तथा अनुसंधान सहयोग हेतु एक एम.ओ.यू. पर हस्ताक्षर किये हैं। डाईटी प्रयोजित डिजिटल इण्डिया कार्यक्रम के अन्तर्गत सी.ई.ई.आर.आई. पिलानी के साथ एवं एक अन्य एम.ओ.यू. हस्ताक्षर किया गया है जिसका उद्देश्य चिप्स सिस्टम डिजाईन हेतु विशेष मानवशक्ति विकास कार्यक्रम है।

मुझे यह जानकारी साझा करने में खुशी हो रही है कि संस्थान के स्कोपस सूचीबद्ध प्रकाशनों की संख्या 400 के पार निकल गई है। निरंतर हम अनुसंधान धरातल पर अपनी उपस्थिति दर्ज कर रहे हैं।

### सम्मेलन एवं कार्यशालायें

पूर्व की तरह एवं अपने अधिदेश के अनुसार संस्थान ने व्याख्यान/सम्मेलन/एवं कार्यशालायें आयोजित की। उनमें से कुछ का उल्लेख करना चाहूंगा :

1. संस्थान एवं भाभा परमाणु अनुसंधान केंद्र द्वारा संयुक्त रूप से एटॉमिक एनर्जी फॉर सस्टेनबल डेवलपमेंट ऑफ द नेशंस विषय पर सेमीनार का आयोजन (सितम्बर 20, 2014)
2. संस्थान एवं क्रिप्टोलॉजी सोसाईटी ऑफ इण्डिया द्वारा संयुक्त रूप से नेशनल वर्कशॉप ऑन क्रिप्टोग्राफी का आयोजन (सितम्बर 25-27, 2014)
3. वर्कशाप ऑन फॉल्ट डाइग्नोसिस ऑफ मशीन्स (नवंबर 01-02, 2014)
4. फीपथ वर्कशाप ऑन एप्लीकेशन ऑफ मेटालैब फॉर इंजीनियरिंग कम्प्यूटेशंस - ए.एम.ई.सी (फरवरी 06-08, 2015)
5. वर्कशाप ऑन एम.आई.सी. कम्पोनेंट फॉर नेक्स्ट जनरेशन वायरलैस कम्प्यूनिकेशन सिस्टम्स (फरवरी 13-15, 2015)
6. सिम्पोजियम ऑन नेक्स्ट जनरेशन नेटवर्क (मार्च 12-15, 2015)
7. सी.एस.टी. यूनिवर्सिटी वर्कशाप- 2015 (मार्च 26, 2015)
8. नेशनल वर्कशाप ऑन स्मार्ट ग्रिड ऐंड रिन्यूबल एनर्जी इंटीग्रेशन (मार्च 30-31, 2015)

मुख्यतः डिजाईन कार्यशाला ड्यू-2014 का उल्लेख करना चाहूंगा जो यूजर सेन्ट्रिक डिजाईन पर केन्द्रित थी तथा 8-10 दिसम्बर, 2014 के दौरान संयुक्त रूप से संस्थान एवं विदेश मंत्रालय जापान द्वारा आयोजित की गई थी। कांगवा



इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी जापान के प्रो. मसाओ इशिहमा, होकाई स्कूल ऑफ कॉमर्स के डॉ. प्रोफेसर इत्सुको तुत्सुमी, दो बार के रेड डॉट अवार्ड के विजेता श्री पॉल संदीप, पेपर किट के संस्थापक श्री क्षितिश पुरोहित, और थिंक डिजाईन के सह-संस्थापक रामा ब्राम्हमम एलेटी, राष्ट्रीय डिजाईन संस्थान, अहमदाबाद के प्रो. वी. एम. परमार ने इस कार्यशाला में अपने व्याख्यान दिये।

### संकाय सदस्य

यह सर्वविदित तथ्य है कि किसी भी अकादमिक संस्थान की गुणवत्ता मुख्यतः उसके संकाय सदस्यों पर निर्भर करती है। हमारे संकाय सदस्य अपनी तरह के सर्वश्रेष्ठ तथा अनुसंधान एवं शिक्षण की गुणवत्ता के लिये जाने जाते हैं। हमारे अधिकांश व्याख्याता प्रख्यात जर्नलों के एडीटोरियल बोर्ड में हैं एवं विभिन्न समितियों के सदस्य हैं।

हमारे फैकल्टी एवं अकादमिक स्टाफ की प्रतिबद्धता एवं लगन गुणवत्तापूर्ण अनुसंधान को बढ़ाने हेतु अब मूर्त रूप ले रही है। उनका कुछ अनुसंधान कार्य श्रेष्ठता के साथ देखा एवं उल्लेखित किया गया।

डॉ. संगीता पंडित के सह-लेखन से तैयार पेपर एरगोनॉमिक्स रिस्क असेसमेंट ऑन हैंडलूम वेवर्स इन असाम विथ द इन्ट्रोडक्शन ऑफ जैकार्ड, आई.आई.एस.सी. बेंगलोर में हुई प्रख्यात आईकोर्ड 2015 सम्मेलन में सर्वाधिक विशिष्ट रहा। अन्तर्राष्ट्रीय सम्मेलनों/कार्यशालाओं में सहभागिता हेतु इस वर्ष 12 व्याख्याताओं ने विदेश यात्रा की। डॉ. आशीष कुंडू ने केन विश्वाविद्यालय फ्रांस की क्रिस्मेट प्रयोगशाला में विजिटिंग रिसर्च व्याख्याता के तौर पर एक वर्ष रहे।

### कर्मचारी

संस्थान को गर्व है कि उसके पास प्रतिबद्ध कर्मचारी हैं। कर्मचारियों को प्रशिक्षण कार्यक्रमों में सहभागिता हेतु प्रोत्साहित किया जाता है। अपनी कुशलता बढ़ाने तथा गुणवत्तापूर्ण सेवा देने हेतु पांच कर्मचारीगण विशिष्ट प्रशिक्षण कार्यक्रमों पर गये।

### विद्यार्थी गतिविधियाँ एवं पुरस्कार

अकादमिक गतिविधियों पर जोर देने के साथ संस्थान छात्रों के सर्वांगीण विकास पर ध्यान देता है। इसी आशय से संस्थान ने पाठ्येत्तर गतिविधियों हेतु बेहतरीन इन्फ्रास्ट्रक्चर विकसित किया है जैसे कि विद्यार्थी एक्टिविटी केन्द्र, टेनिस एवं खेल मैदान, सांस्कृतिक, तकनीकी, रोबोटिक्स तथा सांस्कृतिक एवं वेलफेयर कार्यक्रम।

पूर्व की तरह विद्यार्थियों के साल भर चलने वाले कार्यक्रम परिसर को जीवंत एवं रंगीन बनाये रखते हैं। तीन मुख्य वार्षिक कार्यक्रम हैं तरंग, अभिकल्पन, तथा गस्टो। विद्यार्थियों द्वारा आयोजित कार्यक्रम केवल जबलपुर के कॉलेजों के विद्यार्थियों ही नहीं वरन देशभर के संस्थानों के लिये आकर्षण के केन्द्र रहे, इनमें विद्यार्थियों की उत्तम प्रतिभागिता रही। हमारे छात्रों ने बहुत से पुरस्कार एवं इनाम प्राप्त किये, उनमें से मुख्य हैं:-

1. बीटैक 2011 बैच के प्रतीक राज एवं केवल चंद 11वें वार्षिक एक्सट्रीम रिडिजाईन चैलेंज के सेमी फाइनलिस्ट रहे।
2. टेक्सास इन्स्ट्रूमेंट इन्वैशन चैलेंज इण्डिया डिजाईन कॉन्टेस्ट द्वारा संस्थान के छात्रों के पांच प्रोजेक्ट प्रपोजल को



स्वीकार किया गया। प्रतियोगिता का मुख्य उद्देश्य आई.सी. आधारित सिस्टम डिजाइन को प्रचारित करना था।

3. 29 अक्टूबर से 04 नवम्बर 2014 के दौरान बिट्स गोवा के वार्षिक उत्सव – वेक्स 14 में संस्थान के विद्यार्थियों द्वारा प्रस्तुति दी गई। इस प्रतियोगिता में संस्थान को 22 प्रतिभागियों के बीच 7 वां स्थान प्राप्त हुआ। संस्थान छात्रों की प्रस्तुति की सभी ने सराहना की।

### प्लेसमेंट

मुझे यह बताते हुए हर्ष होता है कि इस वर्ष विद्यार्थियों के पास प्लेसमेंट के उत्तम अवसर रहे। 35 से अधिक कम्पनियों ने संस्थान का दौरा किया एवं हमारे विद्यार्थियों को प्लेसमेंट के ऑफर दिये जिनमें इनफोसिस, ऑरेकल, परसिस्टेंट, माइक्रोसॉफ्ट, विप्रो, हिताची, एमडॉक्स तथा एम.एच.आई. शामिल है। लगभग 95 प्रतिशत अर्ह स्नातक छात्र प्लेस हो गये। हम आशा करते हैं कि भविष्य में और भी कम्पनियां संस्थान का दौरा करेंगी एवं यहां मौजूद प्रतिभा के स्रोत का लाभ लेगीं। यह अच्छी शुरुआत है कि बड़े उद्योग जैसे वर्क एप्लीकेशंस जापान, स्नैपडील, ब्रम्होस आये एवं संस्थान से प्रतिभाओं को चुना।

### ख्याति(रिकग्नीशन)

मुझे यह जानकारी देने में खुशी हो रही है कि संस्थान निम्नलिखित पुरस्कारों से सम्मानित/ व्यावसियों द्वारा चिन्हित किया गया

1. डिजिटल लर्निंग द्वारा किये गये तटस्थ सर्वे में कैटेगरी AA में सूचीबद्ध।
2. संस्थान के डिजाईन विभाग, ड्रामेटिक क्लब तथा संगीत क्लब के द्वारा निर्मित लघु फिल्म ‘‘समवेयर फॉर’’ ने केरल के सातवें अन्तर्राष्ट्रीय डाक्यूमेन्ट्री एवं शार्ट फिल्म फेस्टिवल में आधिकारिक प्रवेश पाया तथा चौथे गुजरात अन्तर्राष्ट्रीय फिल्म फेस्टिवल 2014 में आधिकारिक नामित किया गया।

### अन्तर्राष्ट्रीय एवं राष्ट्रीय सहयोग

भारत सरकार एवं जापान सरकार के बीच की सन्धि के कारण संस्थान जापान के साथ विशेष संबन्धों से लाभान्वित है। यह हमारे लिये एक विशिष्ट अवसर है जिसके अन्तर्गत हमारे व्याख्याता एवं विद्यार्थी इस सहभागिता से लाभान्वित हैं। दस संयुक्त सहयोग कार्यक्रम के अन्तर्गत हमारे व्याख्याता डॉ. पवन कुमार कांकर ने 11-28 मार्च 2015 के दौरान जापान की यात्रा की। इसके अतिरिक्त जेनेसिस कार्यक्रम के अन्तर्गत 14 विद्यार्थी 2 हफ्ते की जापान यात्रा पर रहे तथा चार विद्यार्थियों को आई.आई.टी.डी.एम.जे – जापान सहभागिता के अन्तर्गत 6 महीने की इन्टर्नशिप मिली। आठ जापानी व्याख्याताओं ने अध्यापन कार्यक्रम में योगदान देने के लिये सत्र 2014-15 में संस्थान का दौरा किया।

### वित्तीय विवरण : 2014-15

वित्तीय वर्ष 2014-15 के दौरान संस्थान को योजना अनुदान के रूप में रु. 6808.47 लाख प्राप्त हुए। संस्थान की



आंतरिक आय रू. 575.71 लाख रही जो संस्थान कॉर्पस फंड मे स्थानांतरित कर दी गयी । वित्तीय वर्ष 2014-15 के अंत में संस्थान कॉर्पस फंड रू. 1580.79 लाख का हो गया । मदवार स्वीकृत एवं व्यय किया गया अनुदान निम्नलिखित है :

				राशि लाख में
विवरण	मद 36 (वेतन)	मद 31 (सामान्य व्यय)	मद 35 (पूँजी) परिसंपत्तियों का निर्माण)	कुल राशि
प्रारंभिक शेष 01 / 04 / 14	18.27	541.96	0.16	560.39
वर्ष 2014-15 में अनुदान प्राप्त	933.57	1038.01	4836.89	6808.47
कुल उपलब्ध धन राशि	951.84	1579.97	4837.05	7368.86

कुल उपलब्ध धन राशि में से रू. 7133.32 लाख का व्यय विभिन्न मदों में निम्नुसार किया गया

				राशि लाख में
विवरण	मद 36 (वेतन)	मद 31 (सामान्य व्यय)	मद 35 (पूँजी) परिसंपत्तियों का निर्माण	कुल राशि
उपलब्ध अनुदान	951.84	1579.97	4837.05	7368.86
व्यय	796.63	1500.70	4835.99	7133.32
31 .03 .2015 को शेष धनराशि	155.21	79.27	1.06	235.54

वर्ष 2014 15 के दौरान खर्च किये हुए रू. 7133.32 लाख में से रू.4242.95 लाख निर्माण कार्य एवं क्रय हेतु क्रमशः सी. पी.डब्लू.डी. एवं डी.जी.एस.ऍंड डी. के पास जमा किये गये । रू. 112.34 लाख फर्नीचर एवं फिक्सचर, रू. 45.31 लाख प्रयोगशाला एवं कार्यालय उपकरण, रू. 131.69 लाख कम्प्यूटर हार्डवेयर एवं साफ्टवेयर, रू. 174.07 लाख का व्यय पुस्तकालय पुस्तको एवं जर्नलों की खरीदी पर व्यय किया गया ।

### परिसम्पत्तियाँ (इन्फ्रास्ट्रक्चर)

संस्थान ने अपनी परिसम्पत्तियों के निर्माण हेतु सुसंगत प्रयास किये ताकि परिकल्पित योजनओं एवं बेहतर सुविधाओं की जरूरत को पूरा किया जा सके । विजिटर्स हॉस्टल की योजना एवं निर्माण के अतिरिक्त लेक्चर हॉल एवं ट्यूटोरियल काम्प्लेक्स , बास्केटबाल कोर्ट काम्प्लेक्स, टाईप फाईव क्वार्टर, मेस एवं डाईनिंग हॉल का कार्य लगभग पूर्ण हो चुका है तथा आधिकारिक रूप से नर्मदा रेसीडेन्सी-ii का कार्य पूर्ण किया जा चुका है जोकि व्याख्याता /स्टॉफ के रिहायश के लिये है। संस्थान रोड नेटवर्क में 7 कि.मी. का इजाफा हुआ है। कुछ नये अकादमिक ब्लॉक एवं अन्य भवनों के निर्माण कार्य में संस्थान प्रयासरत है।



## अन्य गतिविधियाँ

14 से 29 सितंबर 2014 के दौरान हिन्दी पखवाड़ा मनाया गया इस दौरान अनेक कार्यक्रम आयोजित किये गये जिनमें विद्यार्थियों एवं कर्मचारियों की अच्छी सहभागिता रही। इन कार्यक्रमों में विचर्चा, वाद-विवाद, लेखन प्रतियोगिता, पोस्टर निर्माण प्रतियोगिता, स्लोगन लेखन, निबंध लेखन, कविता लेखन इत्यादि शामिल हैं।

स्वच्छ भारत अभियान विद्यार्थियों के द्वारा उत्साह के साथ मनाया गया तथा अन्य सामाजिक कार्य विद्यार्थियों के क्लब जागृति द्वारा किये गये।

यह वर्ष संस्थान के लिये उपलब्धियों का वर्ष रहा तथा संस्थान अधोसंरचना में अच्छे विकास का साक्षी बना। विद्यार्थियों संकाय सदस्यों एवं कर्मचारियों ने संस्थान की संस्कृति एवं परंपरा के निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका अदा की।

एस.जी.देशमुख  
निदेशक (प्रभारी)





## संस्थान

भारतीय सूचना प्रौद्योगिकी, अभिकल्पन एवं विनिर्माण संस्थान, जबलपुर की स्थापना मध्य प्रदेश सोसायटी पंजीयन अधिनियम 1973 के तहत 24 जनवरी 2005 को जबलपुर में मानव संसाधन विकास मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा की गई। नये संस्थान की आधारशिला तत्कालीन संघीय मानव संसाधन विकास मंत्री स्वर्गीय श्री अर्जुन सिंह जी के कर कमलों द्वारा 7 फरवरी 2005 को रखी गई। संस्थान का प्रथम शैक्षणिक सत्र अगस्त 2005 में शुरू हुआ। प्रारम्भ में संस्थान ने जबलपुर अभियांत्रिकी महाविद्यालय के सूचना प्रौद्योगिकी भवन में अस्थाई तौर पर अपना संचालन शुरू किया। भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान कानपुर के निदेशक प्रो. संजय गोविन्द धांडे को नये संस्थान के निदेशक की अतिरिक्त जिम्मेदारियाँ प्रदान की गईं। साथ ही साथ संस्थान के लिये उपयुक्त भूमि के चुनाव का कार्य शुरू हुआ जहां पर संस्थान का निर्माण हो सके। डुमना विमानतल के निकट 250 एकड़ का एक भूखण्ड चयनित किया गया जिसे संस्थान को मध्य प्रदेश शासन ने 3 मई 2006 को प्रदान किया। प्रथम प्रावस्था का निर्माण कार्य 2007 में शुरू हुआ। भारतीय सूचना प्रौद्योगिकी अधिनियम 2014 द्वारा संस्थान को राष्ट्रीय महत्व के संस्थान का दर्जा प्राप्त हुआ है।

### विज़न

पं द्वारका मिश्र भारतीय सूचना प्रौद्योगिकी, अभिकल्पन एवं विनिर्माण संस्थान, जबलपुर ऐसा संस्थान है, जो अभिकल्पन एवं विनिर्माण के क्षेत्र में पार-विषयक, नवप्रवर्तनकारी, भविष्योन्मुखी एवं गतिशीलता को समाहित करने वाले अध्यापन, गुणवत्ता पूर्ण अनुसंधान एवं शिक्षण के वैश्विक ज्ञान के केन्द्र के रूप में उभरें।

### उद्देश्य

उच्च गुणवत्तापूर्ण अनुसंधान एवं प्रशिक्षण का वातावरण निर्माण करना जो कि :

- उत्कृष्ट क्षमता वाले व्यक्तियों को अधिकतम अवसर प्रदान करें एवं रचनात्मक विकास करें।
- वास्तविक जीवन की कठिनाइयों को हल करने योग्य अंतर्विषयी ज्ञान का निर्माण करें।
- महज कक्षा शिक्षा के द्वारा ज्ञान संचरण के स्थान पर अनुसंधान एवं अनुभव द्वारा सीखने हेतु छात्रों को प्रोत्साहित करना।

### मूल्य

संचालित गतिविधियों को जारी रखने के अलावा संस्थान इस प्रकार कार्य करना चाहता है जिसमें गहरी जुड़ी साझा मूल्यों की भावनाओं का मार्गदर्शन और भविष्य की योजनाएं हों। ऐसे मजबूत संदर्भ के अन्तर्गत कार्य करते हुए संस्थान:

- ऐसा सार्थक शैक्षणिक समुदाय प्रदान करना जो बौद्धिक एवं रचनात्मक जोखिम ले और पारविषयी एवं भविष्य दृष्टिकोण द्वारा परिवर्तनों को शामिल करे जिससे भविष्य में प्रौद्योगिकीय नवाचार एवं विकास का नेतृत्व हो।
- सीखने, शिक्षण, छात्रवृत्ति, अनुसंधान और रचनात्मक गतिविधियों में उच्च प्रदर्शन की बौद्धिक जिज्ञासा में वृद्धि करना एवं शैक्षिक स्वतंत्रता के मूलभूत नियमों को संरक्षित रखकर पहचानना, प्रोत्साहित करना और सम्मानित करना।
- ऐसा वातावरण प्रदान करना जिसमें प्रकृति एवं पर्यावरण के प्रति, संस्कृति एवं मानव मूल्यों के प्रति सम्मान हो।
- ऐसा वातावरण तैयार करना जिसमें सहनशीलता और बिना लिंग, जाति, धर्म, क्षेत्र, देश-विदेश आधारित भेदभाव के एवं संस्थान के प्रत्येक सदस्य की व्यक्तिगत गरिमा संरक्षित रखते हुए तर्कपूर्ण वाद हो और परिसर में सभ्यता के वातावरण का निर्माण हो।



### संस्थान एक नजर में

छात्रों की संख्या	1182 ( 969 स्नातक+ 126 परास्नातक+ 87 शोध छात्र )		
संकाय सदस्यों की संख्या	49 + 6 शोध अभियंता		
अधिकारियों की संख्या	8		
कर्मचारियों की संख्या	41		
अकादमिक कार्यक्रम	14 ( 3 स्नातक + 5 परास्नातक + 6 शोध ) + 1 सर्टिफिकेट प्रोग्राम + 1 जापानी भाषा में डिप्लोमा		
दीक्षांत समारोह 2014	प्रदान की गई उपाधियां		
	स्नातक	परास्नातक	शोध
	230	25	02
परिसर	10,00,000 वर्ग मी.		
निर्मित भवन (प्लिंथ एरिया )	69,966 वर्ग मी .		
निर्माणाधीन भवन (प्लिंथ एरिया )	56,812 वर्ग मी.		
	प्रमुख निर्मित भवन	3 छात्रावास (क्षमता 1400) 1 विजिटर हॉस्टल – (36 डबल बेड रूम ) 1 लेक्चर हॉल एवं ट्यूटोरियल कॉम्प्लेक्स ( 7 हॉल एवं 16 कक्ष ) 1 कोर लैब कॉम्प्लेक्स + वर्कशॉप एनेक्सी 1 नर्मदा रेसीडेंसी – II (55 – दो बी.एच.के. फ्लैट)	
	छात्र गतिविधि केन्द्र	1 बास्केट बॉल कोर्ट कॉम्प्लेक्स 1 टेनिस कोर्ट 1 वॉलीबाल मैदान 1 कॉमन प्ले फील्ड + 400 मीटर का ट्रेक 1 विद्यार्थी गतिविधि केन्द्र निर्माणाधीन है	
आय ( 2014–15)	अनुदान	वित्त वर्ष 2013–14 की शेष राशि	
राशि (लाख में)	6808.47	560.39	
व्यय ( 2014–15)	पूँजी (शीर्षक 35)	सामान्य (शीर्षक 31)	वेतन (शीर्षक 36)
राशि (लाख में)	4835.99	1500.70	796.63



## प्रशासन

यह संस्थान मानव संसाधन विकास मंत्रालय के द्वारा एक मेमोरेण्डम ऑफ एसोसियेशन के नियमों के अंतर्गत संचालित है। एम.ओ.ए. के अंतर्गत संस्थान की प्रशासनिक संरचना निम्नवत है:-

1. संचालक मंडल (बी.ओ.जी.)
2. वित्त समिति (एफ.सी.)
3. विद्या परिषद (सीनेट)
4. भवन एवं निर्माण समिति (बी.डबल्यू.सी.)

भारतीय सूचना प्रौद्योगिकी अधिनियम 2014 के प्रभावी होते ही संस्थान द्वारा नये संचालक मंडल, विद्या परिषद, वित्त समिति एवं भवन एवं निर्माण समिति के गठन की प्रक्रिया जनवरी 2015 में शुरू की गई। वर्ष 2014-15 के दौरान संस्थान की प्रशासनिक संरचना इस प्रकार रही :

### संचालक मंडल (बी ओ जी)

सदस्य का नाम	पद
डॉ. कोटा हरिनारायण डी एस कोठारी चेयर, डी.आर.डी.ओ., अध्यक्ष – ए.डी.ए.	अध्यक्ष (2 दिसंबर 2014 से)
प्रो. एस.वी.राघवन वैज्ञानिक सचिव, प्रमुख वैज्ञानिक सलाहकार कार्यालय, भारत सरकार	अध्यक्ष (1 दिसंबर 2014 तक)
श्री डी. एम. गुप्ता आई.ओ.एफ.एस. (सेवानिवृत्त) भूतपूर्व डी.जी.ओ.एफ. एवं अध्यक्ष, आर्डिनेंस फैक्ट्री बोर्ड	सदस्य
प्रो. सुधीर के. जैन निदेशक, आई.आई.टी. गांधीनगर	सदस्य (5 दिसंबर 2014 से)
प्रो. हरीश कार्निक, प्राध्यापक, आई.आई.टी. कानपुर	सदस्य (5 दिसंबर 2014 से)
श्री अजय कुमार (भा प्रा से) संयुक्त सचिव, इलेक्ट्रॉनिक्स तथा सूचना प्रौद्योगिकी विभाग, भारत सरकार	सदस्य
श्री आशीष कुमार चौहान मैनेजिंग डायरेक्टर एवं सीईओ, बाम्बे स्टॉक एक्सचेंज, मुंबई	सदस्य
श्री अमित खरे (भा प्रा से) संयुक्त सचिव (प्रशासनिक ब्यूरो), मानव संसाधन विकास मंत्रालय, भारत सरकार	सदस्य पदेन (12 अक्टूबर 2014 तक)



श्री संजीव शर्मा निदेशक (समस्त राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान)	सदस्य पदेन (13 अक्टूबर 2014 तक)
श्री हरिरंजन राव ( भा प्रा से) सचिव, सूचना प्रौद्योगिकी विभाग, मध्य प्रदेश सरकार	सदस्य पदेन
श्री शंकर के. पाल विशिष्ट वैज्ञानिक एवं भूतपूर्व निदेशक, भारतीय सांख्यिकी संस्थान, कोलकाता	सदस्य (5 दिसंबर 2014 से)
प्रो. एस. जी. देशमुख निदेशक (प्रभारी), भारतीय सूचना प्रौद्योगिकी, अभिकल्पन एवं विनिर्माण संस्थान जबलपुर	सदस्य पदेन (18 फरवरी 2015 से)
प्रो. अपराजिता ओझा निदेशक, भारतीय सूचना प्रौद्योगिकी, अभिकल्पन एवं विनिर्माण संस्थान जबलपुर	सदस्य पदेन (17 फरवरी 2015 तक)
प्रो. पुनीत टंडन अधिष्ठाता (नियोजन एवं विकास), भारतीय सूचना प्रौद्योगिकी, अभिकल्पन एवं विनिर्माण संस्थान जबलपुर	सदस्य (7 सितंबर 2014 तक)
प्रो. तनुजा शेवड़े अधिष्ठाता (विद्यार्थी), भारतीय सूचना प्रौद्योगिकी, अभिकल्पन एवं विनिर्माण संस्थान जबलपुर	सदस्य (7 सितंबर 2014 तक)
श्री आर. पी. द्विवेदी कुलसचिव, भारतीय सूचना प्रौद्योगिकी, अभिकल्पन एवं विनिर्माण संस्थान जबलपुर	सचिव पदेन

वर्ष 2014-15 में संचालक मंडल की दो सभायें आयोजित की गईं।

### वित्त समिति (एफ सी)

सदस्य	पद
डॉ. कोटा हरिनारायण डी.एस. कोठारी चेयर, डी.आर.डी.ओ., अध्यक्ष – ए.डी.ए.	अध्यक्ष पदेन (2 दिसंबर 2014 से)
प्रो. एस.वी.राघवन वैज्ञानिक सचिव, प्रमुख वैज्ञानिक सलाहकार कार्यालय, भारत सरकार	अध्यक्ष पदेन (1 दिसंबर 2014 तक)
प्रो. एस. जी. देशमुख निदेशक (प्रभारी), भारतीय सूचना प्रौद्योगिकी, अभिकल्पन एवं विनिर्माण संस्थान जबलपुर	सदस्य पदेन (18 फरवरी 2015 से)
प्रो. अपराजिता ओझा निदेशक, भारतीय सूचना प्रौद्योगिकी, अभिकल्पन एवं विनिर्माण संस्थान जबलपुर	सदस्य पदेन (17 फरवरी 2015 तक)



श्री नवीन सोई निदेशक (वित्त), मानव संसाधन विकास मंत्रालय, भारत सरकार	सदस्य (31 जुलाई 2014 तक)
श्री राजेश सिंह निदेशक (वित्त), मानव संसाधन विकास मंत्रालय, भारत सरकार	सदस्य (1 अगस्त 2014 से)
श्री आलोक मिश्रा निदेशक (प्रौद्योगिकी), मानव संसाधन विकास मंत्रालय, भारत सरकार	सदस्य पदेन
श्री प्रबोध पाण्डेय, उप कुलसचिव (वित्त एवं लेखा), भारतीय सूचना प्रौद्योगिकी, अभिकल्पन एवं विनिर्माण संस्थान जबलपुर	सचिव पदेन (26 अगस्त 2014 से)
श्री आर. पी. द्विवेदी कुलसचिव, भारतीय सूचना प्रौद्योगिकी, अभिकल्पन एवं विनिर्माण संस्थान जबलपुर	सचिव पदेन (25 अगस्त 2014 तक)

वित्त वर्ष 2014-15 में वित्त समिति की 1 सभा आयोजित की गई।

### भवन एवं निर्माण समिति

सदस्य	पद
प्रो. एस. जी. देशमुख निदेशक (प्रभारी), भारतीय सूचना प्रौद्योगिकी, अभिकल्पन एवं विनिर्माण संस्थान जबलपुर	अध्यक्ष पदेन (18 फरवरी 2015 से)
प्रो. अपराजिता ओझा निदेशक, भारतीय सूचना प्रौद्योगिकी, अभिकल्पन एवं विनिर्माण संस्थान जबलपुर	अध्यक्ष पदेन (17 फरवरी 2015 तक)
प्रो. पुनीत टंडन अधिष्ठाता (नियोजन एवं विकास), भारतीय सूचना प्रौद्योगिकी, अभिकल्पन एवं विनिर्माण संस्थान जबलपुर	सदस्य
श्री ए. के. पाण्डेय अधीक्षण अभियंता, मध्य प्रदेश पूर्व क्षेत्र विद्युत वितरण कम्पनी लिमिटेड, जबलपुर	सदस्य
श्री पी. आर. पाटिल अधीक्षण अभियन्ता, केन्द्रीय लोक निर्माण विभाग, भोपाल	सदस्य
श्री आर. पी. द्विवेदी कुलसचिव, भारतीय सूचना प्रौद्योगिकी, अभिकल्पन एवं विनिर्माण संस्थान जबलपुर	पदेन सचिव एवं सं पत्ति अधिकारी

वर्ष 2014-15 के दौरान भवन एवं निर्माण समिति की कोई बैठक आयोजित नहीं हुई।



### विद्या परिषद (सीनेट)

प्रो. एस. जी. देशमुख निदेशक (प्रभारी), भारतीय सूचना प्रौद्योगिकी, अभिकल्पन एवं विनिर्माण संस्थान जबलपुर	अध्यक्ष पदेन (18 फरवरी 2015 से)
प्रो. अपराजिता ओझा निदेशक, भारतीय सूचना प्रौद्योगिकी, अभिकल्पन एवं विनिर्माण संस्थान जबलपुर	अध्यक्ष पदेन (17 फरवरी 2015 तक) एवं सदस्य (11 मार्च 2015 से)
प्रो. पुनीत टंडन अधिष्ठाता (नियोजन एवं विकास), भारतीय सूचना प्रौद्योगिकी, अभिकल्पन एवं विनिर्माण संस्थान जबलपुर	सदस्य
प्रो. तनुजा शेवड़े अधिष्ठाता (विद्यार्थी), भारतीय सूचना प्रौद्योगिकी, अभिकल्पन एवं विनिर्माण संस्थान जबलपुर	सदस्य
प्रो. विजय कुमार गुप्ता अधिष्ठाता (अकादमिक), भारतीय सूचना प्रौद्योगिकी, अभिकल्पन एवं विनिर्माण संस्थान जबलपुर	सदस्य
प्रो. पी. एन. कौंडेकर, विषय प्रमुख (इलेक्ट्रॉनिक्स एवं कम्प्यूटेशन इंजीनियरिंग) , भारतीय सूचना प्रौद्योगिकी, अभिकल्पन एवं विनिर्माण संस्थान जबलपुर	सदस्य (11 मार्च 2015 से)
डॉ. प्रबीर मुखोपाध्याय, विषय प्रमुख (डिजाइन), भारतीय सूचना प्रौद्योगिकी, अभिकल्पन एवं विनिर्माण संस्थान जबलपुर	सदस्य (11 मार्च 2015 से)
डॉ. प्रशांत कुमार जैन विषय प्रमुख (मैकेनिकल इंजीनियरिंग) भारतीय सूचना प्रौद्योगिकी, अभिकल्पन एवं विनिर्माण संस्थान जबलपुर	सदस्य (11 मार्च 2015 से)
डॉ. अतुल गुप्ता विषय प्रमुख (कम्प्यूटर साइंस एवं इंजीनियरिंग) , भारतीय सूचना प्रौद्योगिकी, अभिकल्पन एवं विनिर्माण संस्थान जबलपुर	सदस्य (11 मार्च 2015 से)
प्रो. वी. एम. गद्रे प्राध्यापक (ई.ई.), भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान, बॉम्बे	सदस्य
डॉ. एम. के. रॉय, विषय प्रमुख (प्राकृतिक विज्ञान), भारतीय सूचना प्रौद्योगिकी, अभिकल्पन एवं विनिर्माण संस्थान जबलपुर	सदस्य (11 मार्च 2015 से)
प्रो. पी. वी. एम. राव प्राध्यापक, भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान, दिल्ली	सदस्य (11 मार्च 2015 से)



प्रो. अमिताभ मुखर्जी प्राध्यापक, भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान, कानपुर	सदस्य (11 मार्च 2015 से)
डॉ. देवानिक रॉय भाभा परमाणु अनुसंधान केंद्र, मुंबई	सदस्य (11 मार्च 2015 से)
डॉ. सुनील अग्रवाल विषय प्रमुख (मैकेनिकल इंजीनियरिंग), भारतीय सूचना प्रौद्योगिकी, अभिकल्पन एवं विनिर्माण संस्थान जबलपुर	सदस्य (10 मार्च 2015 तक)
श्री एस. एम. अमाने ए.जी.एम., टाटा मोटर्स	सदस्य (10 मार्च 2015 तक)
डॉ. एम. अमरनाथ सहायक प्राध्यापक (मैकेनिकल इंजीनियरिंग), भारतीय सूचना प्रौद्योगिकी, अभिकल्पन एवं विनिर्माण संस्थान जबलपुर	सदस्य (10 मार्च 2015 तक)
प्रो. वी. के. जैन प्राध्यापक (मैकेनिकल इंजीनियरिंग) भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान, कानपुर	सदस्य (10 मार्च 2015 तक)
डॉ. पवन कुमार कांकर, सहायक प्राध्यापक (मैकेनिकल इंजीनियरिंग), भारतीय सूचना प्रौद्योगिकी, अभिकल्पन एवं विनिर्माण संस्थान जबलपुर	सदस्य (10 मार्च 2015 तक)
डॉ. प्रीति खन्ना, विषय प्रमुख (कम्प्यूटर साइंस एवं इंजीनियरिंग), भारतीय सूचना प्रौद्योगिकी, अभिकल्पन एवं विनिर्माण संस्थान जबलपुर	सदस्य (10 मार्च 2015 तक)
प्रो. उदय खेडकर, प्राध्यापक, कम्प्यूटर साइंस एवं इंजीनियरिंग., भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान, बॉम्बे	सदस्य (10 मार्च 2015 तक)
डॉ. लोकेन्द्र कुमार, सहायक प्राध्यापक, भारतीय सूचना प्रौद्योगिकी, अभिकल्पन एवं विनिर्माण संस्थान जबलपुर	सदस्य (10 मार्च 2015 तक)
डॉ. आशीष कुमार कुन्दू, विषय प्रमुख (प्राकृतिक विज्ञान), भारतीय सूचना प्रौद्योगिकी, अभिकल्पन एवं विनिर्माण संस्थान जबलपुर	सदस्य (10 मार्च 2015 तक)
डॉ. प्रवीन कुमार पाधी, सह प्राध्यापक, इलेक्ट्रॉनिक्स एवं कम्प्यूनिकेशन इंजीनियरिंग, भारतीय सूचना प्रौद्योगिकी, अभिकल्पन एवं विनिर्माण संस्थान जबलपुर	सदस्य (10 मार्च 2015 तक)
डॉ. दिनेश कुमार विश्वाकर्मा, विषय प्रमुख (इलेक्ट्रॉनिक्स एवं कम्प्यूनिकेशन इंजीनियरिंग), भारतीय सूचना प्रौद्योगिकी, अभिकल्पन एवं विनिर्माण संस्थान जबलपुर	सदस्य (10 मार्च 2015 तक)
डॉ. पराग व्यास, ग्रू बार डिजाइन, इंदौर	सदस्य (10 मार्च 2015 तक)
श्री आर. पी. द्विवेदी, कुलसचिव, भारतीय सूचना प्रौद्योगिकी, अभिकल्पन एवं विनिर्माण संस्थान जबलपुर	सचिव

शैक्षणिक वर्ष 2014-15 के दौरान विद्या परिषद की 7 बैठकें हुईं जिनमें 2 विशेष बैठकें शामिल हैं।



## विद्या परिषद (सीनेट) की स्थायी समितियाँ

### विद्या परिषद स्नातक समिति (यूजीसीएस)

डॉ. पवन कुमार कांकर	संयोजक
डॉ. अमरेश चंद्र मिश्रा	सदस्य
डॉ. प्रवीन कुमार पाधी	सदस्य
डॉ. श्रबन कुमार मोहन्ती	सदस्य
डॉ. गौतम दत्ता	सदस्य

### विद्या परिषद स्नातकोत्तर समिति (पीजीसीएस)

डॉ. दिनेश कुमार विश्वाकर्मा	संयोजक
डॉ. अनिल कुमार	सदस्य
डॉ. प्रवीर मुखोपाध्याय	सदस्य
डॉ. एम. अमरनाथ	सदस्य
डॉ. विनोद कुमार जैन	सदस्य

### विद्या परिषद छात्र पुरस्कार प्रदायिनी समिति (एसपीएसीएस)

डॉ. अतुल गुप्ता	संयोजक
डॉ. सुनील अग्रवाल	सदस्य
डॉ. प्रवीर मुखोपाध्याय	सदस्य
डॉ. पवन कुमार कांकर	सदस्य
डॉ. सुजॉय मुखर्जी	सदस्य
डॉ. विनय कुमार सिंह	सदस्य

### विद्या परिषद छात्र सलाहकार समिति (एसएसीएस)

प्रो. तनुजा शेवड़े	संयोजक
प्रो. पी. एन. कोंडेकर	सदस्य
डॉ. श्रबन कुमार मोहन्ती	सदस्य





डॉ. निहार रंजन जेना	सदस्य
डॉ. अमरेश चंद्र मिश्रा	सदस्य
श्री अभिषेक मिश्रा	छात्र समन्वयक (काउंसलिंग सर्विस)
श्री विकास कुमार मालवीय	छात्र सदस्य (स्नातकोत्तर)
श्री अनुराग प्रकाश	छात्र सदस्य (स्नातक)

विद्या परिषद पुस्तकालय समिति (एलसीएस)

डॉ. अनिल कुमार	संयोजक
डॉ. मनोज सिंह परिहार	सदस्य (ई.सी.ई. विषय संयोजक)
डॉ. सुजाँय मुखर्जी	सदस्य (एम.ई. विषय संयोजक)
डॉ. अनुराग सिंह (11 दिसंबर 2014 तक)	सदस्य (सी.एस.ई. विषय संयोजक)
डॉ. लोकेन्द्र कुमार	सदस्य (गणित विषय संयोजक)
डॉ. नीरज कुमार जायसवाल	सदस्य (भौतिकी विषय संयोजक)
डॉ. प्रबीर मुखोपाध्याय	सदस्य (डिजाइन विषय संयोजक)
डॉ. ममता आनंद	सदस्य (एच.एस.एस. विषय संयोजक)
सुश्री मेनिका पटेल	सहायक पुस्तकालयाध्यक्षा





## शैक्षणिक/प्रशासनिक स्टाफ

### संकाय

संस्थान में बहुत ही विशेष रूप से देश में उपलब्ध सर्वाधिक प्रतिभाशाली संकाय का चयन किया जाता है। संस्थान की संकाय सदस्य संख्या शुरुआत में 2 से बढ़कर वर्तमान में 49 हो गई है एवं 6 शोध अभियन्ता भी हैं, जो कि संस्थान के शैक्षणिक एवं अनुसंधान कार्यक्रमों में योगदान कर रहे हैं। संस्थान ने अन्य संस्थान या संगठनों के व्यक्तियों को भी अतिथि शिक्षक के रूप में विभिन्न विशेष विषय वस्तुओं पर या पाठ्यक्रमांश के रूप में या दोनों के रूप में व्याख्यान देने हेतु आमंत्रित किया। वर्तमान समय में संकाय सदस्य एवं शोध अभियन्ताओं की स्वीकृत संख्या 84 है।

संकाय सदस्यों, शोध अभियन्ताओं एवं उनकी विशेषज्ञताओं की सूची निम्नानुसार है:-

### प्राध्यापक

नाम एवं पद	प्रोफेशनल विवरण	कार्यक्षेत्र एवं विशेषज्ञता
 प्रो. अपराजिता ओझा	रा.दु.वि.वि., जबलपुर से शोध उपाधि	ज्योमेट्रिक मॉडलिंग, कम्प्यूटर एडेड ज्योमेट्रिक डिजाइन, फाइनाइट ऐलीमेन्ट्स, स्पलाइन थ्योरी, एप्रोक्सीमेशन थ्योरी, वेवलेट एनालिसिस, ऑब्जेक्ट ओरियेन्टेड/एस्पेक्ट ओरियेन्टेड मॉडलिंग एण्ड डिजाइन, विजुअल क्रिप्टोग्राफी, पाथ प्लानिंग
 प्रो. पुनीत टंडन	भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान, कानपुर से शोध उपाधि	ज्योमेट्रिक मॉडलिंग फॉर डिजाइन, इंजीनियरिंग एण्ड मैनुफैक्चरिंग, कॉन्सेप्चुअल डिजाइन, प्रोजेक्ट इनोवेशन, डिजाइन एण्ड डेवलपमेन्ट, मेकाट्रॉनिक्स, रेपिड प्रोटोटाइपिंग एण्ड टूलिंग, रिवर्स इंजीनियरिंग, एन सी प्रोग्रामिंग, टूल डिजाइनिंग इत्यादि



प्रो. तनुजा शिवड़े

भारतीय प्रौद्योगिकी  
संस्थान, कानपुर से  
शोध उपाधि

एल्गोरिदम डेवलपमेंट एण्ड  
न्यूमेरिकल एनालिसिस,  
मेथामेटिकल मॉडलिंग ऑफ फ्लो  
थु पोरस मीडिया, डोमेन  
डिफॉर्मोजीसन एण्ड पैरलल  
कम्प्यूटेशन, इग्जास्त ईमिशन  
कन्ट्रोल फ्राम ऑटोमोबाइल



प्रो. विजय कुमार  
गुप्ता

भारतीय प्रौद्योगिकी  
संस्थान, बाम्बे से शोध  
उपाधि

स्मार्ट स्ट्रक्चर, मशीन डिजाइन,  
फाइनाइट एलीमेन्ट मेथडस्



प्रो. प्रवीण  
नेमीनाथ कोंडेकर

भारतीय प्रौद्योगिकी  
संस्थान, बाम्बे से शोध  
उपाधि

इलेक्ट्रॉनिक सरकिट डिजाइन,  
वीएलएसआई डिजाइन (मोस्ट लेवल),  
डिवाइस सिमूलेशन एण्ड मॉडलिंग, आर  
एफ आईडेंटिफिकेशन, आर एफ पावर  
सेमीकन्डक्टर एण्ड मॉडलिंग

#### सह-प्राध्यापक



डॉ. प्रीति खन्ना

कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय  
से शोध उपाधि

कम्प्यूटर ग्राफिक्स, ज्योमेट्रिक मॉडलिंग,  
डाटाबेस मैनेजमेंट सिस्टमस्,  
बायोमेट्रिक्स, डेटा स्ट्रक्चर



डॉ. अतुल गुप्ता

भारतीय प्रौद्योगिकी  
संस्थान, दिल्ली से  
शोध उपाधि

सॉफ्टवेयर इंजीनियरिंग, ऑब्जेक्ट  
ओरियन्टेड सिस्टमस्, इम्पीरियल  
सॉफ्टवेयर इंजीनियरिंग, सॉफ्टवेयर  
टेस्टिंग, सॉफ्टवेयर इंजीनियरिंग  
एजुकेशन



डॉ. प्रवीन कुमार  
पाधी

भारतीय प्रौद्योगिकी  
संस्थान, गुवाहाटी से  
शोध उपाधि

ऑटोमेटिक कन्ट्रोलर ट्यूनिंग,  
आइडेन्टीफिकेशन एण्ड कन्ट्रोल ऑफ  
प्रोसेसेस



डॉ. एम. रवि बाबू

भारतीय प्रौद्योगिकी  
संस्थान, दिल्ली से  
शोध उपाधि

मटेरियल एनालिसिस बाय थर्मिनल वेव  
इमेजिंग, ऑप्टिकल टेक्नोलोजीस फॉर  
नॉनडिस्ट्रक्टिव मेजरमेंट्स,  
अल्ट्रासोनिक इमेजिंग, रेडियोग्राफी,  
इन्स्ट्रुमेंटेशन फॉर नॉन-डिस्ट्रक्टिव  
मेजरमेंट



डॉ. सुनील  
अग्रवाल

भारतीय प्रौद्योगिकी  
संस्थान, कानपुर से  
शोध उपाधि

प्रोडक्सन एण्ड ऑपरेशन मेनेजमेंट,  
प्रोबेबिलिटी एण्ड स्टेटिक्स, टाइम  
सिरीज एनालिसिस एण्ड क्वालिटी  
कन्ट्रोल



डॉ. प्रशान्त कुमार  
जैन

भारतीय प्रौद्योगिकी  
संस्थान, दिल्ली से  
शोध उपाधि

रेपिड प्रोटोटाइपिंग टूलिंग सीएनसी  
मशीनिंग, ज्यामेट्रिक मॉडलिंग,  
कैड/कैम इन्टीग्रेशन, कम्प्यूटेशनल  
ज्यामेट्री, डिजाइन ऑटोमेशन नैनो  
टेक्नोलॉजीस इन मैनुफैक्चरिंग



डॉ. गौतम दत्ता

भारतीय प्रौद्योगिकी  
संस्थान, बॉम्बे से  
शोध उपाधि

कम्प्यूटेशनल फ्लूड डाइनामिक्स हीट  
ट्रांसफर, टू फेस फ्लो इन्स्टैबिलिटी  
एनालिसिस, न्यूक्लीयर कपल्ड थर्मल  
हाईड्रोलिक इन्स्टैबिलिटी एनालिसिस



डॉ. दिनेश कुमार  
विश्वकर्मा

भारतीय विज्ञान  
संस्थान, बैंगलौर से  
शोध उपाधि

एनालिटिकल एण्ड एफडीटीडी  
मॉडलिंग, एन्टेना एनालिसिस एण्ड  
डिजाइन, माइक्रोवेव इंजीनियरिंग,  
एप्लाइड फोटोनिक्स, फाइबर ऑप्टिक  
कम्युनिकेशन



डॉ. प्रवीर  
मुखोपाध्याय

लिमेरिक  
विश्वविद्यालय,  
आयरलैण्ड से शोध  
उपाधि

इन्जरी प्रिडिक्सन, इण्डस्ट्रीयल  
इरगोनॉमिक्स, ऑकुपेशनल  
इरगोनॉमिक्स, इरगोनॉमिक्स इन  
इम्प्रोविंग प्रोडक्टिविटी, ट्रॉन्सपोर्सन  
इरगोनॉमिक्स, मैकरो इरगोनॉमिक्स,  
कॉगरिटिव इरगोनॉमिक्स



डॉ. जवर सिंह

ब्रिस्टल विश्वविद्यालय,  
यूके से शोध उपाधि

वीएलएसआई, लो पॉवर सिस्टम  
डिजाइन, नैनो-सीएमओएस एण्ड  
टीएफईटी एसआरएएम्स, प्रोसेस  
वैरियेशन एण्ड फॉल्ट टोलेरेंट  
एसआरएएम डिजाइन, स्टेटिक्सियल  
एनालिसिस आफ प्रोसेस वैरियेसन्स इन  
नैनो-सीएमओएस डिवाइस



डॉ. आशीष कुमार  
कुन्डू

जे.एन.सी.ए.एस.आर.  
से शोध उपाधि

टोस अवस्था भौतिकी

#### सहायक प्राध्यापक



डॉ. सुवीर सिंह  
लाम्बा

भारतीय प्रौद्योगिकी  
संस्थान, कानपुर से  
शोध उपाधि

पैरेलल कम्प्यूटिंग,  
कम्प्यूटेशनल फ्लीड  
डायनेमिक्स, हाइपरबोलिक  
आईबीवीपी, स्पेक्ट्रल  
मेथड



डॉ. मुकेश कुमार  
रॉय

भारतीय प्रौद्योगिकी  
संस्थान, कानपुर से  
शोध उपाधि

फॉर्मेशन एण्ड  
कैरेक्टराइजेशन आफ  
मैग्नेटिक नैनो  
पारटिकल्स, मैग्नेटिक  
मल्टीलेयर, इमीस्काइबल  
मैग्नेटिक एलॉय, लो  
कॉस्ट साइंस टीचिंग  
मैथडोलोजीस



डॉ. भूपेन्द्र गुप्ता  
भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान,  
कानपुर से शोध उपाधि

रेन्डम ग्राफ्स एण्ड इट्स  
एप्लीकेशन्स,  
स्टाकेस्टिक प्रोसेस,  
प्रोबेविलिटी थ्योरी



डॉ. राजिव कुमार  
झा  
(2 जून 2014  
तक)

वीडियो इंडेक्सिंग,  
मोशन डिटेक्शन यूजिंग  
आप्टिकल फ्लो, इमेज  
वॉटर मार्किंग,  
स्टीग्नोग्राफी,  
स्टॉकास्टिक रेजोनेन्स  
फॉर इमेजेस, इमेज  
इनहैन्समेंट यूजिंग  
मल्टीरैटिनेक्स एण्ड  
न्यूली डेवेलप्ड हाई पास  
फिल्टरिंग एप्रोच



डॉ. एच. चेलादुई  
भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान,  
कानपुर से शोध उपाधि

कन्डीशन मॉनीटरिंग,  
वर्चुल इन्स्ट्रुमेंटेशन एण्ड  
आर्टिफिशियल न्यूरल  
नेटवर्क्स



डॉ. एम. अमरनाथ  
भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान,  
मद्रास से शोध उपाधि

कन्डीसन मॉनीटरिंग  
एण्ड फॉल्ट डिटेक्शन इन  
रोटेटिंग मशीनरी,  
अकॉस्टिक्स एण्ड  
वाइब्रेशन एनालिसिस,  
लुब्रीकेशन ऑयल  
ट्रिबोलोजी, नॉन  
डिस्ट्रक्टिव टेस्टिंग



डॉ. लोकेन्द्र कुमार  
भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान,  
कानपुर से शोध उपाधि

स्वैक्ड्रल मैथड्स, पैरेलल  
एल्गोरिदम्स, पार्शियल  
डिफेन्शियल इक्वेशन,  
न्यूमेरिकल लीनियर  
एल्जेब्रा



डॉ. राजेश कुमार  
पाण्डेय  
(9 जून 2014  
तक)

काशी हिंदू विश्वविद्यालय,  
वाराणसी से शोध उपाधि

वेवलेट एनालिसिस,  
न्यूमेरिकल एनालिसिस



डॉ. अनिल कुमार

भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान,  
रूड़की से शोध उपाधि

सॉलिड स्टेट  
इलेक्ट्रॉनिक्स मैटेरियल  
द्विसेमीकण्डक्टर डिवाइस  
एण्ड मैटेरियल  
सेमीकण्डक्टर मैटेरियल  
एण्ड टेक्नोलॉजी सॉलिड



डॉ. श्रबन कुमार  
मोहन्ती

भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान,  
गुवाहाटी से शोध उपाधि

एल्गोरिदम फॉर बिग डाटा,  
सिक्यूरिटी इश्यूज इन  
क्लाउड कम्प्यूटिंग,  
क्लस्टरिंग फॉर मेसिव डाटा  
सेट्स



डॉ. ममता आनन्द

वनस्थली विद्यापीठ से अंग्रेजी  
साहित्य में शोध उपाधि

अमेरिकन ट्रांसेन्डेन्टिज्म,  
इण्डियन स्पीजवचुआलिज्म,  
जेन्डर स्टडीज, कल्चरल  
स्टडीज, कॉन्सेप्ट ऑफ  
ह्यूमन आइडेन्टिटी



डॉ. पवन कुमार  
कांकर

भारतीय प्रौद्योगिकी  
संस्थान, रूड़की से शोध उपाधि

वाइब्रेशन, कन्डीसन  
मॉनिटरिंग, नॉनलाइनर  
डायनेमिक्स, सॉफ्ट कम्प्यूटिंग



डॉ. निहार रंजन  
जेना

काशी हिन्दू विश्वविद्यालय से  
शोध उपाधि

डीएनए डायनामिक्स,  
डीएनए- प्रोटीन इन्टरेक्सन,  
एन्जाइम कैटालिसिस,  
प्रोटीन-इन्हीबिटर बाइन्डिंग  
एण्ड ड्रग डिजाइन



पंडित द्वारका प्रसाद मिश्र  
भारतीय सूचना प्रौद्योगिकी,  
अभिकल्पन एवं विनिर्माण संस्थान, जबलपुर



डॉ. विनय कुमार  
सिंह

भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान,  
कानपुर से शोध उपाधि

सॉलिड स्टेट डिवाइस एवं  
ऑर्गेनिक इलेक्ट्रॉनिक्स



डॉ. सुजाँय  
मुखर्जी

भारतीय विज्ञान संस्थान,  
बैंगलौर से शोध उपाधि

स्ट्रक्चरल डॉयनेमिक्स,  
स्मार्ट मैटेरियल्स एवं  
स्ट्रक्चर्स



डॉ. अमरेश चंद्र  
मिश्रा

भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान,  
खड्गपुर से शोध उपाधि

चुंबकीय थिन फिल्मस,  
सॉफ्ट चंबकीय पदार्थ,  
चुंबकीय ट्रांसपोर्ट  
फिनोमेना



डॉ. मनोज सिंह  
परिहार

भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान,  
दिल्ली से शोध उपाधि

रेडियो फ्रीक्वेन्सी एवं  
माइक्रोवेव



डॉ. जयेश  
पिल्लई

आर्ट्स एट मेटियर्स पेरिस  
टेक, एंगर्स, फ्रांस से शोध  
उपाधि

विसुअल संचार, ग्राफिक  
डिजाईन, सिनेमा, न्यू  
मीडिया, वर्चुअल रियालटी



डॉ. सचिन कुमार  
जैन

भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान,  
कानपुर से शोध उपाधि

पावर इलेक्ट्रॉनिक्स,  
इलेक्ट्रिक ड्राईव्स पावर  
सिस्टम्स





डॉ. विनोद कुमार  
जैन

ए बी वी-आई आई आई टी एम  
ग्वालियर से शोध उपाधि

कम्प्यूटर नेटवर्क, वायरलैस  
नेटवर्क, मशीन लर्निंग



डॉ. मातादीन  
बंसल

ए बी वी-आई आई आई टी एम  
ग्वालियर से शोध उपाधि

वायरलैस संचार एवं  
नेटवर्किंग



डॉ. अनुराग सिंह  
(11 दिसंबर 2014  
तक)

भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान,  
कानपुर से शोध उपाधि

काम्प्लैक्स नेटवर्क



डॉ. निहार कुमार  
महतो

भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान,  
खडगपुर से शोध उपाधि

एपलाईड फंक्शनल  
एनालिसिस एवं  
ऑप्टिमाइजेशन



डॉ. मनोज कुमार  
पंडा

भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान,  
कानपुर से शोध उपाधि

तरल गतिविज्ञान एवं  
न्यूमेरिकल एनालिसिस



डॉ. नीरज कुमार  
जायसवाल

ए बी वी-आई आई आई टी एम  
ग्वालियर से शोध उपाधि

एपलाईड फिसिक्स



डॉ. वरुण बजाज

भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान,  
इंदौर से शोध उपाधि

बायोमेडिकल सिग्नल  
प्रोसेसिंग, माई क्रोइलेक्ट्रानिक्स  
, व्ही एल एस आई डिजाइन



डॉ. मनीष बाजपेई

भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान,  
कानपुर से शोध उपाधि

पैरेलल एलगोरिधम, इमेज  
रिकंस्ट्रक्शन



डॉ. मो. जाहिद  
अंसारी

इन्हा विश्वविद्यालय, कोरिया से  
शोध उपाधि

मेकेनिकल इंजीनियरिंग,  
डिजाइन, सॉलिड मेकेनिक्स,  
विनिर्माण



डॉ. संगीता पंडित

भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान,  
गुवाहाटी से पी एच डी

एरगोनामिक्स



डॉ. रुचिर गुप्ता

भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान,  
कानपुर से शोध उपाधि

कम्प्यूटर साइंस एवं  
इंजीनियरिंग



डॉ. अयान सील

जादवपुर विश्वविद्यालय से  
शोध उपाधि

कम्प्यूटर साइंस एवं  
इंजीनियरिंग



### अतिथि संकाय



श्री के. के. बालाकृष्णन

भारतीय प्रौद्योगिकी  
संस्थान, गुवाहाटी से पी  
एच. डी. कर रहे हैं

इण्डस्ट्रीयल डिजाइन,  
सस्टेनिबल डिजाइन, प्रोडक्ट  
सर्विस सिस्टम, आर्ट एण्ड  
डिजाइन



श्री शेखर चटर्जी

गुजरात विश्वविद्यालय से  
पी. एच. डी. कर रहे हैं

ड्राईंग एवं  
रिप्रेसेन्टेशन, डिजाईन स्किट  
सॉफ्ट मटेरियल  
एक्सप्लोरेशन, पैटर्न  
डेवलपमेंट, लाईफ स्टाईल  
ऐसेसरीस प्रॉडक्ट्स

### शोध अभियंता



श्री अवधेश कुमार सिंह

एशियन इंस्टीट्यूट ऑफ  
टेक्नोलॉजी, थाईलैंड से  
अभियांत्रिकी परास्नातक

मैकट्रॉनिक्स, डिजाइन ऑफ  
एमईएमएस डिवाइसेस



श्री के. सौन्दरा पान्डियन

भारतीय प्रौद्योगिकी  
संस्थान, पटना से पी  
एच. डी. कर रहे हैं

इलेक्ट्रॉनिक्स एण्ड  
कम्यूनिकेशन,  
इन्स्ट्रुमेंटेशन, एम्बेडेड  
प्रोग्रामिंग, मैकट्रॉनिक्स



श्री डी. एस. रामटेके

भारतीय प्रौद्योगिकी  
संस्थान, गुवाहाटी से  
प्रौद्योगिकी परास्नातक

मशीन डिजाइन, रोटर  
डाइनामिक्स



डॉ. विश्वजीत मुखर्जी

भारतीय प्रौद्योगिकी  
संस्थान, बॉम्बे शोध  
उपाधि

माइक्रोवेव इलेक्ट्रॉनिक्स



श्री साकेत सौरव

राजीव गांधी प्रौद्योगिकी  
विश्वविद्यालय, भोपाल से  
अभियांत्रिकी स्नातक

रोबोटिक्स, एम्बेडेड  
सी/सी. एण्ड  
वीवी/वीबी डॉट नेट  
प्रोग्रामिंग



मोहम्मद शारिक हुसैन

राजीव गांधी प्रौद्योगिकी  
विश्वविद्यालय, भोपाल  
से अभियांत्रिकी स्नातक

डाटाबेस मैनेजमेन्ट सिस्टम



### कार्यालय प्रशासन

प्रथम श्रेणी अधिकारी



श्री आर. पी. द्विवेदी  
एम.सी.ए., एम.पी.एम., एल.एल.बी.

कुलसचिव  
सचिव (प्रशासक मंडल, सीनेट)  
प्रथम अपीलीय अधिकारी (आर.टी.आई.)



श्री प्रबोध पाण्डेय  
एम.एस.सी., एम.पी.एम.

उप कुलसचिव  
वित्त एवं लेखा  
जन सूचना अधिकारी



श्रीमति एस.डी.गडेकर  
एम.बी.ए.

उप कुलसचिव  
अकादमिक  
विद्यार्थी कार्य  
(11 अगस्त 2014 से)



श्री विजय कुमार दुबे  
सिविल अभियांत्रिकी,  
एम.बी.ए.

कार्यपालक अभियंता (सिविल)



श्री नरेश जोशी  
एम.एस.सी.

सहायक कुलसचिव  
आंतरिक लेखा परीक्षण  
सामान्य प्रशासन



श्री रिजवान अहमद  
एम.एस.सी.,  
पीजीडीएचआरएम

सहायक कुलसचिव  
स्थापना  
क्रय एवं भण्डार



श्री संतोष महोबिया  
एम.बी.ए.

सहायक कुलसचिव  
निदेशालय  
फैकल्टी अफेयर्स  
राजभाषा अधिकारी



कु. मेनिका पटेल  
एम.लिब.

सहायक पुस्तकालयाध्यक्षा



## कर्मचारी

### द्वितीय श्रेणी कर्मचारी

क्रमांक	नाम	पद
1	श्री आर. के. मिश्रा	जे.ई. (सिविल)
2	श्री सुनील जाट	जे.ई. (सिविल)
3	श्री अशोक कुमार	अवर अधीक्षक
4	श्री एलॉयशियस बीनू माइकल	सीनियर स्टेनोग्राफर
5	कु. मेघा कुशवाहा	सीनियर इंफॉर्मेशन लाईब्ररी असिस्टेन्ट

### तृतीय श्रेणी कर्मचारी

क्रमांक	नाम	पद
1	श्री सन्दीप अवरथी	उच्च श्रेणी लिपिक
2	श्री अनिल कुमार	उच्च श्रेणी लिपिक
3	श्री शैलेश शर्मा	उच्च श्रेणी लिपिक
4	श्री प्रवीण आर्मा	उच्च श्रेणी लिपिक
5	श्री देव कृष्ण झा	उप लेखा सहायक
6	श्रीमती सपना ए वानखेड़े	पुस्तकालय सहायक
7	श्री कमलेश सिंह बरकड़े	केयर टेकर
8	श्री जितेन्द्र बहादुर सिंह	सुरक्षा सहायक (01.08.2014 से)
9	श्री अखिलेश श्रीवास्तव	तकनीकी सहायक
10	श्री आलोक कुलकर्णी	तकनीकी सहायक
11	श्रीमती भारती केवट	तकनीकी सहायक
12	श्री राजेश कुमार सिंह	तकनीकी सहायक
13	श्री ब्रजेश कुमार	तकनीकी सहायक (09.10. 2014 तक)
14	श्री पियूष कुमार उसरेठे	तकनीकी सहायक
15	श्री अनूप बाजपेयी	तकनीकी सहायक
16	श्री घनश्याम मेशराम	तकनीकी सहायक
17	श्री मयूर एस . मंगोले	तकनीकी सहायक
18	श्री अनुपम शुक्ला	तकनीकी सहायक
19	श्री राजवीर	तकनीकी सहायक (26.11.2014 तक)
20	श्री वरुण दुबे	प्रयोगशाला सहायक
21	श्री जगत सिंह	प्रयोगशाला सहायक
22	श्रीमती आयशा बेगम मंसूरी	प्रयोगशाला सहायक
23	श्री राम दुलारे विश्वकर्मा	प्रयोगशाला सहायक
24	श्री रॉबिन्सन जॉर्ज मरकाम	प्रयोगशाला सहायक



25	श्री अनूप कुमार गुप्ता	प्रयोगशाला सहायक
26	श्री ताबिश खान	प्रयोगशाला सहायक
27	श्री मनोज तिग्गा	प्रयोगशाला सहायक
28	श्री सीमान्ता कार गुप्ता	अवर श्रेणी लिपिक
29	श्री पंकज प्रजापति	अवर श्रेणी लिपिक
30	श्री अवशेष कुमार पाल	अवर श्रेणी लिपिक
31	श्री प्रशांत अग्निहोत्री	अवर श्रेणी लिपिक
32	श्री दिलीप रंगारे	अवर श्रेणी लिपिक (02.09.2014 तक)
33	श्री राजेश कुमार	अवर श्रेणी लिपिक
34	श्री आदेश कुमार	अवर श्रेणी लिपिक
35	श्री कन्हैया लाल बरमैया	अवर श्रेणी लिपिक
36	श्री राजेश	अवर श्रेणी लिपिक
37	मो. इजराइल खान	ड्राइवर
38	श्री गणेश प्रसाद कश्यप	ड्राइवर
39	श्री मिलिन्द पी. बोपडे	इलेक्ट्रीशियन



## शैक्षणिक एवं अनुसंधान गतिविधियाँ

पंडित द्वारका प्रसाद मिश्र भारतीय सूचना प्रौद्योगिकी अभिकल्पन एवं विनिर्माण संस्थान जबलपुर की स्थापना सन् 2005 में मानव संसाधन विकास मंत्रालय भारत सरकार द्वारा की गई थी जिसका प्राथमिक उद्देश्य गुणवत्तापूर्ण शिक्षा के साथ सूचना तकनीक समर्थित डिजाइन एवं विनिर्माण हेतु प्रशिक्षण प्रदान करना है। संस्थान अपने विशिष्ट पाठ्यक्रम के साथ प्रायोगिक प्रशिक्षण एवं योजना आधारित अभ्यास उपलब्ध कराता है जिसके द्वारा संस्थान उच्च शिक्षा का केन्द्र माना जाता है। सभी संकायों में शिक्षण उपलब्ध कराना शिक्षण व्यवस्था का मुख्य घटक है जो शोध व विकास में सहायक है। हाल ही में संस्थान को IIT अधिनियम 2014 द्वारा 'राष्ट्रीय महत्व का संस्थान' घोषित किया गया है।

शुरुआत से ही संस्थान भारतीय मैन्यूफैक्चरिंग क्षेत्र के दीर्घकालीन एवं विस्तृत विकास हेतु उच्च कोटि के मानव संसाधन उपलब्ध कराने में महती भूमिका निभा रहा है। संस्थान का उद्देश्य मैन्यूफैक्चरिंग शिक्षा व शोध के क्षेत्र में ऐसी ज्ञान शक्ति प्रदान करता है जो कि सूचना प्रौद्योगिकी, डिजाइन एवं मैन्यूफैक्चरिंग में पूर्णतः निपुण हो। औद्योगिक इकाईयों के सहयोग द्वारा संस्थान भारतीय मैन्यूफैक्चरिंग सेक्टर में नवप्रवर्तन एवं नई पीढ़ी की तकनीक को प्रदान करने व विकसित करने हेतु प्रयत्नशील है।

साररूपेण, पंडित द्वारका प्रसाद मिश्र भारतीय सूचना प्रौद्योगिकी अभिकल्पन एवं विनिर्माण संस्थान जबलपुर शैक्षणिक गतिविधियों का बढ़ाने और मजबूत करने के लिए इन लक्ष्यों एवं उद्देश्यों को प्राप्त करने हेतु प्रतिबद्ध है -

### लक्ष्य

- (अ) सामाजिक परिवर्तन के लिए आवश्यक नव प्रवर्तनकारी उत्प्रेरकों के निर्माण हेतु अभिकल्पन एवं विनिर्माण के क्षेत्र में अनुसंधानात्मक एवं विकासशील प्रवृत्तियों को प्रोत्साहित करना।
- (ब) संस्थान एवं अन्य उच्चस्तरीय संस्थानों के मध्य अभिकल्पन एवं विनिर्माण के क्षेत्रों में सहयोग में वृद्धि करना।
- (स) रचनात्मक व्यवसायिक आवसरों की उत्पत्ति करना एवं दीर्घकालिक औद्योगिक सहयोग का निर्माण करना।

### उद्देश्य

- (अ) भारत एवं एशिया के बाजार हेतु स्वास्थ्य, सुरक्षा एवं उपभोग्य उत्पादों में नयी खोजें करना।
- (ब) देश की कृषि उत्पादकता बढ़ाने एवं विविध करने हेतु नई तकनीक विकसित करना।
- (स) हरित ऊर्जा क्षेत्र में अनुसंधान एवं विकास को बढ़ाना।
- (द) पार एवं अंतः विषय कार्यक्रमों को प्रोत्साहन देकर बाजार के अनुसार अनुसंधान करना एवं बाजार में नये विचारों को जन्म देना।
- (ड) एक महत्वपूर्ण वक्ता के रूप में अपने आपको संस्थाओं अभिकल्पन व्यवसायकों एवं औद्योगिक जगत के एक सार्थक सहभागिता फोरम के रूप में निर्मित करना एवं अनुरूप कार्य करना।





### शैक्षणिक कार्यक्रम

प्रौद्योगिकी स्नातक पाठ्यक्रम – निम्नलिखित अभियांत्रिकी के तीन विषयों में शिक्षा के लिए संस्थान के पास अद्वितीय पाठ्यक्रम है-

- (i) कम्प्यूटर साइंस एवं इंजीनियरिंग
- (ii) इलेक्ट्रॉनिक्स एवं कम्यूनिकेशन इंजीनियरिंग
- (iii) मैकेनिकल इंजीनियरिंग

परास्नातक पाठ्यक्रम – संस्थान निम्न विषयों से एम.टेक. एवं पीएचडी पाठ्यक्रम संचालित करता है-

- (i) कम्प्यूटर साइंस एवं इंजीनियरिंग
- (ii) इलेक्ट्रॉनिक्स एवं कम्यूनिकेशन इंजीनियरिंग
- (iii) मैकेनिकल इंजीनियरिंग

इसके अलावा संस्थान मेकेट्रॉनिक्स में एम.टेक., मास्टर ऑफ डिजाइन, डिजाईन एवं प्राकृतिक विज्ञान में पीएचडी भी संचालित करता है।

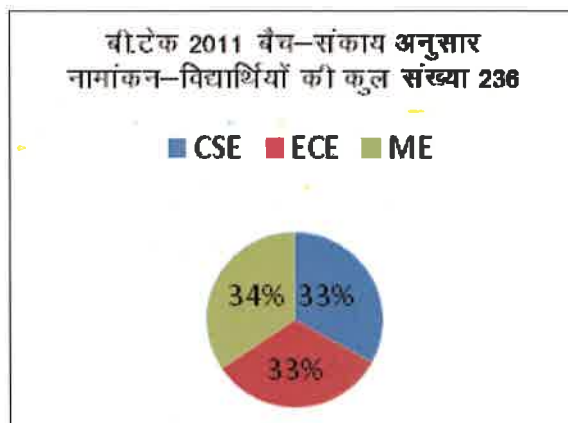


## प्रौद्योगिकी स्नातक

### (क) छात्र नामांकन

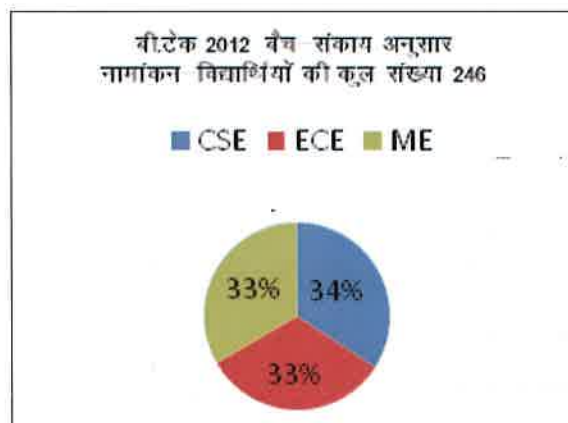
#### 2011 बैच

शाखा	अ.ना.	अ.पि.व.	अ.जा.	अ.ज.जा.	कुल
कम्प्यूटर विज्ञान एवं इंजीनियरिंग	45	19	08	06	78
इलेक्ट्रॉनिक्स एवं कम्प्युनिकेशन इंजीनियरिंग	39	22	10	06	77
मैकेनिकल इंजीनियरिंग	42	22	10	07	81
कुल					236



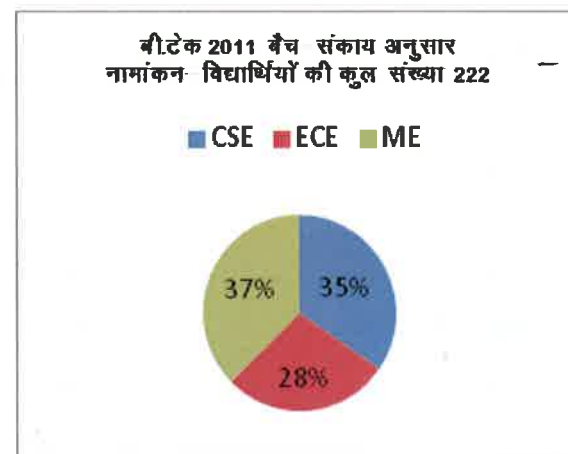
#### 2012 बैच

शाखा	अ.ना.	अ.पि.व.	अ.जा.	अ.ज.जा.	कुल
कम्प्यूटर विज्ञान एवं इंजीनियरिंग	45	23	12	04	84
इलेक्ट्रॉनिक्स एवं कम्प्युनिकेशन इंजीनियरिंग	35	25	12	08	80
मैकेनिकल इंजीनियरिंग	39	23	13	07	82
कुल					246



#### 2013 बैच

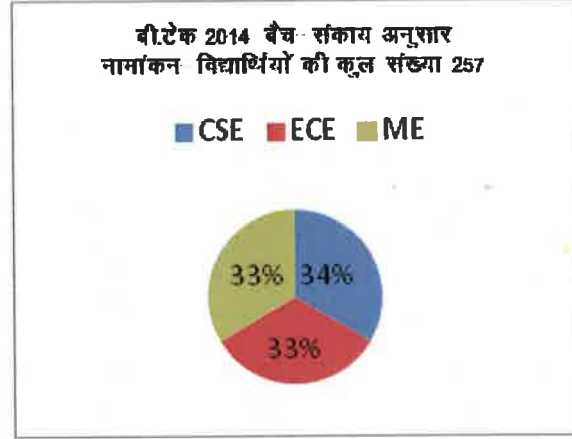
शाखा	अ.ना.	अ.पि.व.	अ.जा.	अ.ज.जा.	कुल
कम्प्यूटर विज्ञान एवं इंजीनियरिंग	37	25	10	05	77
इलेक्ट्रॉनिक्स एवं कम्प्युनिकेशन इंजीनियरिंग	30	17	09	06	62
मैकेनिकल इंजीनियरिंग	41	25	11	06	83
कुल					222





2014 बैच

शाखा	अ.ना.	अ.पि.व.	अ.जा.	अ.ज.जा	कुल
कम्प्यूटर विज्ञान एवं इंजीनियरिंग	42	24	13	07	86
इलेक्ट्रॉनिक्स एवं कम्प्युनिकेशन इंजीनियरिंग	44	24	11	06	85
मैकेनिकल इंजीनियरिंग	44	23	13	06	86
कुल					257



अकादमिक प्रदर्शन मूल्यांकन समिति रिपोर्ट – स्नातक  
द्वितीय सेमेस्टर (2013-14)

सत्र	छात्रों की संख्या	उत्तीर्ण छात्रों की संख्या	असफल छात्रों की संख्या
2011	239	236	03
2012	251	242	09
2013	227	223	04

अकादमिक प्रदर्शन मूल्यांकन समिति रिपोर्ट – स्नातक  
प्रथम सेमेस्टर (2014-15)

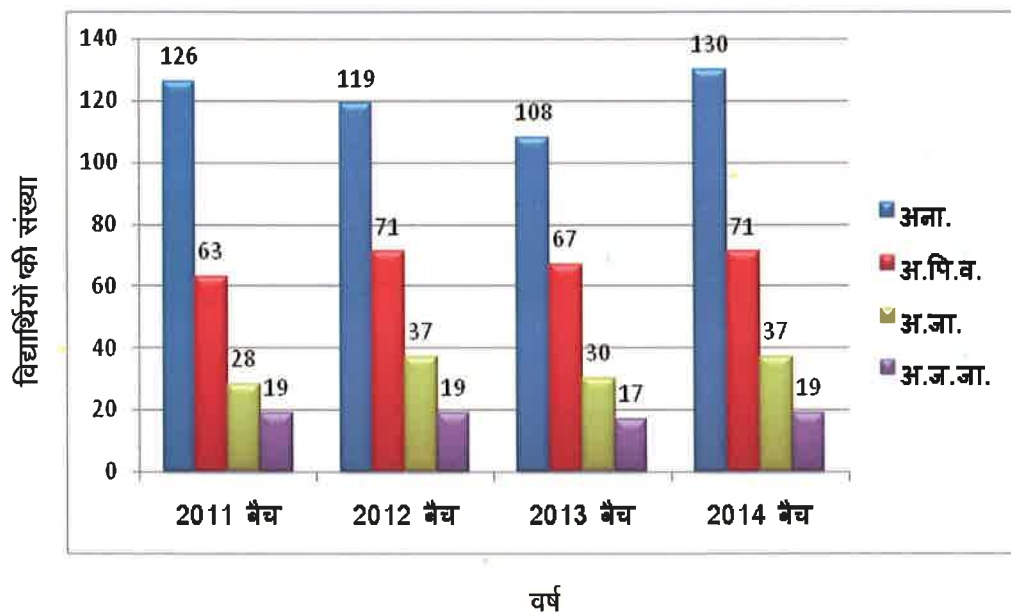
सत्र	छात्रों की संख्या	उत्तीर्ण छात्रों की संख्या	असफल छात्रों की संख्या
2011	236	236	00
2012	246	243	03
2013	222	220	02
2014	257	252	05



(i) प्रौद्योगिकी स्नातक पाठ्यक्रम में छात्र छात्राओं की संख्या  
बी.टेक पाठ्यक्रम



(ii) प्रौद्योगिकी स्नातक पाठ्यक्रम में वर्गवार छात्र छात्राओं की संख्या





### परास्नातक कार्यक्रम

संस्थान निम्न विषयों में परास्नातक डिग्री प्रदान करता है:

(क) प्रौद्योगिकी परास्नातक (एम.टेक)

(अ) कम्प्यूटर विज्ञान एवं इंजीनियरिंग

(ब) इलेक्ट्रॉनिक्स एवं कम्प्युनिकेशन इंजीनियरिंग

(स) मैकेनिकल इंजीनियरिंग

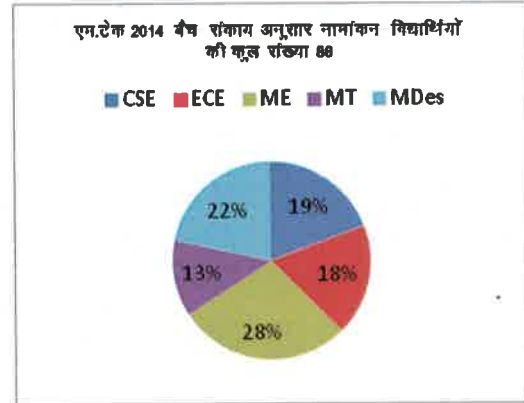
(द) मैकाट्रॉनिक्स

(ख) अभिकल्पन परास्नातक (एम.डेस – मास्टर ऑफ डिजाइन)

नामांकित छात्र

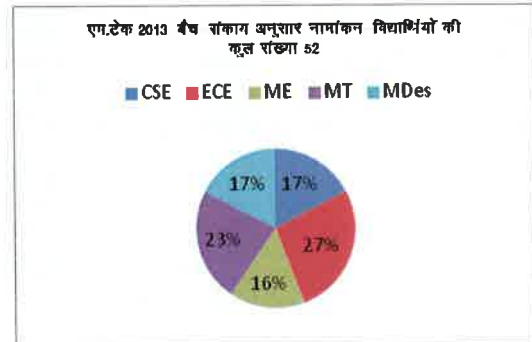
2014 बैच

शाखा	अ. ना.	अ. पि. व.	अ. जा.	अ. ज. जा	कुल
कम्प्यूटर विज्ञान एवं इंजीनियरिंग	09	05	02	01	17
इलेक्ट्रॉनिक्स एवं कम्प्युनिकेशन इंजीनियरिंग	08	03	03	02	16
मैकेनिकल इंजीनियरिंग	13	06	04	02	25
मैकाट्रॉनिक्स	06	02	02	01	11
एम. डेस	10	05	02	02	19
कुल	46	21	13	08	88



2013 बैच

शाखा	अ. ना.	अ. पि. व.	अ. जा.	अ. ज. जा	कुल
कम्प्यूटर विज्ञान एवं इंजीनियरिंग	06	01	01	01	09
इलेक्ट्रॉनिक्स एवं कम्प्युनिकेशन इंजीनियरिंग	07	03	03	01	14
मैकेनिकल इंजीनियरिंग	04	03	01	00	08
मैकाट्रॉनिक्स	08	02	01	01	12
एम. डेस	03	01	04	01	09
कुल	28	10	10	04	52





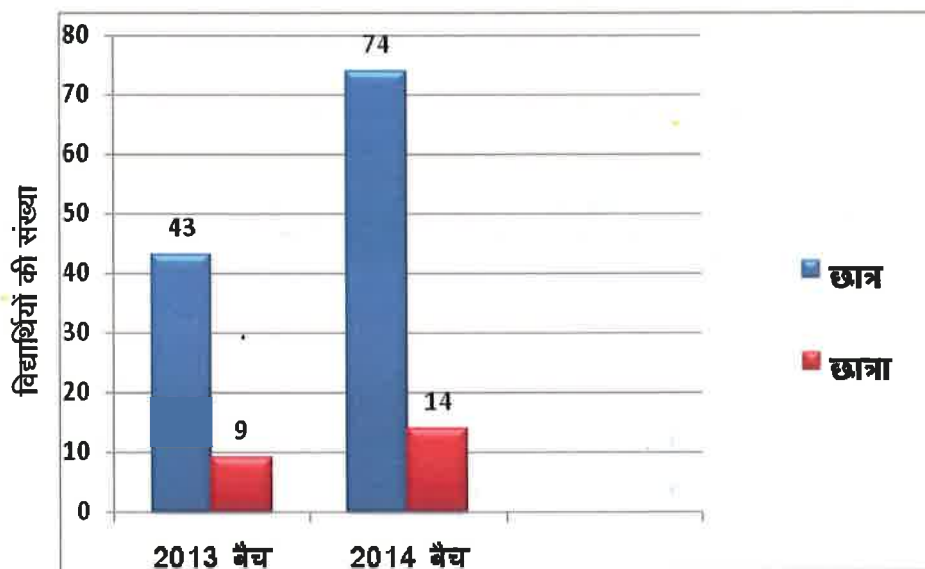
अकादमिक प्रदर्शन मूल्यांकन समिति रिपोर्ट – स्नातकोत्तर  
द्वितीय सेमेस्टर (2013-14)

सत्र	छात्रों की संख्या	उत्तीर्ण छात्रों की संख्या	असफल छात्रों की संख्या
2012	53	52	01
2013	52	52	00

अकादमिक प्रदर्शन मूल्यांकन समिति रिपोर्ट – स्नातकोत्तर  
प्रथम सेमेस्टर (2014-15)

सत्र	छात्रों की संख्या	उत्तीर्ण छात्रों की संख्या	असफल छात्रों की संख्या
2013	52	50	02
2014	88	72	16

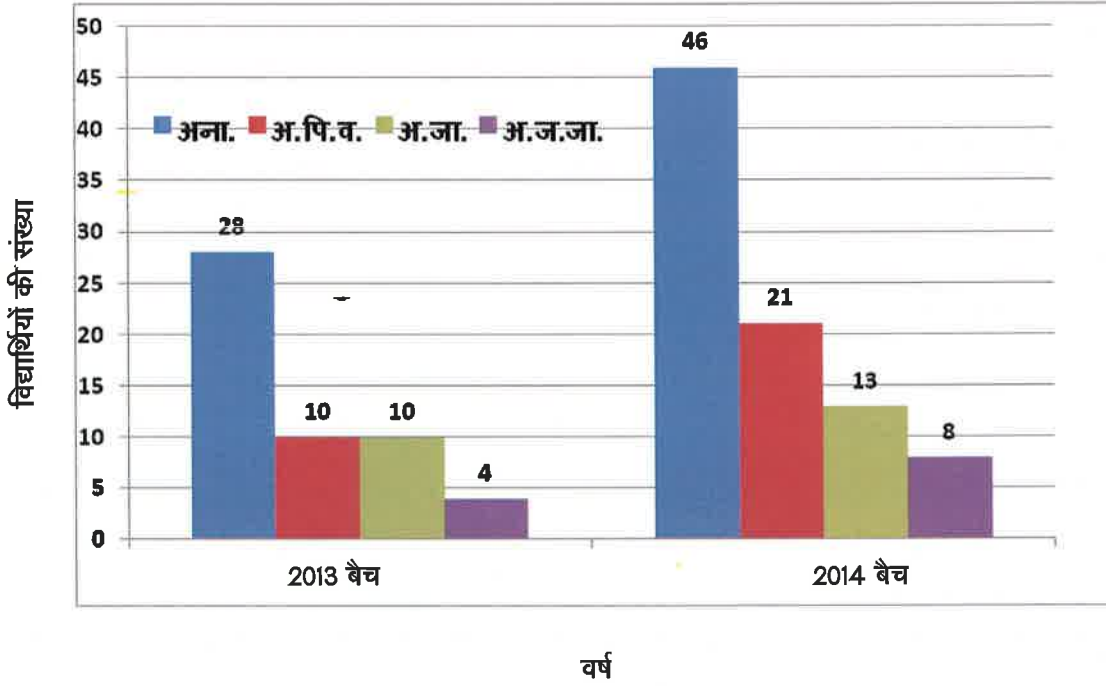
(i) प्रौद्योगिकी परास्नातक पाठ्यक्रम में छात्र छात्राओं की संख्या  
परास्नातक कार्यक्रम



वर्ष



(ii) प्रौद्योगिकी परास्नातक पाठ्यक्रम में वर्गवार छात्र छात्राओं की संख्या





## शोध उपाधि (पीएच.डी.) कार्यक्रम में छात्र नामांकन

संस्थान में निम्न विषयों से पी.एच.डी. करायी जाती है:

- (क) कम्प्यूटर विज्ञान एवं इंजीनियरिंग
- (ख) इलेक्ट्रॉनिक्स एवं कम्प्युनिकेशन इंजीनियरिंग
- (ग) मैकेनिकल इंजीनियरिंग
- (घ) अभिकल्पन
- (ङ) प्राकृतिक विज्ञान, भौतिकी
- (च) प्राकृतिक विज्ञान, गणित

### 2008 बैच

शाखा	अ. ना.	अ. जा.	अ. ज. जा	कुल
कम्प्यूटर विज्ञान एवं इंजीनियरिंग	01	00	00	01
इलेक्ट्रॉनिक्स एवं कम्प्युनिकेशन इंजीनियरिंग	00	00	00	00
मैकेनिकल इंजीनियरिंग	00	00	00	00
अभिकल्पन	00	00	00	00
कुल	01	00	00	01

### 2009 बैच

शाखा	अ. ना.	अ. जा.	अ. ज. जा	कुल
कम्प्यूटर विज्ञान एवं इंजीनियरिंग	01	00	00	01
इलेक्ट्रॉनिक्स एवं कम्प्युनिकेशन इंजीनियरिंग	01	00	00	01
मैकेनिकल इंजीनियरिंग	01	00	00	01
अभिकल्पन	00	00	00	00
कुल	03	00	00	03

### 2010 बैच

शाखा	अ. ना.	अ. जा.	अ. ज. जा	कुल
कम्प्यूटर विज्ञान एवं इंजीनियरिंग	03	00	00	03
इलेक्ट्रॉनिक्स एवं कम्प्युनिकेशन इंजीनियरिंग	00	00	00	00
मैकेनिकल इंजीनियरिंग	02	01	00	03
अभिकल्पन	00	00	00	00
कुल	05	01	00	06

### 2011 बैच

शाखा	अ. ना.	अ. पि. व.	अ. जा.	अ. ज. जा	कुल
कम्प्यूटर विज्ञान एवं इंजीनियरिंग	04	01	01	00	06
इलेक्ट्रॉनिक्स एवं कम्प्युनिकेशन इंजीनियरिंग	06	01	03	00	10
मैकेनिकल इंजीनियरिंग	05	02	02	00	09
अभिकल्पन	01	00	01	00	02
कुल	16	04	07	00	27





2012 बैच

शाखा	अ.ना.	अ.पि.व.	अ.जा.	अ.ज.जा	कुल
कम्प्यूटर विज्ञान एवं इंजीनियरिंग	03	01	00	00	04
इलेक्ट्रॉनिक्स एवं कम्प्युनिकेशन इंजीनियरिंग	05	02	02	01	10
मैकेनिकल इंजीनियरिंग	03	00	00	00	03
अभिकल्पन	00	00	00	00	00
कुल	11	03	02	01	17

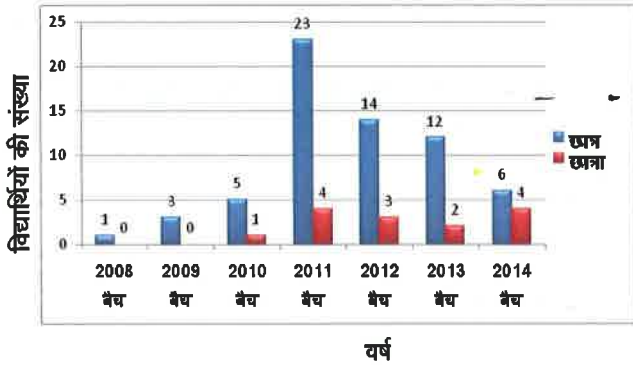
2013 बैच

शाखा	अ.ना.	अ.पि.व.	अ.जा.	अ.ज.जा	कुल
कम्प्यूटर विज्ञान एवं इंजीनियरिंग	02	01	00	00	03
इलेक्ट्रॉनिक्स एवं कम्प्युनिकेशन इंजीनियरिंग	07	00	01	00	08
मैकेनिकल इंजीनियरिंग	02	00	00	00	02
अभिकल्पन	00	00	01	00	01
प्राकृतिक विज्ञान	00	00	00	00	00
कुल	11	01	02	00	14

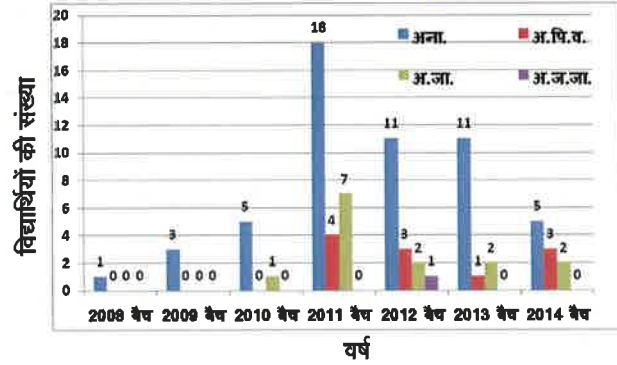
2014 बैच

शाखा	अ.ना.	अ.पि.व.	अ.जा.	अ.ज.जा	कुल
कम्प्यूटर विज्ञान एवं इंजीनियरिंग	02	00	00	00	02
इलेक्ट्रॉनिक्स एवं कम्प्युनिकेशन इंजीनियरिंग	01	01	02	00	04
मैकेनिकल इंजीनियरिंग	02	02	00	00	04
अभिकल्पन	00	00	00	00	00
प्राकृतिक विज्ञान	00	00	00	00	00
कुल	05	03	02	00	10

(i) शोध पाठ्यक्रम में छात्र छात्राओं की संख्या



(ii) शोध पाठ्यक्रम में वर्गवार छात्र छात्राओं की संख्या





## शोध परियोजनाएं

सत्र 2014-15 के दौरान स्वीकृत/पूर्ण हुई शोध परियोजनाएं

क्रमांक	परियोजना शीर्षक	समयावधि	पर्यवेक्षक	वित्तपोषक संस्थान	व्यय (रु)	स्थिति
1	Constrained Curve Drawing Algorithms for Robot Motion Planning	2010-13	पी.आई - प्रो. अपराजिता ओझा को.पी.आई - प्रो. तनुजा शवडे	विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग, विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी मंत्रालय, भारत सरकार	9.23 लाख	पूर्ण
2	Virtual Lab on Manufacturing Processes	2010-12	पी.आई - प्रो. विजय कुमार गुप्ता को.पी.आई - प्रो. पुनीत टंडन, प्रो. तनुजा शवडे	मानव संसाधन विकास मंत्रालय, भारत सरकार	40 लाख	कार्य प्रगति पर
3	Virtual Lab on Automated System	2010-12	पी.आई - प्रो. तनुजा शवडे को.पी.आई - प्रो. विजय कुमार गुप्ता, प्रो. पुनीत टंडन	मानव संसाधन विकास मंत्रालय, भारत सरकार	40 लाख	कार्य प्रगति पर
4	Brain Control Mobile Robot	2012-14	पी.आई डॉ. प्रवीन कुमार पाधी को.पी.आई प्रो. विजय कुमार गुप्ता	विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग, विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी मंत्रालय, भारत सरकार	18.50 लाख	पूर्ण
5	Process Development for the Fabrication of Free Form Component Through Incremental Sheet forming	2012-15	पी.आई प्रो. पुनीत टंडन को.पी.आई डॉ. प्रशांत कुमार जैन	बी.आर.एन.एस., परमाण्विक ऊर्जा विभाग, भारत सरकार	78.45 लाख	कार्य प्रगति पर
6	Wavelets and Operational Matrix based Techniques for Integral and Differential Equations	2012-15	पी.आई डॉ. राजेश कुमार पाण्डेय	विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग, विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी मंत्रालय, भारत सरकार	10.22 लाख	आई.आई. टी. बी.एच. यू. को स्थानांतरित
7	Production on Course Ware E- Content Development For Post-Graduate Subjects (E-PG-Pathshala)	2012-14	पी.आई - प्रो. अपराजिता ओझा	विश्वविद्यालय अनुदान आयोग, नई दिल्ली	112.00 लाख	पूर्ण
8	Time -Varying Harmonics and Interharmonics Estimation In Real Time for Online Applications	2013-16	पी.आई डॉ. सचिन कुमार जैन	विज्ञान एवं अभियांत्रिकी शोध बोर्ड (SERB), नई दिल्ली	19.75 लाख	कार्य प्रगति पर



9	Development of Additive Subtractive Integrated RP System for Improved Part Quality	2014-17	पी.आई डॉ. प्रशांत कुमार जैन को.पी.आई प्रो. पुनीत टंडन	विज्ञान एवं अभियांत्रिकी शोध बोर्ड (SERB), नई दिल्ली	19.50 लाख	कार्य प्रगति पर
10	Design of Stove /Chulla for Rural Masses of India	2014-15	पी.आई प्रो. पुनीत टंडन	डिजाइन क्लीनिक स्कीम फॉर एम. एस. एम.ई., एन. आई.डी.,	1.50 लाख	कार्य प्रगति पर
11	Electrodeposition of magnetic film in the presence of external magnetic field	2015-18	पी.आई डॉ अमरेश चंद्र मिश्र	विज्ञान एवं अभियांत्रिकी शोध बोर्ड नई दिल्ली (SERB)/DST	27.43 लाख	कार्य प्रगति पर



## शोध प्रकाशन 2014-15

### Research Publication in Conference Proceedings 2014-15

1. Kumar, P., Nema, S., Padhy, P.K. Design of Fuzzy Logic based PD Controller using cuckoo optimization for inverted pendulum (2015) *Proceedings of 2014 IEEE International Conference on Advanced Communication, Control and Computing Technologies, ICACCCT 2014*, art. no. 7019346, pp. 141-146.
2. Sahu, G., Chaurasia, N., Suwalka, P.P., Bajaj, V., Kumar, A. HHT based features for discrimination of EMG signals (2015) *Advances in Intelligent Systems and Computing*, 340, pp. 95-103.
3. Gupta, N., Singh, A., Cherifi, H. Community-based immunization strategies for epidemic control (2015) *2015 7th International Conference on Communication Systems and Networks, COMSNETS 2015 - Proceedings*, art.no. 7098709.
4. Singh, K.K., Bajpai, M.K., Pandey, R.K. A novel approach for edge detection of low contrast satellite images (2015) *International Archives of the Photogrammetry, Remote Sensing and Spatial Information Sciences - ISPRS Archives*, 40 (3W2), pp. 211-217.
5. Arora, V., Mulaveesala, R., Subbarao, G.V. Non-destructive testing of steel sample by non-stationary thermal wave imaging (2015) *International Conference on Signal Processing and Communication Engineering Systems - Proceedings of SPACES 2015, in Association with IEEE*, art. no. 7058212, pp. 527-530.
6. Gehlot, M., Kumar, Y., Meena, H., Bajaj, V., Kumar, A. EMD based features for discrimination of focal and non-focal EEG signals (2015) *Advances in Intelligent Systems and Computing*, 340, pp. 85-93.
7. Dua, G., Subbarao, G.V., Mulaveesala, R. Testing and evaluation of glass fiber reinforced polymers by thermal wave imaging (2015) *International Conference on Signal Processing and Communication Engineering Systems - Proceedings of SPACES 2015, in Association with IEEE*, art. no. 7058211, pp. 522-526.
8. Upadhyay, R., Padhy, P.K., Kankar, P.K. Alcoholism diagnosis from EEG signals using continuous wavelet transform (2015) *11th IEEE India Conference: Emerging Trends and Innovation in Technology, INDICON 2014*, art. no. 7030476.
9. Rathore, S.S., Gupta, A. A comparative study of feature-ranking and feature-subset selection techniques for improved fault prediction (2014) *ACM International Conference Proceeding Series*.
10. Tiwari, R., Kankar, P.K., Gupta, V.K. Fault diagnosis of ball bearings using support vector machine and adaptive neuro fuzzy classifier (2014) *Advances in Intelligent Systems and Computing*, 236,



pp. 1477-1482.

11. Kashyap, N., Dinesh Kumar, V. Archimedean spiral antenna loaded with dielectric plates (2014) *2014 Loughborough Antennas and Propagation Conference, LAPC 2014*, art. no. 6996501, pp. 740-743.
12. Mulaveesala, R., Arora, V., Siddiqui, J.A., Muniyappa, A. Non-stationary thermal wave imaging for nondestructive testing and evaluation(2014) *Proceedings of SPIE - The International Society for Optical Engineering, 9105*, art. no. 91050R.
13. Sharma, A., Amarnath, M., Kankar, P.K. Effect of varying the number of rollers on dynamics of a cylindrical roller bearing (2014) *Proceedings of the ASME Design Engineering Technical Conference, 8*.
14. Gupta, N., Singh, A. A novel strategy for link prediction in social networks (2014) *CoNEXT Student Workshop 2014 - Proceedings of the 2014 Workshop*, pp. 12-14.
15. Tiwari, S., Gupta, A. Does increasing formalism in the use case template help?(2014) *ACM International Conference Proceeding Series*.
16. Rao, N., Kumar V., D. Gain enhancement of microstrip patch antenna for Wi-Fi applications (2014) *2014 Loughborough Antennas and Propagation Conference, LAPC 2014*, art. no. 6996384, pp. 312-315.
17. Vishwakarma, A., Kumar, A., Singh, G.K. An optimized design of prototype filter for cosine modulated transmultiplexer(2014) *International Conference on Communication and Signal Processing, ICCSP 2014 - Proceedings*, art.no. 6949828, pp. 200-204.
18. Soni, S., Khanna, P. and Tandon, Puneet, "Computational support to aesthetics in industrial design", CAD'14, 2014 International CAD Conference, Hong Kong, China, June 23-26, 2014, pp. 204-205, 10.14733/cadconfP.2014.
19. Pandey Shreelekha and Khanna Pritee, "A Hierarchical Clustering Approach for Image Datasets", ICIIS 2014, IEEE 9<sup>th</sup> International Conference on Industrial and Information Systems, Gwalior, India, December 15-17, 2014, pp. 1-6.
20. Tamrakar Deepti, Khanna Pritee, "Multispectral Palmprint Recognition using Steerable Filter", ICIIS 2014, IEEE 9<sup>th</sup> International Conference on Industrial and Information Systems, Gwalior, India, December 15-17, 2014, pp. 1-5.
21. Rai Preeti, Khanna Pritee, "Appearance based Gender Classification with PCA and (2D)<sup>2</sup>PCA on Approximation Face Image", ICIIS 2014, IEEE 9<sup>th</sup> International Conference on Industrial and Information Systems, Gwalior, India, December 15-17, 2014, pp. 1-6.
22. Dr Mamta Anand: May, 2014- Presented Paper on Gender Tectonics, at IJAS International Conference at Harvard University, USA.

#### Publications in Peer Reviewed Journals 2014-15



1. Naugarhiya, A., Kondekar, P.N. High permittivity material selection for design of optimum Hk VDMOS (2015) *Superlattices and Microstructures*, 83, pp. 310-321.
2. Pandey, S., Khanna, P., Yokota, H. An effective use of adaptive combination of visual features to retrieve image semantics from a hierarchical image database (2015) *Journal of Visual Communication and Image Representation*, 30, pp. 136-152.
3. Rai, H.M., Saxena, S.K., Mishra, V., Late, R., Kumar, R., Sagdeo, P.R., Jaiswal, N.K., Srivastava, P. Half-metallicity in armchair boron nitride nanoribbons: A first-principles study (2015) *Solid State Communications*, 212, pp. 19-24.
4. Nautiyal, P., Jain, J., Agarwal, A. A comparative study of indentation induced creep in pure magnesium and AZ61 alloy (2015) *Materials Science and Engineering A*, 630, pp. 131-138.
5. Gupta, M., Gaur, N., Kumar, P., Singh, S., Jaiswal, N.K., Kondekar, P.N. Tailoring the electronic properties of a Z-shaped graphene field effect transistor via B/N doping (2014) *Physics Letters, Section A: General, Atomic and Solid State Physics*, 379 (7), pp. 710-718.
6. Nautiyal, P., Seikh, M.M., Lebedev, O.I., Kundu, A.K. Sol-gel synthesis of Fe-Co nanoparticles and magnetization study (2014) *Journal of Magnetism and Magnetic Materials*, 377, pp. 402-405.
7. Bhandari, A.K., Kumar, A., Singh, G.K. Modified artificial bee colony based computationally efficient multilevel thresholding for satellite image segmentation using Kapur's, Otsu and Tsallis functions (2015) *Expert Systems with Applications*, 42 (3), pp. 1573-1601.
8. Arora, V., Siddiqui, J.A., Mulaveesala, R., Muniyappa, A. Pulse compression approach to nonstationary infrared thermal wave imaging for nondestructive testing of carbon fiber reinforced polymers (2015) *IEEE Sensors Journal*, 15 (2), art. no. 6936841, pp. 663-664.
9. Mukhopadhyay, P., Jhodkar, D., Kumar, P. Ergonomic risk factors in bicycle repairing units at Jabalpur (2015) *Work*, 51 (2), pp. 245-254.
10. Mukherjee, B., Patel, P., Mukherjee, J. A novel hemispherical dielectric resonator antenna with complementary split-ring-shaped slots and resonator for wideband and low cross-polar applications (2015) *IEEE Antennas and Propagation Magazine*, 57 (1), art. no. 7055842, pp. 120-128.
11. Dua, G., Mulaveesala, R., Siddique, J.A. Effect of spectral shaping on defect detection in frequency modulated thermal wave imaging (2015) *Journal of Optics (United Kingdom)*, 17 (2), art. no. 25604.
12. Bajaj, V., Pachori, R.B. Detection of human emotions using features based on the multiwavelet transform of EEG signals (2015) *Intelligent Systems Reference Library*, 74, pp. 215-240.
13. Rai, K., Bajaj, V., Kumar, A. Features extraction for classification of focal and non-focal EEG signals (2015) *Lecture Notes in Electrical Engineering*, 339, pp. 599-605.



14. Karthigan, G., Mukherjee, S., Ganguli, R. Fish inspired biomimetic ionic polymer-metal composite pectoral fins using labriform propulsion (2015) *Mechanics of Advanced Materials and Structures*, 22 (11), pp. 933-944.
15. Kuldeep, B., Singh, V.K., Kumar, A., Singh, G.K. Design of two-channel filter bank using nature inspired optimization based fractional derivative constraints (2015) *ISA Transactions*, 54, pp. 101-116.
16. Patel, P., Mukherjee, B., Mukherjee, J.A compact wideband rectangular dielectric resonator antenna using perforations and edge grounding (2015) *IEEE Antennas and Wireless Propagation Letters*, 14, art. no. 6963303, pp. 490-493.
17. Tiwari, R., Gupta, V.K., Kankar, P.K. Bearing fault diagnosis based on multi-scale permutation entropy and adaptive neuro fuzzy classifier (2015) *JVC/Journal of Vibration and Control*, 21 (3), pp. 461-467.
18. Gupta, N., Khanna, P. A fast and efficient computer aided diagnostic system to detect tumor from brain magnetic resonance imaging (2015) *International Journal of Imaging Systems and Technology*, 25 (2), pp. 123-130.
19. Gupta, V., Tandon, P. Heterogeneous object modeling with material convolution surfaces (2015) *CAD Computer Aided Design*, 62, pp. 236-247.
20. Baudha, S., Dinesh Kumar, V. Corner truncated broadband patch antenna with circular slots (2015) *Microwave and Optical Technology Letters*, 57 (4), pp. 845-849.
21. Siddiqui, J.A., Arora, V., Mulaveesala, R., Muniyappa, A. Modelling of the frequency modulated thermal wave imaging process through the finite element method for non-destructive testing of a mild steel sample (2015) *Insight: Non-Destructive Testing and Condition Monitoring*, 57 (5), pp. 266-268.
22. Choudhary, S., Agrawal, S. Multiobjective mixed model assembly line balancing problem (2015) *Advances in Intelligent Systems and Computing*, 320, pp. 655-663.
23. Muralidharan, A., Sugumaran, V., Soman, K.P., Amarnath, M. Fault diagnosis of helical gear box using variational mode decomposition and random forest algorithm (2015) *SDHM Structural Durability and Health Monitoring*, 10 (1), pp. 55-80.
24. Tiwari, M., Gupta, B., Shrivastava, M. High-speed quantile-based histogram equalisation for brightness preservation and contrast enhancement (2015) *IET Image Processing*, 9 (1), pp. 80-89.
25. Bhandari, A.K., Kumar, A., Singh, G.K. Improved knee transfer function and gamma correction based method for contrast and brightness enhancement of satellite image (2015) *AEU - International Journal of Electronics and Communications*, 69 (2), pp. 579-589.
26. Suman, S., Kumar, A., Singh, G.K. A new closed form method for design of variable bandwidth linear phase FIR filter using Bernstein multiwavelets (2015) *International Journal of Electronics*,



- 102 (4), pp. 635-650.
27. Rautela, R.S., Vishwakarma, D. A ramp type planar monopole antenna for WLAN and WiMAX application (2015) *Microwave and Optical Technology Letters*, 57 (6), pp. 1485-1487.
  28. Goel, V.K., Khanduja, D., Garg, T.K., Tandon, P. Computational Support to Design and Fabrication of Traditional Indian Jewelry (2015) *Computer-Aided Design and Applications*, 12 (4), pp. 457-464.
  29. Amarnath, M., Sujatha, C. Surface Contact Fatigue Failure Assessment in Spur Gears Using Lubricant Film Thickness and Vibration Signal Analysis (2015) *Tribology Transactions*, 58 (2), pp. 327-336.
  30. LK Bramhane, N Upadhyay, JR Veluru, and J Singh, "Symmetric bipolar charge-plasma transistor with extruded base for enhanced performance", *Electronics Letters, IET-UK* Volume 51, Issue 13, Pages 1027-1029, 2015
  31. Sunil Pandey and Jawar Singh, "A 0.6V low-power and high-gain ultra-wideband low-noise amplifier with forward-body-bias technique for low-voltage operations", *IET-UK Microwaves, Antennas & Propagation*, Volume 9, Issue 8, pp 728 - 734 2015,
  32. Chitrakant Sahu, Avinash Lahgere and Jawar Singh, "A Dynamically Configurable Silicon Nanowire Field Effect Transistor based on Electrically Doped Source/Drain", arXiv:1412.4975, 12/2014, pp 2
  33. Chitrakant Sahu, Ajanta Ganguly and Jawar Singh, "Design and Performance Projection of Symmetric Bipolar Charge-plasma Transistor on SOI", *IET-UK, Electronics Letters, IET-UK* (Sept. 2014)
  34. Anup Shrivastava, Komal Singh and Jawar Singh, "Improved Dual Sided Doped Memristor: Modeling and Applications", *IET-UK, Journal of Engineering* (April 2014)
  35. Chitrakant Sahu, and Jawar Singh, "Potential Benefits and Sensitivity Analysis of doping-less Transistor for Low Power Applications", *IEEE Transactions on Electron Devices*, vol.62, no.3, pp.729,735, March 2015
  36. The R-and S-diastereoisomeric effects on the guanidinothymine-induced mutations in DNA NR Jena, V Gaur, PC Mishra *Physical Chemistry Chemical Physics* 2015, 17 (27), 18111-18120
  37. Asish K Kundu, Oleg I Lebedev, Nadezhda E Volkova, Md Motin Seikh, Vincent Caignaert, Vladimir A Cherepanov, Bernard Raveau, Quintuple perovskites  $\text{Ln}_2\text{Ba}_3\text{Fe}_5\text{-xCoxO}_{15-d}$  (Ln = Sm, Eu): nanoscale ordering and unconventional magnetism *JOURNAL OF MATERIALS CHEMISTRY C*, 2015, 3, 5398--5405
  38. Bernard Raveau, Vincent Caignaert, Asish K. Kundu Double Cationic-Anionic Ordering in Ba-Based Oxygen-Deficient Perovskites: Ba-Based Oxygen-Deficient Perovskites *Zeitschrift für anorganische und allgemeine Chemie*, 2015, 641, (6), 990–997
  39. Asish K. Kundu, Md. Motin Seikh, Pranjal Nautiyal Bismuth centred magnetic perovskite: A





projected multiferroic Journal of Magnetism and Magnetic Materials, 2015, 378, 506–528

40. Amarnath M., Praveen Krishna I. R. Local fault detection in helical gears via vibration and acoustics signal using EDM based on the static parameters (2014) Measurement Journal of the International Measurement Confederation 58, pp. 154-164.
41. Kim J.S., Amarnath M., Lee S.K. Experimental investigation to establish correlation between specific fuel thickness and vibration signal in spur gear system (2014) Transactions of the Korean Society of Mechanical Engineering s, A 38(9), pp. 1005-1012.
42. Tamrakar Deepti and Khanna Pritee, "Noise and Rotation invariant RDF Descriptor for Palmprint Identification", Multimedia Tools and Applications, March 2015, DOI: [10.1007/s11042-015-2541-5](https://doi.org/10.1007/s11042-015-2541-5).
43. Rai Preeti and Khanna Pritee, "An illumination, expression, and noise invariant Gender Classifier using Two-Directional 2DPCA on real Gabor space", Journal of Visual Languages and Computing, 26, 2015, February 2015, pp. 15-28.
44. Rai Preeti and Khanna Pritee, "A gender classification system robust to occlusion using Gabor features based (2D)2 PCA", Journal of Visual Communication and Image Representation, 25(5), July 2014, pp. 1118-1129.
45. Sharma Shubhi and Khanna Pritee, "Computer-Aided Diagnosis of Malignant Mammograms using Zernike Moments and SVM", Journal of Digital Imaging, 28(1), January 2015, pp. 77-90.

#### Journal Articles in Press-2014-15

1. Baudha, S., Vishwakarma, D.K. A compact broadband printed monopole antenna with U-shaped slit and rectangular parasitic patches for multiple applications (2015) *International Journal of Microwave and Wireless Technologies*, 5 p. Article in Press.
2. Kumar, S., Vishwakarma, D.K. Miniaturized bent slotted patch antenna over a reactive impedance surface substrate (2015) *International Journal of Microwave and Wireless Technologies*, 6 p. Article in Press.
3. Vakharia, V., Gupta, V.K., Kankar, P.K. A comparison of feature ranking techniques for fault diagnosis of ball bearing (2015) *Soft Computing*, 19 p. Article in Press.
4. Baderia, K., Kumar, A., Singh, G.K. Design of quadrature mirror filter bank using polyphase components based on optimal fractional derivative constraints (2015) *AEU - International Journal of Electronics and Communications*, Article in Press.
5. Bhandari, A.K., Kumar, A., Singh, G.K., Soni, V. Dark satellite image enhancement using knee transfer function and gamma correction based on DWT–SVD (2015) *Multidimensional Systems and Signal Processing*, 24 p. Article in Press.
6. Patel, D., Tandon, P. Experimental investigations of thermally enhanced abrasive water jet machining of hard-to-machine metals (2015) *CIRP Journal of Manufacturing Science and*



*Technology*, Article in Press.

7. Bhandari, A.K., Kumar, A., Singh, G.K. Improved feature extraction scheme for satellite images using NDVI and NDWI technique based on DWT and SVD (2014) *Arabian Journal of Geosciences*, 18 p. Article in Press.
8. Ansari, M.Z., Cho, C. Effect of p-type and n-type piezoresistors on characteristics of high sensitive silicon piezoresistive microcantilever designs (2014) *Microsystem Technologies*, 9 p. Article in Press.
9. Srivastava, P., Dhar, S., Jaiswal, N.K. Potential spin-polarized transport in gold-doped armchair graphene nanoribbons (2015) *Physics Letters, Section A: General, Atomic and Solid State Physics*, Article in Press.
10. Kumar, A., Ojha, A. Anticipated velocity based guidance strategy for wheeled mobile evader amidst stationary and moving obstacles in bounded environment (2014) *Computer Animation and Virtual Worlds*, Article in Press.
11. Upadhyay, R., Manglick, A., Reddy, D.K., Padhy, P.K., Kankar, P.K. Channel optimization and nonlinear feature extraction for Electroencephalogram signals classification (2015) *Computers and Electrical Engineering*, Article in Press.
12. Verma, V.S., Kumar Jha, R. Improved watermarking technique based on significant difference of lifting wavelet coefficients (2014) *Signal, Image and Video Processing*, pp. 1-8. Article in Press.

#### Patent:

1. Jawar Singh and Anup Shrivastav; "Resistive Switching Device: Memristor", Indian Patent Application No. 431/MUM/2015, Feb 2015.

#### Books:

**Title:** *Treasure a Tear- Stories and Poems* (Nov- 2014) By Dr Mamta Anand . Published by Authorspress, New Delhi.

#### Book Chapters:

1. Formation of DNA Lesions, its Prevention and Repair NR Jena, N Agnihotri, PC Mishra Application of Computational Techniques in Pharmacy and Medicine, Springer, 2014, 59-94.



## दीक्षांत समारोह 2014

संस्थान का षष्ठम दीक्षांत समारोह 8 अगस्त 2014 को संपन्न हुआ। इसरो के भूतपूर्व चेयरमेन डॉ. के. कस्तूरीरंगन ने समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में शोभा बढ़ाई। कार्यक्रम में एच सी एल के संस्थापक श्री अजय चौधरी एवं भारत सरकार के प्रमुख वैज्ञानिक सलाहकार कार्यालय में कार्यरत वैज्ञानिक सचिव एवं संस्थान के अधिशासी मंडल के अध्यक्ष प्रो एस.वी. राघवन विशिष्ट अतिथि थे। उपाधि प्राप्त करने वाले छात्रों के माता-पिता एवं संरक्षकों समेत जबलपुर शहर के गणमान्य व्यक्तियों ने समारोह में अपनी उपस्थिति दर्ज की।

इस महत्वपूर्ण अवसर पर संस्थान द्वारा श्री अजय चौधरी को मानद उपाधि से सम्मानित किया गया। कुल 257 (बी.टेक 230, एम.टेक 25, शोध 02) उपाधियाँ प्रदान की गईं।

विषयानुसार उपाधियों की संख्या निम्नवत् है।

### प्रौद्योगिकी स्नातक:

क्रमांक	विषय	कुल
1	कंप्यूटर साइंस एंड इंजीनियरिंग( सी.एस.ई.)	76
2	इलेक्ट्रॉनिक्स और संचार इंजीनियरिंग (ई.सी.ई.)	75
3	मैकेनिकल इंजीनियरिंग (एम. ई.)	79
	कुल	230

### प्रौद्योगिकी परास्नातक:

क्रमांक	विषय	कुल
1	कंप्यूटर साइंस एंड इंजीनियरिंग (सी.एस. ई.)	07
2	इलेक्ट्रॉनिक्स और संचार इंजीनियरिंग (ई.सी.ई.)	07
3	मैकेनिकल इंजीनियरिंग (एम. ई.)	05
4	मैकाट्रानिक्स	06
5	डिजाइन	00
	कुल	25

### शोध उपाधि (पी.एच.डी.):

क्रमांक	विषय	कुल
1	इलेक्ट्रॉनिक्स और संचार इंजीनियरिंग (ई.सी.ई.)	01
2	मैकेनिकल इंजीनियरिंग (एम. ई.)	01
	कुल	02



इसके अतिरिक्त निम्नलिखित पदक एवं पुरस्कार भी प्रदान किये गये :-

क्रमांक	पुरस्कार/पदक	प्राप्तकर्ता	मापदण्ड
1	संचालक मण्डलाध्यक्ष स्वर्ण पदक	हरप्रीत कौर माकन	स्नातक पाठ्यक्रम के समस्त विद्यार्थियों में सर्वश्रेष्ठ शैक्षणिक योग्यता हेतु
2	निदेशकीय स्वर्ण पदक	अनिकेत कुमार	स्नातक पाठ्यक्रम के समस्त विद्यार्थियों में सभी क्षेत्रों में सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन हेतु
3	निदेशकीय रजत पदक	देवेश आहूजा	स्नातक विद्यार्थियों के मध्य सांस्कृतिक गतिविधियों में सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन हेतु
4	निदेशकीय रजत पदक	अभिषेक कुमार सिंह	स्नातक पाठ्यक्रम के समस्त विद्यार्थियों में खेल एवं क्रीडा में सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन हेतु
5	डी एंड एम दक्षता स्वर्ण पदक	सुरभि द्विवेदी हर्षित कुमार गुप्ता प्रशांत त्रिपाठी साक्षी गुप्ता हेमंत मलिक विनीता शर्मा सौरभ द्विवेदी	समस्त स्नातक पाठ्यक्रम में सर्वश्रेष्ठ पार अनुशासनिक परियोजना हेतु
6	आई आई टी डी एम दक्षता पुरस्कार	राजेश्वर अग्रवाल	स्नातक कंप्यूटर साइंस एंड इंजीनियरिंग (सी.एस.ई.) में सर्वश्रेष्ठ परियोजना निर्माता विद्यार्थी हेतु
7	आई आई टी डी एम दक्षता पुरस्कार	हर्षित कुमार शुक्ला	स्नातक मैकेनिकल इंजीनियरिंग (म.ई.) में सर्वश्रेष्ठ परियोजना निर्माता विद्यार्थी हेतु
8	आई आई टी डी एम दक्षता पुरस्कार	शुभी शर्मा	परास्नातक कंप्यूटर साइंस एंड इंजीनियरिंग (सी.एस.ई.) में सर्वश्रेष्ठ थीसिस हेतु
9	आई आई टी डी एम दक्षता पुरस्कार	नीलेश गुप्ता	परास्नातक इलेक्ट्रॉनिक्स और संचार इंजीनियरिंग (ई.सी.ई.) में सर्वश्रेष्ठ थीसिस हेतु
10	आई आई टी डी एम दक्षता पुरस्कार	अतुल कुमार गुप्ता	परास्नातक मैकेनिकल इंजीनियरिंग (एम.ई.) में सर्वश्रेष्ठ थीसिस हेतु
11	शैक्षणिक उपलब्धि दक्षता रजत पदक	गिन्नी गिडवानी	परास्नातक कंप्यूटर साइंस एंड इंजीनियरिंग (सी.एस.ई.) में सर्वश्रेष्ठ शैक्षणिक प्रदर्शन
12	शैक्षणिक उपलब्धि दक्षता रजत पदक	हरप्रीत कौर माकन	स्नातक इलेक्ट्रॉनिक्स और संचार इंजीनियरिंग (ई.सी.ई.) में सर्वश्रेष्ठ शैक्षणिक प्रदर्शन



पंडित द्वारका प्रसाद मिश्र  
भारतीय सूचना प्रौद्योगिकी,  
अभिकल्पन एवं विनिर्माण संस्थान, जबलपुर



दीक्षांत समारोह-2014 : शैक्षणिक यात्रा



श्री अजय चौधरी, मानद उपाधि से सम्मानित होते हुए



अध्यक्ष प्रशासक मंडल, प्रो. एस.वी.राघवन से स्वर्ण पदक  
प्राप्त करती हुई छात्रा हरप्रीत कौर माकन



निदेशक प्रो. अपराजिता ओझा से एम.टेक उपाधि प्राप्त  
करते हुए छात्र अंकित दीक्षित



दीक्षांत समारोह-2014 : उपाधि प्राप्त छात्र

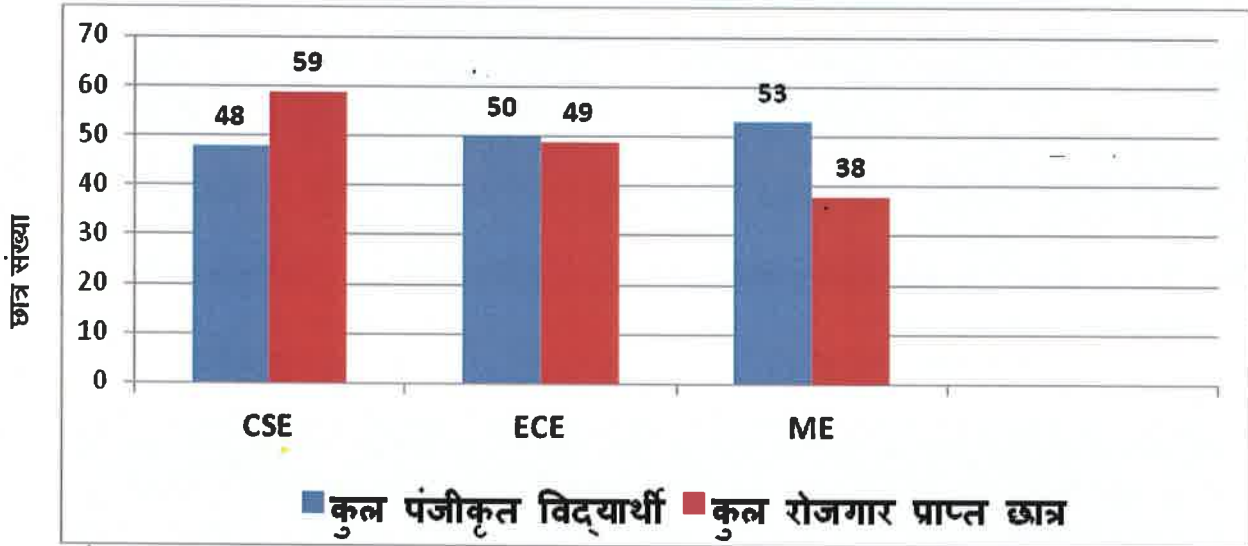


## वर्ष 2014-15 के दौरान कैम्पस प्लेसमेंट

वर्ष 2011 के स्नातक स्तर के सभी छात्रों को इस वर्ष बेहतर रोजगार के अवसर प्राप्त हुए हैं। 35 से भी अधिक कंपनियों द्वारा संस्थान परिसर में ही छात्रों को चयनित कर रोजगार उपलब्ध कराए गए, जिनमें प्रमुख कंपनियाँ इंफोसिस, ऑरेकल, एस एंड पी, केपिटल आई क्यू, योडले, सूत्रा एनालिटिक्स, पर्सिस्टेंट, माइक्रोसॉफ्ट, विप्रो, एमडाक्स, क्यूबोटा इंडिया, वसार लैब्स, म्यू सिग्मा एवं एम.एच.आई. रही। कुल अर्ह विद्यार्थियों के लगभग 95% विद्यार्थियों को रोजगार प्राप्त हुआ। संस्थान को आशा है कि भविष्य में और अधिक कंपनियाँ कैम्पस प्लेसमेंट हेतु आएंगी और उत्कृष्ट विद्यार्थियों का चयन करेंगी। यहाँ यह बतलाना सुखद है कि इस वर्ष कई बड़ी कंपनियाँ जैसे वर्क्स एप्लिकेशन्स जापान, स्नैपडील, ब्रह्मेस एयरोस्पेस द्वारा संस्थान के विद्यार्थियों का चयन किया गया।

- औसत वेतन 7.25 लाख रुपये प्रतिवर्ष रहा।
- अचयनित छात्रों ने या तो उच्चशिक्षा अध्ययन हेतु एम.टेक. एम.एस. GATE या प्रतियोगी परीक्षाओं जैसे सिविल सुविसेंस की तैयारी का विकल्प चुना।

वर्ष 2014 - 15 के दौरान कैम्पस प्लेसमेंट



\*CSE- इस संकाय में कुछ विद्यार्थियों को एक से अधिक कंपनियों द्वारा रोजगार का प्रस्ताव प्राप्त हुआ।



### वर्ष 2014 – 15 के दौरान संकाय सदस्यों की उपलब्धियाँ



सितंबर 06–08 2014 के दौरान चेंग्डू, चीन में मैकाट्रॉनिक्स एवं मैकेनिकल इंजीनियरिंग 2014 (आई.सी.एम.एम.ई. – 2014) विषय पर आयोजित अंतर्राष्ट्रीय कांग्रेस में प्रो. पुनीत टंडन को अध्यक्षता हेतु आमंत्रित किया गया।



एडिटिव मैनुफैक्चरिंग के क्षेत्र में सराहनीय योगदान दिये जाने हेतु संस्थान के डॉ. प्रशांत कुमार जैन को ब्रिटिश हाई कमीशन (यू.के.) द्वारा 'एडिटिव मैनुफैक्चरिंग एंड थ्री-डी प्रिंटिंग' के आंतरिक प्रतिनिधि मंडल हेतु 7–10 जुलाई 2014 के दौरान आमंत्रित किया गया।



यह अत्यंत हर्ष का विषय है कि डॉ. बिश्वजीत मुखर्जी को अर्बि जनरल एसेंबली एंड सिंपोजियम ऑफ इंटरनेशनल यूनियन ऑफ रेडियो साइंस (यू.आर.एस.आई.) 2014 द्वारा यंग साइंटिस्ट अवार्ड से सम्मानित किया गया है।



## पुस्तकालय

संस्थान का एक मिश्रित पुस्तकालय है तथा अपनी सेवाएं तथा जानकारी कागजी तथा इलेक्ट्रॉनिक रूप में मिश्रित रूप से प्रदान करता है। पुस्तकालय आधुनिक पुस्तकालय प्रणाली से युक्त/व्यवस्थित है तथा निगरानी हेतु कैमरा भी स्थापित है। पुस्तकालय की विभिन्न सेवाएं लाइब्रेरी ऑटोमेशन साफ्टवेयर 'साफ्टग्रंथ' से संचालित है, जिससे इसके उपयोगकर्ताओं को बेहतर पुस्तकालय सेवाएं प्राप्त होती हैं।

क्षेत्रफल :-संस्थान पुस्तकालय में पर्याप्त जगह है तथा उपयोगकर्ताओं को आरामदेह वातावरण प्रदान करना है। पुस्तकालय का कुल क्षेत्रफल 234 वर्गमीटर है, जिसे दो भागों में बांटा गया है, 191 वर्गमीटर का एक भाग जिसमें पुस्तकें रखी हुई हैं, तथा 43 वर्गमीटर के दूसरे भाग में पढ़ने की जगह (रिफरेंस) कक्ष हैं। पुस्तकालय में एक साथ 100 व्यक्तियों के बैठने की व्यवस्था है, साथ ही पुस्तकालय में ही 04 कम्प्यूटर उपलब्ध हैं जिसका उपयोग ई-रिसोर्सज एवं वेब ओपेक हेतु किया जाता है।



### सामान्य संकलन

पुस्तकालय उपयोगी पुस्तकों की संख्या को हमेशा बढ़ाने का प्रयास करना पुस्तकालय का एक महत्वपूर्ण कार्य है, जोकि शैक्षणिक कार्यक्रम (पाठ्यक्रम) को तो उन्नत करता ही है, साथ ही साथ अनुसंधान गतिविधियों, संकाय सदस्यों, शोध छात्रों, अन्य विद्यार्थियों एवं समस्त अधिकारियों/कर्मचारियों को भी सहायता प्रदान करता है। 31 मार्च 2015 को पुस्तकालय में उपलब्ध संकलन निम्नवत् है:-

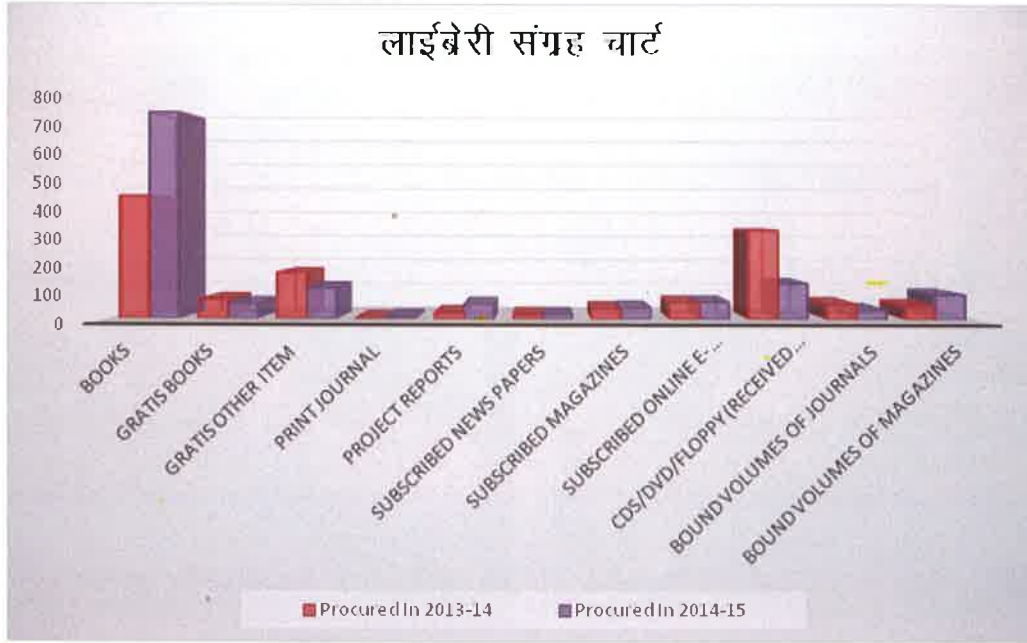




पंडित द्वारका प्रसाद मिश्र  
भारतीय सूचना प्रौद्योगिकी,  
अभिकल्पन एवं विनिर्माण संस्थान, जबलपुर



माध्यम (साधन)	संग्रह	31 मार्च 2013	2013-14 को प्राप्त	2014-15 में प्राप्त	31-03-2015 को कुल रकंध (पुस्तकें)
दस्तावेजी स्रोत (मुद्रित)	पुस्तकें	10657	460	774	11894
	ग्रिटिस पुस्तकें	147	072	056	275
	ग्रिटिस अन्य आईटम	0	174	117	291
	प्रिन्ट जर्नल	2	3	8	13
	प्रोजेक्ट रिपोर्ट	49	23	56	128
	समाचार पत्र	15	16	16	47
	पत्रिकायें	32	40	43	115
गैर दस्तावेजी स्रोत ( गैर मुद्रित)	ऑनलाईन ई रिसोर्स-ई . जर्नल	—	63	64	127
	सीडी/डीवीडी/फ्लोपी पुस्तकों के साथ प्राप्त	1116	335	134	1585
अभिलेख(पुराने)	जर्नल्स	—	57	34	91
	पत्रिकाएं	—	51	92	143



वित्तीय वर्ष 2013-14 एवं 2014-15 के दौरान क्रय की गई पुस्तकालय सामग्री का विवरण

रिफरेंस संग्रह :-

संस्थान पुस्तकालय में एक पृथक रिफरेंस सेक्शन है। विभिन्न प्रकार के रिफरेंस संग्रह इसमें उपस्थित है, जो कि उपयोगकर्ताओं की रिफरेंस संबंधी आवश्यकताओं को पूरा करने में मदद प्रदान करती है:

क्र.	रिफरेंस स्रोत	कुल संख्या
1.	इन्साक्लोपीडिया	122
2.	डायरेक्टरीज	04
3.	हैन्डबुक	169
4.	शब्दकोश	43
5.	कॉन्फरेंस प्रोसिडिंग	13
6.	सांख्यिकीय स्रोत	21
7.	वार्षिक प्रतिवेदन	18
8.	ईयर बुक	04
9.	एटलस	02
10.	मैनुअल	03
11.	वर्ल्ड रिकार्ड्स	02



### पुस्तकालय सेवाएँ:

1. इन्ट्रावेब :- इसके माध्यम से ऑनलाईन जानकारियां, विवरण देखी एवं डाउनलोड की जा सकती है।
2. रिफरेंस सेवा :- यह उपयोगकर्ताओं की अभिरुचि अनुसार सूचना तथा दस्तावेज ढूँढने एवं देखने में सहायता प्रदान करता है।

### 3. सूचना चेतावनी सेवा :- पुस्तकालय अपने उपयोगकर्ताओं को समय-समय पर अद्यतन सूचना प्रदान करना है:

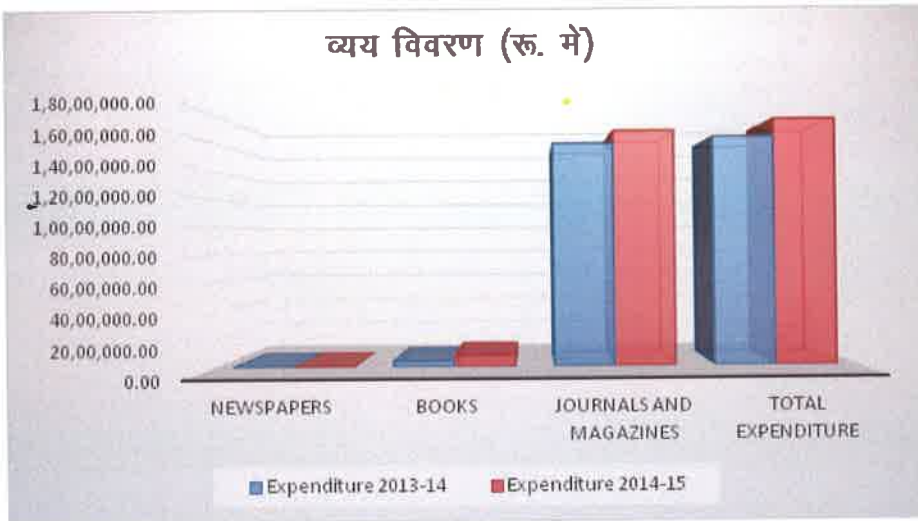
- (अ) नई पुस्तकों की सूची
- (ब) नये ई-रिसोर्सज की सूची
- (स) समाचार प्रकटन
- (द) संकाय सदस्यों एवं विद्यार्थियों के प्रकाशन
- (य) आगामी कॉन्फ्रेंस राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय घटनाओं का प्रकटन

### 4. समाचार पत्र क्लिपिंग सेवा

पुस्तकालय विभिन्न समाचार पत्रों में छपने वाली संस्थान संबंधित सूचनाओं, प्रकाशनों को भविष्य के लिये संभालकर रखता है।

### 5. व्यय विवरण

क्र.सं.	मद	व्यय (2014-15) रू. में
1.	पुस्तकें	रू 7,57,588.00 (लगभग)
2.	जर्नल तथा पत्रिकायें	रू 1,66,86,294.66 (लगभग)
3.	समाचार पत्र	रू 13,911.00 (लगभग)
		रू 174,57,793.66 (लगभग)



वित्तीय वर्ष 2013-14 एवं 2014-15 के दौरान खर्च का विवरण



## समाजिक उत्तरदायित्व

### 1. जागृति क्लब

भारतीय सूचना प्रौद्योगिकी अभिकल्पन एवं विनिर्माण संस्थान जबलपुर के छात्रों द्वारा जागृति नामक एक समूह बनाया गया है। जागृति क्लब ग्रामीण बच्चों की शिक्षा को बढ़ावा देता है, जिससे गांवों में निवासरत बच्चों की शिक्षा और जीवन स्तर उन्नत हो सके।

वर्ष के दौरान जागृति क्लब द्वारा संपन्न की गई गतिविधियों का बयौरा इस प्रकार है :-

- प्रतिदिन कक्षाओं की व्यवस्था : समीपस्थ ग्रामीण बच्चों हेतु जागृति क्लब द्वारा प्रतिदिन कक्षाओं का संचालन संस्थान परिसर में किया जाता है। इन कक्षाओं में लगभग सभी विषय जैसे – गणित, विज्ञान, चित्रकला, हिंदी एवं अंग्रेजी प्रतिदिन पढ़ाये जाते हैं।



- चिकित्सा शिविर का आयोजन : जागृति क्लब समीपस्थ ग्राम में रहने वाले ग्रामीणों विशेषकर वृद्धजनों एवं महिलाओं हेतु चिकित्सा शिविर भी आयोजित किये जाते हैं।





- रक्तदान शिविर का आयोजन : प्रत्येक वर्ष संस्थान जबलपुर रेडक्रॉस सोसायटी के सहयोग से संस्थान परिसर में ही रक्तदान शिविर का आयोजन करता है। सभी शासकीय अस्पताल जैसे नेताजी सुभाष चंद्र बोस मेडिकल कॉलेज, लेडी एलिंगन चिकित्सालय एवं विक्टोरिया अस्पताल द्वारा इस शिविर में सहभागिता की जाती है। जागृति क्लब के सभी सदस्य इस आयोजन हेतु आवश्यक व्यवस्थाएँ करते हैं और अधिष्ठाता ( छात्र ) कार्यालय को इस शिविर हेतु पूर्ण सहयोग प्रदान करते हैं।



- स्टेशनरी सामग्री एवं कपड़ों का वितरण : जागृति क्लब द्वारा पढ़ाये जा रहे बच्चों को इस क्लब के छात्र अपने जेब खर्च से पैसे बचाकर स्टेशनरी सामग्री एवं सर्दियों के मौसम अनुसार कपड़े वितरित करते हैं।



- स्वास्थ्य संबंधी जागरूकता : जागृति क्लब के सदस्य समय-समय पर पास के गांवों के बच्चों एवं व्यक्तियों को व्यक्तिगत साफ-सफाई, धूम्रपान एवं शराब सेवन के बुरे प्रभावों के बारे में जागरूकता प्रदान करते हैं।
- वृक्षारोपण, स्वच्छता अभियान एवं सामाजिक पहल हेतु रैलियाँ : समाज को जागरूक बनाए रखने के लिए जागृति क्लब के सदस्य कई पहल करते हैं जिनमें वृक्षारोपण, साफ-सफाई हेतु रैलियों का आयोजन किया जाता रहा है।



पंडित द्वारका प्रसाद मिश्र  
भारतीय सूचना प्रौद्योगिकी,  
अभिकल्पन एवं विनिर्माण संस्थान, जबलपुर



- जागृति के बच्चों के साथ उत्सवों का आयोजन : जागृति क्लब के सभी सदस्य वर्ष भर में मनाए जाने वाले त्यौहारों जैसे राखी दीपावली आदि पास के गाँवों बच्चों के साथ मिलकर मनाते हैं।



- कला प्रतियोगिता का आयोजन : क्लब में पढ़ने वाले ग्रामीण बच्चों की छुपी हुई प्रतिभा को मंच प्रदान करने के लिए संस्थान के सांस्कृतिक क्लब द्वारा प्रशिक्षण दिया जाता है। जागृति क्लब द्वारा समीपस्थ ग्रामीण बच्चों के लिए चित्रकला प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। संस्थान के पास के गाँवों में समाज को जागरूक बनाने हेतु कई विषयों पर नुक्कड़ नाटक का मंचन किया गया है।





- सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन : संस्थान के समीपस्थ गाँवों में रहने वाले बच्चे जो जागृति क्लब द्वारा शिक्षा ग्रहण करते हैं, ऐसे सभी छात्र सांस्कृतिक कार्यक्रमों जैसे गणतंत्र दिवस, स्वतंत्रता दिवस आदि अवसरों में भाग लेते हैं।



- ग्रामीण क्षेत्रों का दौरा : हर वर्ष जागृति क्लब नए गाँवों को अपने क्लब में जोड़ता है। इस वर्ष ग्राम गधेरी का चयन किया गया एवं क्लब के सदस्यों द्वारा कई बार इस ग्राम का दौरा किया गया ताकि वहाँ रहने वाले ग्रामीणों एवं उनके क्रियाकलापों के बारे में विस्तृत जानकारी जुटाई जा सके। संस्थान से उक्त गाँव की दूरी अधिक होने के कारण क्लब के सदस्य गाँव में ही जाकर अध्यापन कार्य पूरा करते हैं।
- राष्ट्रीय शिक्षा दिवस : संस्थान परिसर में 11 नवंबर 2014 को राष्ट्रीय शिक्षा दिवस मनाया गया। इस अवसर पर जागृति क्लब की गतिविधियों से जुड़े सभी बच्चों को सम्मानित किया गया।



## 2. स्वच्छता अभियान

माननीय प्रधानमंत्री द्वारा स्वच्छता अभियान हेतु की गई पहल पर संस्थान के सभी सदस्यों ने सक्रियतापूर्वक सहभागिता की। अभियान की शुरुआत में दिनांक 25-31 अक्टूबर 2014 के दौरान संस्थान परिसर की इमारतों एवं एल.एच.टी.सी. भवन के आस-पास का क्षेत्र साफ किया गया। इस महान कार्य के प्रति सभी को जागरूक करने के लिए संस्थान द्वारा निबंध लेखन प्रतियोगिता एवं चित्रकला प्रतियोगिता का आयोजन छात्रों व कर्मचारियों हेतु किया गया।

संस्थान के विद्यार्थियों एवं कर्मचारियों ने इन सभी आयोजनों में 'स्वच्छ संस्थान-स्वस्थ संस्थान' के नारे के साथ कार्यक्रमों में सहभागिता की।





## वर्ष के दौरान आयोजित गतिविधियाँ

### राष्ट्रीय शिक्षा दिवस

11 नवंबर 2014 को संस्थान द्वारा मौलाना अबुल कलाम आजाद का जन्मदिन राष्ट्रीय शिक्षा दिवस के रूप में मनाया गया। इस अवसर पर संस्थान के अधिशासी मंडलाध्यक्ष प्रो. एस. वी. राघवन द्वारा एल.एच.टी.सी. के हॉल नं. 102 में प्रेरणादायी उद्बोधन दिया गया। प्रो. एस. वी. राघवन द्वारा इस अवसर पर संस्थान के जागृति क्लब द्वारा निकटवर्ती गाँवों के बच्चों को उच्च गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्रदान करने के प्रयासों हेतु सम्मानित किया गया।



### पेनल डिस्कशन

'सृजन' नामक कला एवं साहित्य उत्सव के दौरान दिनांक 16 जनवरी 2015 को एक पेनल डिस्कशन का आयोजन किया गया था जिसका विषय था 'क्या अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता मिथक है!'। इस पेनल डिस्कशन में रानी दुर्गावती विश्वविद्यालय जबलपुर के विधि विभाग की डीन प्रो. दिव्या चंसोरिया, संस्थान के भाषा एवं साहित्य विभाग से प्रो. विनीता कौर सलूजा, दैनिक भास्कर के वरिष्ठ संपादक श्री सुशील तिवारी, समागम रंगमंडल के अध्यक्ष श्री आशीष पाठक आदि वक्ता थे।

### गणतंत्रता दिवस 2015

संस्थान परिसर में 66 वाँ गणतंत्र दिवस 26 जनवरी 2015 को मनाया गया। इस अवसर पर कई सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन छात्र जिमखाना द्वारा किया गया। जागृति क्लब के द्वारा पढ़ाये जा रहे निकटवर्ती ग्राम मेंहगवां के बच्चों द्वारा कार्यक्रम में मोहक प्रस्तुति दी गई।

संस्थान निदेशक प्रो. अपराजिता ओझा द्वारा परिसर में राष्ट्रध्वज फहराया गया एवं संस्थान की प्रगति रिपोर्ट प्रस्तुत की गई। कार्यक्रम का समापन कुलसचिव श्री आर. पी. द्विवेदी द्वारा ध्वजवाहक ज्ञापन के साथ हुआ, साथ ही उपस्थित सभी लोगों को मिष्ठान वितरित किये गये।







#### अभिभावक बैठक 2014

भारत सरकार की "द्वितीय प्रशासकीय सुधार समिति" की अनुशंसा अनुसार (अ) समाज के सभी नागरिकों को शासकीय संस्थाओं के क्रियाकलापों की जानकारी व आकलन में शामिल करना है। साथ ही

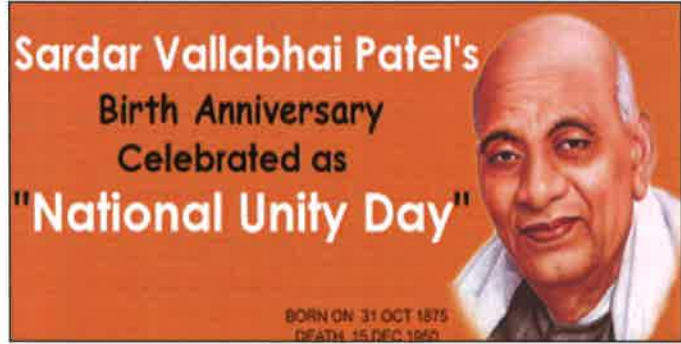
(ब) लोक मंच को आमंत्रित करते हुए समाज से सुधार हेतु सुझाव मांगे जा सकते हैं।

संस्थान द्वारा किये जा रहे प्रयासों एवं शैक्षणिक स्तर पर संभावित सुधारों हेतु सुझावों को आमंत्रित करने के लिए संस्थान में पढ़ने वाले बच्चों के अभिभावकों को बैठक में आमंत्रित गया था।



#### राष्ट्रीय एकता दिवस 2014

भारत के प्रथम गृह मंत्री एवं उप प्रधानमंत्री का जन्मदिन संस्थान परिसर में दिनांक 31 अक्टूबर 2014 को "राष्ट्रीय एकता दिवस" के रूप में मनाया गया। इस अवसर पर संस्थान के सभी संकाय सदस्यों, अधिकारियों, कर्मचारियों एवं विद्यार्थियों ने एकत्रित होकर राष्ट्र की एकता, संप्रभुता एवं सुरक्षा को बनाये रखने की शपथ ली।



#### स्वतंत्रता दिवस 2014

राष्ट्र का 68 वाँ स्वाधीनता दिवस 15 अगस्त 2014 को मनाया गया। बी.टेक. पाठ्यक्रम के प्रथम वर्ष के छात्रों द्वारा इस अवसर पर कई सांस्कृतिक कार्यक्रमों की प्रस्तुति जिमखाना क्लब के अंतर्गत दी गई। संस्थान निदेशक प्रो. अपराजिता ओझा द्वारा ध्वजारोहण किया गया एवं संस्थान की वार्षिक प्रगति से सभी को अवगत कराया गया। कार्यक्रम का समापन संस्थान के कुलसचिव श्री आर. पी. द्विवेदी द्वारा आभार प्रकट कर, मिष्ठान वितरण के साथ संपन्न हुआ।





### स्थापना दिवस

संस्थान की आधारशिला 07.02.2005 को तत्कालीन मानव संसाधन विकास मंत्री दिवंगत श्री अर्जुन सिंह द्वारा रक्षी गयी थी। संस्थान की स्थापना के 10 वर्ष पूर्ण होने पर संस्था के सभी विद्यार्थियों, अधिकारियों, कर्मचारियों एवं संकाय सदस्यों के साथ चर्चा का आयोजन किया गया जिसका विषय “विजन ट्रिपल आई टी” था। इस चर्चा में भारत सरकार द्वारा वित्त पोषित सभी चारों भारतीय सूचना प्रौद्योगिकी संस्थानों (ग्वालियर, इलाहाबाद, जबलपुर एवं कांचीपुरम) के निदेशक उपस्थित थे।

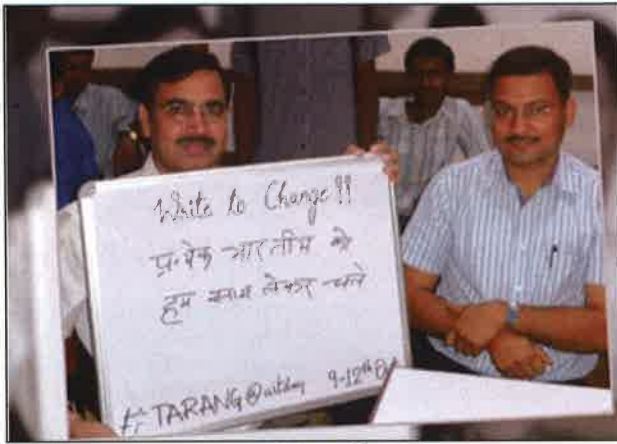


भारतीय सूचना प्रौद्योगिकी संस्थान अधिनियम 2014 पारित हो जाने से यह चर्चा बहुत सार्थक रही।

### “राइट टू चेंज” : छात्रों का विशेष प्रयास

संस्थान के सांस्कृतिक उत्सव “तरंग 2014” की शुरुआत में ही संस्थान के विद्यार्थियों द्वारा एक नई पहल की गई जिसने सबका ध्यान आकर्षित किया, यह पहल थी “राइट टू चेंज” ।

समाज में निरंतर सुधार एवं प्रगति बनाए रखने के लिए संस्थान के विद्यार्थियों द्वारा जबलपुर शहर के आम जन-मानस से संपर्क किया गया। इनमें विद्यार्थियों एवं संकाय सदस्यों ने समाज में आवश्यक सकारात्मक परिवर्तन हेतु अपने विचार व्यक्त किये।



श्री आर. पी. द्विवेदी, कुलसचिव 'राइट टू चेंज'  
पहल के अंतर्गत अपना संदेश देते हुए



प्रो. अपराजिता ओझा, निदेशक 'राइट टू चेंज'  
पहल के अंतर्गत अपना संदेश देती हुई



## वित्त वर्ष 2014-15 में नियुक्तियाँ एवं त्यागपत्र

### 01 अप्रैल 2014 से 31 मार्च 2015 के दौरान नियुक्तियाँ

क्र.	नाम	पद	नियुक्ति की तिथि
01	डॉ. मनीष कुमार बाजपेयी	सहायक प्राध्यापक	26.07.2014
02	डॉ. रूचिर गुप्ता	सहायक प्राध्यापक	26.07.2014
03	डॉ. विनोद कुमार जैन	सहायक प्राध्यापक	28.07.2014
04	डॉ. अनुराग सिंह	सहायक प्राध्यापक	30.07.2014
05	प्रो. विनीता कौर सलूजा	अतिथि प्राध्यापक	11.08.2014
06	डॉ. अयान सील	सहायक प्राध्यापक	01.09.2014
07	श्रीमती एस.डी. गढ़ेकर	उप कुलसचिव	11.08.2014
08	श्री जितेन्द्र बहादुर सिंह	सिक्यूरिटी असिस्टेंट	01.08.2014

### 01 अप्रैल 2014 से 31 मार्च 2015 के दौरान त्यागपत्र

क्र.	नाम	पद	त्यागपत्र की तिथि
01	डॉ. राजिब कुमार झा	सहायक प्राध्यापक	02.06.2014
02	डॉ. राजेश कुमार पाण्डेय	सहायक प्राध्यापक	09.06.2014
03	डॉ. अनुराग सिंह	सहायक प्राध्यापक	11.12.2014
04	श्री ब्रजेश कुमार	तकनीकी सहायक	09.10.2014
05	श्री राजवीर	तकनीकी सहायक	26.11.2014
06	श्री दिलीप रंगारे	निम्न श्रेणी लिपिक	02.09.2014



## विद्यार्थी जीवन

आवासीय संस्थान प्रांगण में छात्रों के चहुँमुखी विकास हेतु संस्थान छात्रों के लिए आधारभूत संरचनाएँ एवं सुविधायें उपलब्ध कराता है। संस्थान के छात्र निरन्तर विभिन्न प्रकार की शिक्षकेत्तर एवं सहशैक्षणिक गतिविधियों में भाग लेते हैं एवं विभिन्न प्रकार के कार्यक्रमों का संचालन करते हैं। ये सभी गतिविधियाँ छात्र जिमखाना के तहत आयोजित की जाती हैं जिससे छात्रों को अनेकानेक मुद्दों पर आपस में सहयोगी होने के अवसर मिलता है। संकाय सलाहकारों के परामर्श के अन्तर्गत कार्य करते हुए जिमखाना स्वशासित एवं उत्तरदायी संस्था है। छात्र जिमखाना का संचालन जनतांत्रिक पद्धति से निर्वाचित छात्र जिमखाना परिषद (सीनेट) द्वारा किया जाता है। प्रतिवर्ष जनवरी के प्रथम सप्ताह में छात्र जिमखाना परिषद के सदस्यों का चुनाव आम सभा में जिमखाना सदस्यों द्वारा प्रत्यक्ष एवं गुप्त मतदान द्वारा होता है संस्थान में पंजीकृत प्रत्येक छात्र स्वतः ही छात्र जिमखाना का सदस्य होता है और उसे मतदान का अधिकार होता है।

छात्र सीनेट में हर कक्षा से 2-3 प्रतिनिधि होते हैं। सारे स्नातक एवं स्नातकोत्तर के बैच से छात्र सीनेट में लगभग 50-60 सदस्य होते हैं। विभिन्न सांस्कृतिक, खेल, विज्ञान एवं तकनीकी क्लब छात्र जिमखाना के अंतर्गत कार्य करते हैं। क्लब संयोजकों एवं सह-संयोजकों का चुनाव उनकी कुशलता एवं संस्थान में पूर्व के प्रदर्शन के आधार पर क्लब के सदस्य करते हैं और छात्र जिमखाना द्वारा अनुमोदित किया जाता है। छात्र जिमखाना के समस्त सदस्य जिनका CPT>6.5 है वे छात्र सिनेट के उम्मीदवार के योग्य होते हैं। वे समस्त सदस्य जिनका CPT=6.5 है वे मेन्टर, संयोजक, सहसंयोजक होने के योग्य होते हैं। वर्ष भर जिमखाना गतिविधियों के संचालन हेतु एक वरिष्ठ संकाय सदस्य, जिसे अधिष्ठाता (छात्र) का प्रभार दिया गया हो, छात्र प्रतिनिधियों का मार्गदर्शन करता है। इसके अतिरिक्त तीन संकाय सदस्य जिन्हें सलाहकार (काउन्सलर) का पदनाम दिया जाता है। विभिन्न सांस्कृतिक, खेल और विज्ञान एवं तकनीकी गतिविधियों के साथ-साथ छात्र जिमखाना द्वारा आयोजित विभिन्न वार्षिक उत्सवों का संचालन करते हैं।

वर्तमान वर्ष के लिए संकाय सदस्य प्रतिपालक निम्नलिखित रहे :

सांस्कृतिक सलाहकार – डॉ. सुजाँय मुखर्जी

तकनीकी सलाहकार – डॉ. नीरज कुमार जयसवाल एवं डॉ. मनोज कुमार पाण्डा

खेलकूद सलाहकार – डॉ. अनुराग सिंह (11.12.2014 तक)

डॉ. निहार कुमार महतो (12.12.2014 से)

छात्र जिमखाना गतिविधियों के अन्तर्गत गठित विभिन्न क्लब :

आवासीय संस्थान प्रांगण में छात्रों ने विभिन्न सभाओं का निर्माण किया है। छात्र इन सभी क्लबों की गतिविधियों में भाग लेते हुए अपने चहुँमुखी विकास हेतु नए अवसर प्राप्त करते हैं। छात्र अपनी इच्छानुसार परंतु अपनी शैक्षणिक योग्यता को बरकरार रखते हुए क्लब/क्लबों का सदस्य रह सकता है। प्रत्येक क्लब का मूल उद्देश्य उनकी मूलभूत प्रतिभा को पोषित करना है। इस प्रकार के प्रशिक्षण हेतु क्लबों के अधिवेशन सप्ताहांत में आयोजित किए जाते हैं। उसके अलावा क्लब विभिन्न कार्यशालाएं भी आयोजित करते हैं जिसमें कि विषयवस्तु विशेषज्ञों को आमंत्रित किया जाता है। सभी क्लब पूरे वर्ष भर नियोजित रूप से शिक्षणेतर एवं सहशैक्षणिक प्रतियोगिताओं का भी आयोजन करते हैं। क्लब की गतिविधियों का मुख्य उद्देश्य छात्र की प्रतिभा को उभारना होता है। साथ ही साथ ये गतिविधियाँ उनमें सामाजिक, सांस्कृतिक, प्रतिस्पर्धात्मक एवं तकनीकी भावना को भरती हैं। ये सभायें तीन भागों में विभाजित हैं :-



## (अ) सांस्कृतिक क्लब :

### 1. साज़

संगीत क्लब साज क्लब गतिविधियों का हृदय एवं आत्मा है, छात्रों के मध्य बहुत ही लोकप्रिय है क्योंकि यह हमेशा से ही सांस्कृतिक मिश्रण एवं महाविद्यालय में त्यौहार का माहौल बनाये रखता है। साज ने तरंग के दौरान अपना पूरा जलवा बिखेरा। साज ने आवेग – रॉक बैण्ड शो, एकल गायन, इंस्ट्रूमेंटल राग इत्यादि कार्यक्रम आयोजित किये।



26 जनवरी-2015 को साज क्लब द्वारा दी गई प्रस्तुति

### 2. जज्बात

हुनर प्रेमियों का गढ़ होते हुए जज्बात एकांकी से लेकर नुक्कड़ एवं माइम तक के समस्त विद्याओं में कार्यक्रम प्रस्तुत करता है एवं हर बार अपनी रचनात्मकता से लोगों के दिल जीतने वाले नाटकों की प्रस्तुति देता है।



18 जनवरी 2015 को विद्यार्थियों द्वारा म्यूजिकल ड्रामा की प्रस्तुति



### 3. अभिव्यक्ति

इस क्लब का उद्देश्य उत्साह से भरे हुए छात्रों से अपनी भावनाओं के उद्बोधन को कला के माध्यम से करने में जो सेतु है उसे पार करना एवं कला के क्षेत्र में विभिन्न तकनीकियों एवं ज्ञान को छात्रों तक पहुंचाना है। मुख्य उद्देश्य कला की एक समझ विकसित करना एवं कला में आनंद की खोज करना है।

वर्ष 2014-15 के दौरान अभिव्यक्ति क्लब द्वारा सफलतापूर्वक कई आयोजन किये गये साथ ही संस्थान के अन्य महत्वपूर्ण आयोजनों जैसे 'तरंग - 2014' हेतु साज-सज्जा का काम भी संभाला।

#### विभिन्न सत्रों का आयोजन -

क्लब द्वारा प्रथम सत्र का आयोजन अगस्त 2014 के दौरान किया गया जिसमें बी.टेक. प्रथम वर्ष के विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक सहभागिता दर्ज की। सत्र का मुख्य उद्देश्य ललित कलाओं (फाइन आर्ट्स) में रुचि रखने वाले छात्रों की क्षमता को उभारने एवं उभरते हुए तकनीकतंत्रियों (टेक्नोक्रेट्स) को रंग बिरंगी दुनिया से परिचित कराते हुए क्लब की वर्षभर की गतिविधियों से अवगत कराना था।

अन्य सत्रों के अंतर्गत अमूर्त कला (एब्स्ट्रैक्ट आर्ट) एवं चित्रकारी की बारीकियों पर आयोजन हुए।

द्वितीय वर्ष के छात्रों द्वारा क्विलिंग आर्ट्स पर भी एक सत्र आयोजित किया।

संस्थान परिसर से बाहर डुमना नेचर रिजर्व में भी एक सत्र आयोजित किया गया, जिसमें गतिशील आरेखन (लाइव स्केचिंग) मुख्य विषय था। इस विशेष सत्र में छात्रों ने बढ़-चढ़ कर हिस्सा लिया।



### 4. साहित्यिक क्लब

इसका मुख्य उद्देश्य छात्रों में वाक्पटुता, व्यक्तित्व आचार-विचार, साक्षात्कार हेतु संवादगुण एवं समूह वाद-विवाद को विकसित करना एवं साहित्य के प्रति प्रशंसा एवं समालोचना के गुणों को विकसित करना है। इन सभी गतिविधियों में भाग लेकर छात्र अपनी बौद्धिक क्षमता को विकसित करते हुए मंच के भय को समाप्त कर सकते हैं।

17-18 जनवरी 2015 के दौरान दो दिवसीय कला एवं साहित्य उत्सव "सृजन" का सफलतापूर्वक आयोजन किया गया। जिसमें संस्थान के विद्यार्थियों एवं शहर के कई अन्य विद्यार्थियों द्वारा सहभागिता की गई। कार्यक्रम का उद्घाटन 16 जनवरी 2015 को संस्थान निदेशक प्रो. अपराजिता ओझा, निदेशक भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान इंदौर, प्रो. तनुजा शोवड़े, अधिष्ठाता छात्र, डॉ. सुजाय मुखर्जी, सांस्कृतिक सलाहकार एवं अन्य प्राध्यापकों व कर्मचारियों की उपस्थिति में हुआ।





## (ब) विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी क्लब :

### 1. प्रोग्रामिंग क्लब

प्रोग्रामिंग क्लब कम्प्यूटर प्रेमियों एवं प्रोग्रामरों के लिए गतिविधियों का केन्द्र है। यह क्लब बिना किसी पिछले अनुभव के भी नये सदस्य लेता है यह क्लब लिनक्स, जीनोम एवं मुक्त स्रोत सॉफ्टवेयर में गतिविधियां आयोजित करता है।



प्रोग्रामिंग क्लब के अंतर्गत छात्र गतिविधियां

### 2. ऑटोमेटिव फैब्रिकेशन क्लब

इस क्लब की सबसे बड़ी खासियत यह है कि यह संस्थान का सबसे विविध क्लब है एवं सभी विषयों से छात्रों को समाहित किये हुए है। यह छात्रों को अपने ज्ञान को बांटने हेतु एक मंच प्रदान करता है। जिससे छात्र समूह गतिविधि, व्याख्यान, कार्यशालाओं एवं अधिवेशनों के माध्यम से एक दूसरे से जुड़ सकते हैं।

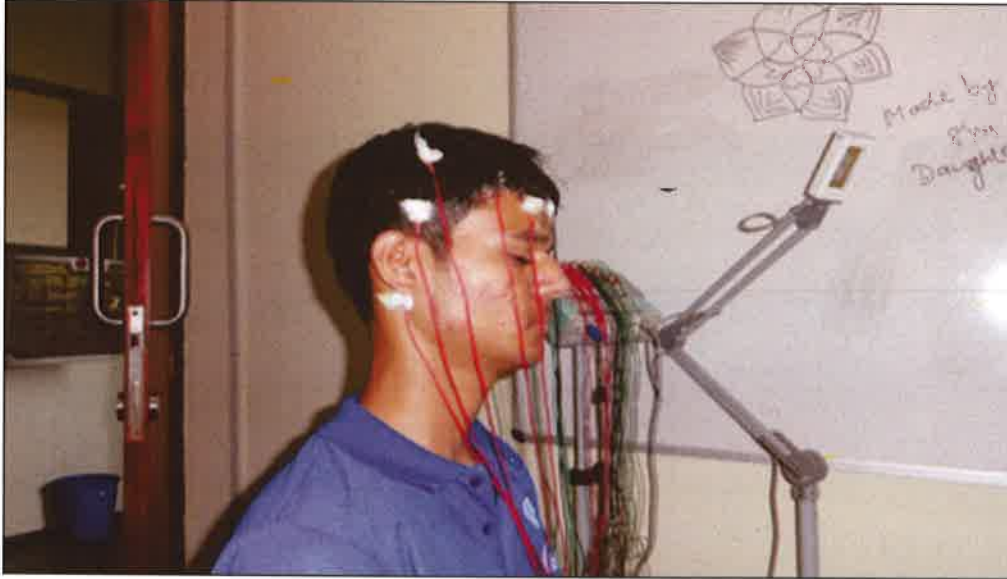
### 3. रॉबोटिक्स क्लब

क्लब का मुख्य उद्देश्य छात्रों के मध्य रोबोटिक्स में रुचि विकसित करना एवं उसे प्रेरित करना है। यह क्लब उपकरणों, टूलों, घटकों में अपरिहार्य निर्देशन, कार्यशालायें एवं अध्यापन प्रदान करता है। यह क्लब TEAM - 'Together Everyone Achieves More' के सिद्धांत पर कार्य करता है।



#### 4. इलेक्ट्रॉनिक्स क्लब

यह क्लब विभिन्न विषयों के छात्रों के इलेक्ट्रॉनिक्स सक्रिंटों को समझने उन पे कार्य करने, उनको अभिकल्पित करने के अवसर प्रदान करता है।



ब्रेन कन्ट्रोल्ड मोबाइल रोबोट प्रोजेक्ट से संबंधित प्रयोग

#### 5. कैड क्लब

यह क्लब छात्रों को कैड उपकरणों को सीखने एवं उत्पादों को अभिकल्पित करने एवं डिवाइस और तंत्रों के निर्माण के भरपूर अवसर प्रदान करता है।

#### 6. शटर बॉक्स – फोटोग्राफी क्लब

यह क्लब छात्रों में फोटोग्राफी की रुचि को प्रोत्साहित करने का कार्य करता है। यह क्लब जबलपुर के विभिन्न क्षेत्रों की यात्रा फोटोखींचने हेतु करता है। ये क्षेत्र डुमना नेचर रिजर्व, मदन महल, ग्वारीघाट एवं भेड़ाघाट इत्यादि हैं। विभिन्न प्रतियोगिताओं एवं कार्यक्रमों की तरवीरें भी क्लब सदस्यों द्वारा समय समय पर ली जाती हैं।

#### 7. वेब डिजायनिंग क्लब

वेब अभिकल्पन क्लब वेबसाइट निर्माण हेतु एवं मुख्यतया वेब अनुप्रयोगों को उपयोग करने में नये विचारों एवं गुणों को उपयोग करने में नये अवसर प्रदान करता है।

#### (स) क्रीड़ा क्लब:

##### 1. क्रिकेट क्लब

पूरे साल क्रिकेट क्लब खेलों को आयोजित करता है, इस क्लब के सदस्य संस्थान के सभी बैचों से हैं। क्रिकेट क्लब साल में दो बार प्रतियोगिताएं – छात्रावास अनुसार, बैच अनुसार आयोजित करता है। एक अन्य कोस्को नामक प्रतियोगिता भी आयोजित की जाती है यह गस्टो में भी भाग लेता है।





## 2. एथेलेटिक्स क्लब

यह क्लब छात्रों को हस्तपुष्ट एवं स्वस्थ रहने में मदद करता है प्रत्येक छात्र को किसी प्रकार की एथेलेटिक्स गतिविधि में भाग लेने हेतु प्रोत्साहित करता है।

अन्य खेलकूद क्लब निम्न हैं—

बैडमिंटन क्लब, शतरंज क्लब, लॉन टेनिस क्लब, फुटबाल क्लब, कैरम क्लब, बास्केट बॉल क्लब, थो बॉल, हेण्ड बॉल एवं वॉलीबाल क्लब।

अन्य छात्र गतिविधियां:

### 1. बिट्स गोवा की यात्रा

29 अक्टूबर से 04 नवम्बर 2014 के दौरान बिट्स गोवा के वार्षिक उत्सव – वेक्स 14 में संस्थान के विद्यार्थियों द्वारा “नुक्कड़ नाटक – कल्चर कहाँ है” की प्रस्तुति दी गई। इस प्रतियोगिता में संस्थान को 22 प्रतिभागियों के बीच 7वां स्थान प्राप्त हुआ। इस यात्रा के दौरान कई अन्य प्रस्तुतियां भी दी गईं।



संस्थान के छात्रों द्वारा नुक्कड़ नाटक की प्रस्तुति



वर्ष 2014-15 के दौरान छात्र जिमखाना परिषद का संगठन निम्नानुसार है:-

क्र.	अनुक्रमांक	नाम	पाठ्यक्रम	ई-मेल
1	2011013	अखिलेश कुमार शर्मा	B.Tech ME 2011 Batch	2011013@iiitdmj.ac.in
2	2012068	ओमकार जयवंत दारेकर	B.Tech CSE 2012 Batch	2012068@iiitdmj.ac.in
3	1220131	हरकीरत कौर	M.Tech CSE 2012 Batch	Harkeerat.kaur@iiitdmj.ac.in
4	2011026	अपूर्व श्रीवास्तव	B.Tech CSE 2011 Batch	2011026@iiitdmj.ac.in
5	2011171	विक्रम कुमार जायसवाल	B.Tech CSE 2011 Batch	2011171@iiitdmj.ac.in
6	2011203	निखिल उपाध्याय	B.Tech ECE 2011 Batch	2011203@iiitdmj.ac.in
7	2011093	नितेश गौर	B.Tech ECE 2011 Batch	2011093@iiitdmj.ac.in
8	2011161	तुलिका वर्मा	B.Tech ECE 2011 Batch	2011161@iiitdmj.ac.in
9	2011207	प्रतीक जैन	B.Tech ECE 2011 Batch	2011207@iiitdmj.ac.in
10	2011129	रोबिन सिंह कटारिया	B.Tech ME 2011 Batch	2011129@iiitdmj.ac.in
11	2012026	अनीश अग्रवाल	B.Tech CSE 2012 Batch	2012026@iiitdmj.ac.in
12	2012037	अनुराग प्रकाश	B.Tech CSE 2012 Batch	2012037@iiitdmj.ac.in
13	2012046	अरुण प्रताप सिंह	B.Tech ECE 2012 Batch	2012046@iiitdmj.ac.in
14	2012070	दीपक कुमार	B.Tech ECE 2012 Batch	2012070@iiitdmj.ac.in
15	2012221	शुभम् चौहान	B.Tech ECE 2012 Batch	2012221@iiitdmj.ac.in
16	2012008	अभिनव शेखर वशिष्ठ	B.Tech ME 2012 Batch	2012008@iiitdmj.ac.in
17	2012045	अरुण कुमार सिंह	B.Tech ME 2012 Batch	2012045@iiitdmj.ac.in
18	2012271	जीतेश शर्मा	B.Tech ME 2012 Batch	2012271@iiitdmj.ac.in
19	2013036	यशवंत साई चरण	B.Tech ECE 2013 Batch	2013036@iiitdmj.ac.in
20	2013083	गुंजन कुमार	B.Tech ECE 2013 Batch	2013083@iiitdmj.ac.in
21	2013165	राशि करनपुरिया	B.Tech ECE 2013 Batch	2013165@iiitdmj.ac.in
22	2013243	विनय प्रताप सिंह तोमर	B.Tech ME 2013 Batch	2013243@iiitdmj.ac.in
23	2013248	विशाल भोजक	B.Tech ME 2013 Batch	2013248@iiitdmj.ac.in
24	2013004	आयुष प्रकाश	B. Tech CSE 2013 Batch	2013004@iiitdmj.ac.in
25	2013005	अभिषेक अर्चाटा	B.Tech ME 2013 Batch	2013005@iiitdmj.ac.in
26	2013144	अनु भारत पब्बा	B. Tech CSE 2013 Batch	2013144@iiitdmj.ac.in
27	2013098	करन गुप्ता	B. Tech CSE 2013 Batch	2013098@iiitdmj.ac.in
28	2011025	अनुषा मंगल	B. Tech ME 2011 Batch	2011025@iiitdmj.ac.in
29	2011097	पंकज कुमार चौधरी	B. Tech CSE 2011 Batch	2011097@iiitdmj.ac.in
30	2014143	रोहित कुमार सुमन	B.Tech CSE 2014 Batch	2014143@iiitdmj.ac.in
31	2014023	अंकित साहू	B.Tech CSE 2014 Batch	2014023@iiitdmj.ac.in
32	2014063	ग्रांथी सुपराजा	B.Tech CSE 2014 Batch	2014063@iiitdmj.ac.in
33	2014205	यशस्वनी राउरी	B.Tech ECE 2014 Batch	2014205@iiitdmj.ac.in
34	2014171	शुभम् अग्रवाल	B.Tech ECE 2014 Batch	2014171@iiitdmj.ac.in
35	2014258	याक्षवेन्द्र पुन्दिर	B.Tech ECE 2014 Batch	2014258@iiitdmj.ac.in
36	2014083	जुगल किशोर	B.Tech ME 2014 Batch	2014083@iiitdmj.ac.in
37	2014183	शुभदीप्ता साहू	B.Tech ME 2014 Batch	2014183@iiitdmj.ac.in
38	2014213	अपरिमिता सिंह	B.Tech ME 2014 Batch	2014213@iiitdmj.ac.in

छात्र जिमखाना द्वारा वर्ष में तीन वार्षिक कार्यक्रम आयोजित किये :-

1. "तरंग" सांस्कृतिक उत्सव
2. "अभिकल्पन" तकनीकी उत्सव
3. "गस्टो" खेल उत्सव



## स्कॉलरशिप – फ्रीशिप एवं अन्य वित्तीय सहायता

### 1. संस्थान द्वारा प्रदान की जाने वाली वित्तीय सहायता

(अ) स्नातक विद्यार्थियों हेतु मेरिट-कम-मीन्स (एम.सी.एम.) छात्रवृत्ति योजना

प्रतिभावान छात्रों को वित्तीय सहायता प्रदान करने के उद्देश्य से आर्थिक रूप से पिछड़े छात्रों को मानव संसाधन विकास मंत्रालय के निर्देशानुसार संस्थान द्वारा स्थापित कोष से जरूरतमंद छात्रों की मदद की जाती है।

अर्हता – यह एम.सी.एम. छात्रवृत्ति बी.टेक पाठ्यक्रम के विद्यार्थियों को प्रदान की जाती है किसी भी दशा में किसी भी बैच में छात्रवृत्ति प्राप्त करने वाले छात्रों की संख्या बैच के 25 प्रतिशत से अधिक नहीं होगी। 20 प्रतिशत एम.सी.एम. छात्रवृत्ति अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजाति वर्ग के छात्रों हेतु आरक्षित रहेगी। यदि किसी दशा में एम.सी.एम. छात्रवृत्ति किसी बैच द्वारा पूर्णतः उपयोग नहीं की जाती है तो ऐसी छात्रवृत्ति को अन्य बैच को हस्तांतरित किया जा सकता है। यदि किसी दशा में आरक्षित वर्ग को दी जाने वाली छात्रवृत्ति शेष रह जाती है तो उसे सामान्य वर्ग के छात्रों को हस्तांतरित किया जा सकता है।

छात्रवृत्ति की राशि – प्रदाय की जाने वाली छात्रवृत्ति की राशि मानव संसाधन विकास मंत्रालय द्वारा निर्धारित एवं संस्थान के प्रशासक मंडल द्वारा स्वीकृत की जाती है।

वर्तमान समय में सभी वर्गों के छात्रों हेतु रु. 1000/- प्रतिमाह एवं शिक्षण शुल्क से मुक्ति (फ्रीशिप) का प्रावधान है

वितरित की गई छात्रवृत्ति का ब्यौरा इस प्रकार है।

बैच	छात्रवृत्ति प्राप्त छात्रों की कुल संख्या	सेमेस्टर I एवं II (2014-15) के दौरान वितरित राशि
2010	02 (OB)	Rs. 60,000/-
2011	68 (OP:33 +SC: 05 +ST: 0 +OB:30 )	Rs. 51,12,000/-
2012	66 (OP:35 +SC:04 +ST:03 +OB:24)	Rs. 37,44,000/-
2013	55 (OP: 24 +SC:02 +ST:0 +OB: 29)	Rs. 33,10,000/-



## (ब) परास्नातक एवं शोधार्थियों को वित्तीय सहायता (असिस्टेंटशिप)

मानव संसाधन विकास मंत्रालय द्वारा जारी दिशा निर्देशों के अधीन, संस्थान द्वारा परास्नातक एवं शोधार्थियों का असिस्टेंटशिप कि रूप में वित्तीय सहायकता प्रदान की जाती है।

इस वर्ष के दौरान वितरित की गई असिस्टेंटशिप का ब्यौरा इस प्रकार है।

पाठ्यक्रम	मासिक असिस्टेंटशिप की राशि	अवधि
परास्नातक स्तर पर	रु. 8,000/-	02 वर्षों हेतु
शोध स्तर पर	रु. 18,000/-	प्रथम 02 वर्षों हेतु
	रु. 20,000/-	शेष 02 वर्षों हेतु

## 2. विभिन्न मंत्रालयों की योजनाएँ –

### (अ) सेंट्रल सेक्टर स्कालरशिप फॉर एस.सी. एंड एस.टी. स्टूडेंट

सामाजिक न्याय और अधिकारिता मंत्रालय एवं जनजातीय कार्य मंत्रालय द्वारा क्रमशः अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजाति के छात्रों को छात्रवृत्तियाँ प्रदान की जाती है। सेंट्रल सीट एलोकेशन बोर्ड द्वारा ऑल इंडिया रैंकिंग के आधार पर शीर्ष 10 अ.जा. एवं अ.ज.जा. के छात्रों को यह छात्रवृत्ति प्रदान की जाती है।

प्रदान की गई छात्रवृत्ति का विवरण इस प्रकार है:

बैच	छात्रवृत्ति प्राप्त छात्रों की कुल संख्या	सेमेस्टर I एवं II (2014-15) के दौरान वितरित राशि
अनुसूचित जनजाति		
2009	03	रु. 92,460/-
2011	05	रु. 1,54,500/-
2012	04	रु. 1,02,805/-
2013	02	रु. 1,50,710/-
अनुसूचित जाति		
2012	10	रु. 2,59,410/-
2011	06	रु. 1,66,798/-

वर्ष 2014-15 के दौरान दर्शाये गए बैचों हेतु ही छात्रवृत्ति प्राप्त हो सकी थी। शेष बैचों हेतु छात्रवृत्ति प्राप्त करने के संस्थान द्वारा भरसक प्रयत्न किये जा रहे हैं, संबंधित मंत्रालयों को कई बार, स्मरण पत्र भेजकर, व्यक्तिगत रूप से सतत संपर्क जारी है ताकि शेष राशि जारी हो सके।

### (ब) विकलांग छात्रों हेतु छात्रवृत्ति योजना

सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्रालय के विकलांगजन सशक्तिकरण विभाग द्वारा विकलांग छात्रों को वित्तीय सहायता/छात्रवृत्ति प्रदान की जाती है।



## वित्तीय सहायता राशि

- शिक्षण शुल्क (ट्यूशन फीस) की वापसी रू. 2 लाख तक प्रतिवर्ष खर्च का भुगतान (वास्तविक व्यय के अनुसार)
- रखरखाव भत्ता (मेंटेनेंस अलाऊंस) – हास्टलर हेतु रू. 3 हजार मासिक आधार पर एवं डे स्कॉलर हेतु रू. 1500/- मासिक
- विशेष भत्ता – विकलांगता के प्रकार के अनुसार जैसे शीडर भत्ता, एस्कॉर्ट भत्ता, हेल्पर भत्ता रू. 5 हजार वार्षिक आधार पर
- खरीदे गए कम्प्यूटर व सभी आवश्यक एसेसरीज सहित अधिकतम 30 हजार रुपये तक के व्ययों की पूर्ति। (संपूर्ण पाठ्यक्रम में एक बार)
- अर्ह विकलांग छात्र को अन्य आवश्यक सामग्री (जो किसी विशेष अपंगता में उपयोग की जाती हो) उपकरण आदि की खरीद पर हुए व्ययों की पूर्ति। अधिकतम 30 हजार रुपये तक के व्ययों की पूर्ति। (संपूर्ण पाठ्यक्रम में एक बार)

उक्त योजना के अंतर्गत दी गई छात्रवृत्ति का विवरण:

बैच	छात्रवृत्ति प्राप्त छात्रों की कुल संख्या	सेमेस्टर I एवं II (2014-15) के दौरान वितरित राशि
2011	01	74,900/-

(स) राज्य सरकारों की योजनाएँ –

संस्थान छात्रों को राज्यों से प्राप्त होने वाली छात्रवृत्तियाँ प्राप्त करने में ऑनलाइन पोर्टल द्वारा सहयोग प्रदान करता है।

राज्य	छात्रवृत्ति प्राप्त छात्रों की कुल संख्या	सेमेस्टर I एवं II (2014-15) के दौरान वितरित राशि
मध्य प्रदेश	05	1,36,400/-
बिहार	02	1,25,200/-



## विद्यार्थी उत्सव एवं कार्यक्रम

### तरंग 2014

'तरंग – जीवन की तरंगों' संस्थान का वार्षिक सांस्कृतिक कार्यक्रम है। यह मध्यभारत का अपनी तरह का विशालतम सांस्कृतिक जलसा है। वर्ष 2014 में "तरंग – 2014" का 09-12 अक्टूबर 2014 के दौरान आयोजित किया गया। तरंग सांस्कृतिक उपाशकों का एक गतिशील संपरिधान है जो परम्परागत एवं आधुनिक भारत के संगम की एक अनूठी झलक देता है। यह गुंजायमान, भावपूर्ण, उत्साहपूर्ण एवं उत्तेजनापूर्ण होने के साथ ही एक निर्मल एवं शांत उत्सव भी है। यह भारतवर्ष के सर्वश्रेष्ठ महाविद्यालयों की बेहतरीन प्रतिभा को सांस्कृतिक महाकुंभ में अपनी जौहर दिखाने का अवसर प्रदान करता है। तरंग की महत्ता का मूल्यांकन इस बात से किया जा सकता है कि इसमें भारतवर्ष के विभिन्न महाविद्यालयों के छात्र भाग लेते हैं। लगभग 5000 से अधिक उत्साहियों का आगमन इस उत्सव की लोकप्रियता एवं सफलता की गाथा स्वयं ही कहते हैं। इतना ही नहीं एन.आई.एफ.टी., एन.आई.डी., एन.आई.टी. जैसे राष्ट्रीय स्तर के संस्थानों एवं दिल्ली, भोपाल, रायपुर, कटनी, कोलकाता तथा नागपुर एवं संपूर्ण भारतवर्ष से आये बैंड समारोह की सफलता के सोपान हैं।

समारोह विभिन्न प्रसिद्ध कार्यक्रमों का साक्षी बना जिसमें – कामेडी नाइट, रॉक बैंड – आवेग इत्यादि कार्यक्रमों की प्रस्तुतियां हुईं



सनबर्न ग्रुप द्वारा प्रस्तुति



रॉक बैंड – 'आवेग' के अंतर्गत प्रस्तुति

### गस्तो

संस्थान का वार्षिक क्रीड़ा उत्सव गस्तो 24 जनवरी से 26 जनवरी 2015 के दौरान संस्थान परिसर में आयोजित किया गया। यह एक राष्ट्रीय स्तर का अंतर्महाविद्यालयी खेलकूद समागम है। वर्ष 2006 में प्रथम बार आयोजित यह कार्यक्रम वर्ष 2015 में नौवीं बार आयोजित किया गया। देश की विभिन्न संस्थायें जैसे भारतीय प्रबंध संस्थान इंदौर, राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान भोपाल, एस.पी.ए. भोपाल एवं बहुत से अन्य निजी महाविद्यालयों ने विभिन्न स्वस्थ प्रतिपर्धाओं में सहभागिता की और अपनी प्रतिभा (सि) की। समारोह विभिन्न खेलकूद प्रतियोगिताओं का साक्षी बना जिसमें शामिल हैं— क्रिकेट, वॉलीबाल, बैडमिंटन, ऐथलेटिक्स, बास्केट बॉल, लॉन टेनिस, टेबल टेनिस, शतरंज, कैरम, स्पोर्ट्स-क्विज। इसके अतिरिक्त अन्य अनौपचारिक कार्यक्रम भी आयोजित किये गये।



पंडित द्वारका प्रसाद मिश्र  
भारतीय सूचना प्रौद्योगिकी,  
अभिकल्पन एवं विनिर्माण संस्थान, जबलपुर



गस्टो-2015 के दौरान अंतर्महाविद्यालयीन फुटबाल प्रतियोगिता का आयोजन

#### अभिकल्पन

संस्थान के वार्षिक तकनीकी उत्सव अभिकल्पन 2015 को आयोजन 20-22 मार्च 2015 के दौरान किया गया। उन्नत तकनीकी उच्चता एवं संगठनात्मक दक्षता को बढ़ाने के उद्देश्य से सर्वप्रथम वर्ष 2006 में अभिकल्पन की शुरुआत हुई थी। व्यक्ति की उन्नत आंतरिक तकनीकी प्रतिभा को उभारने का यह उत्तम अवसर प्रदान करता है। अनौपचारिक कार्यक्रमों के अलावा यह उत्सव सी.एस.ई., ई.सी.ई., एम.ई., डिजाइन, रोबोटिक्स, गेमिंग, मैनेजमेंट के क्षेत्र में विस्तृत तकनीकी स्पर्धाओं में गलाकाट प्रतिस्पर्धा का वादा करता है।



अभिकल्पन 2015 का शुभारंभ



## आईआईआईटीडीएमजे-जापान सहभागिता

आईआईआईटीडीएम जबलपुर – जापान सहभागिता, भारत एवं जापान के बीच परिकल्पित विस्तृत भागीदारी का ही एक पहलू है। समझौते के तहत दोनों पक्षों ने यह सुनिश्चित किया कि निम्न बिन्दुओं के द्वारा पी.डी.पी.एम., आई.आई.आई.टी.डी.एम. जबलपुर को पोषित एवं मजबूत किया जाए :-

- जिन क्षेत्रों में जापान ने योग्य कौशल एवं विशेषज्ञता हासिल की है उन क्षेत्रों के विकास हेतु शैक्षणिक सहायता प्रदान की जाए।
- जापानी विश्वविद्यालयों, संस्थानों एवं औद्योगिक घरानों का एक कॉन्सोर्टियम बनाया जाए जिससे कि संस्थान को शिक्षा एवं अनुसंधान में शैक्षणिक सहायता दी जाए।
- जापान के उपरोक्त कॉन्सोर्टियम एवं अन्य संगठनों, आई.आई.आई.टी.डी.एम., जबलपुर एवं जापान के विद्वानों के मध्य विनिमय स्थापित करना एवं कौशल विकास हेतु आई.आई.आई.टी.डी.एम., जबलपुर के छात्रों द्वारा इंटर्नशिप हेतु यात्रा करना।
- आई.आई.आई.टी.डी.एम., जबलपुर के विकास हेतु सरकारी एवं निजी क्षेत्र से वित्तीय सहायता प्राप्त करना।
- कॉन्सोर्टियम के भागीदारों द्वारा संयुक्त रूप से भारत एवं जापान में अनुसंधान विषयों पर सम्मेलन, सिम्पोजिया एवं कार्यशालाएं आयोजित करना।
- आई.आई.आई.टी.डी.एम., जबलपुर के साथ सहयोग के अन्य मोर्चों की तलाश करना एवं उन्हें विस्तीर्ण करना।

इस सहभागिता के सुचारु अनुपालन के लिए जापान सरकार ने छः विश्वविद्यालयों का एक सहायता संघ निर्मित किया है जिसमें शामिल हैं :

### विश्वविद्यालय

1. टोकियो विश्वविद्यालय
2. टोकियो तकनीकी संस्थान
3. तोहोकु विश्वविद्यालय
4. क्यूशु विश्वविद्यालय
5. शिबौरा तकनीकी संस्थान
6. कानागावा तकनीकी संस्थान

### उद्योग समूह

1. हिताची
2. तोशीबा
3. अमादा
4. ओकुमा
5. सुमितोमो मेटल्स
6. जी.ई. एनर्जी





### दीर्घकालीन इंटरनेशिप प्रस्ताव

जापानी कंपनियों कैनन एवं मित्सुबिसी भारी उद्योग कंपनी द्वारा इंटरनेशिप प्रस्ताव दिये गये हैं अधिकांश प्रस्ताव स्नातक छात्रों हेतु हैं जिनकी समयावधि लगभग छः माह की है। इस कार्यक्रम के अंतर्गत वर्ष 2014-15 में निम्नलिखित छात्रों ने जापान के उद्योगों का दौरा किया।

- श्री पुलकित झा, मित्सुबिसी भारी उद्योग कंपनी जापान
- श्री राजर्षि गुप्ता, कैनन जापान
- श्री हरेन्द्र सिंह, कैनन जापान
- श्री गोविन्द पाराश्रंपुरिया, मित्सुबिसी भारी उद्योग कंपनी जापान

### सेमिनार/कॉन्फ्रेंस/वर्कशॉप का संयुक्त आयोजन

डिजाइन वर्कशॉप ने एक नियमित रूप ले लिया है। प्रत्येक वर्ष संस्थान इस वर्कशॉप को आयोजित कर रहा है। इस वर्ष भी संस्थान में 8-10 दिसंबर 2014 के दौरान डिजाइन वर्कशॉप का आयोजन किया गया। संकाय सदस्यों, विद्यार्थियों, विश्व के समस्त भागों के उद्योग विशेषज्ञों के मध्य डिजाइन विचारों के आदान प्रदान को सुगम बनाना इस प्रकार की वर्कशॉप का प्रमुख उद्देश्य होता है।



### जापानी विशेषज्ञों की आई.आई.आई.टी.डी.एम., जबलपुर यात्रा-अध्यापन में सहयोग :-

आई.आई.आई.टी.डी.एम., जबलपुर को अध्यापन में सहयोग हर वर्ष आई.आई.आई.टी.डी.एम., जबलपुर में अध्यापन हेतु तकरीबन 8-15 जापानी विशेषज्ञ इस वर्ष भी जापानी विद्या एवं औद्योगिक जगत की महान हस्तियों ने आई.आई.आई.टी.डी.एम., जबलपुर की यात्रा की। निम्न विशेषज्ञों ने संस्थान का वर्ष 2014-15 में दौरा किया।

क्र. सं.	नाम	पाठ्यक्रम	सम्बद्धता	समयावधि
1	प्रो. अखिनोरी ईटो	स्पीच एंड म्यूजिक सिग्नल प्रोसेसिंग	तोहोकु यूनिवर्सिटी ऑफ जापान	18-23 जनवरी 2015
2	प्रो. हिंसा आंदो	एडवांस्ड कम्प्यूटर आक्रिटक्चर	फिजित्सू जापान	01-13 फरवरी 2015
3	प्रो. ईसाआ ईयोडा	पावर इलेक्ट्रॉनिक्स एप्लीकेशन पावर सिस्टम	ओसाका इलेक्ट्रोकम्यूनिकेशन यूनिवर्सिटी जापान	09-12 मार्च 2015
4	प्रो. मसाओ ओगुची	नेटवर्क कम्प्यूटिंग	ओकहानोमिजू यूनिवर्सिटी ऑफ जापान	29 मार्च से 03 अप्रैल 2015
5	प्रो. हिरोशी तोशीयोशी	एम.ई.एम.एस. डिजाइन एप्लीकेशन	तोशीयोशी यूनिवर्सिटी ऑफ टोक्यो जापान	15-21 मार्च 2015
6	प्रो. हिरोशी अरिसावा	डाटा इंजीनियरिंग	योकोहामा राष्ट्रीय विश्वविद्यालय	15-21 फरवरी 2015
7	प्रो. शुन क्वाबे मेसेई	एडवांस्ड एडेड कम्प्यूटर आक्रिटक्चर	यूनिवर्सिटी जापान	08-21 मार्च 2015
8	प्रो. तकाशी नानया	डिपेंडेबल कम्प्यूटिंग	केनन जापान	22-28 मार्च 201



## संगोष्ठी/कार्यशाला/परिचर्चा/प्रशिक्षण कार्यक्रम /सम्मेलन का आयोजन

**ड्यू 2014 :-** डिजाईन कार्यशाला ड्यू 2014 का आयोजन 8-10 दिसंबर 2014 को हुआ। इस कार्यशाला का उद्देश्य ऐसे शोधकर्ताओं और व्यवसायियों को साथ लाना था जिन्होंने प्रकृति आधारित डिजाईन में कार्य किया हो या शोध किया हो ताकि विभिन्न पहलुओं, विषयों, और क्षेत्रों जिससे यह जानकारी प्राप्त हो कि प्रकृति से प्रेरित रणनितियों से किस प्रकार मौलिक टिकाऊ उत्पाद तैयार किये जा सकते हैं। कार्यशाला ने प्रकृति से प्रेरित डिजाईन शोध समूह के गठन में भी मदद की।



प्रो. मसारु इशिहामा  
कानागवाँ तकनीकी संस्थान, रक्षा मंत्रालय, जापान के सलाहकार,  
ऑटोमोबाईल मानव मशीन इंटरफेस डिजाईन में मानव घटक पर बोलते हुए।



### “इंजीनियरिंग संगठनाओं में मेटलैब के उपयोग” पर कार्यशाला :-

दिसंबर 01-05, 2014 एवं फरवरी 6-8, 2015 में आयोजित यह एक व्यावहारिक अनुभव आधारित प्रोग्रामिंग कौशल विकास कार्यक्रम था, जिसमें संपूर्ण अभ्यास एप्लीकेशन विशिष्ट प्रोग्रामिंग पर था। इसकी विषयवस्तु मेटलैब पर कार्य करने वाले लए लोगों के साथ ही साथ विभिन्न आयामों में कार्यरत व्यवसायियों के लिए भी लाभप्रद थी। शिक्षण का तरीका ऐसा था कि सभी को साथ लेकर चल सके, जिसमें ऐसे लोग भी थे जिन्होंने कभी प्रोग्रामिंग नहीं की थी। बेहद प्रेरित शोधार्थी/संकाय सदस्यों द्वारा मेटलैब में उन्नत एप्लीकेशन प्रकरणों का अध्ययन करवाया। कार्यशाला की विषय वस्तु मेटलैब का बुनियादी परिचय, विभिन्न कमाण्ड का उपयोग, लॉजिकल ऑपरेटर फंक्शन, ऐरे, लूप्स आदि समस्त आदर्श प्रोग्राम व अभ्यास के साथ मेटलैब का उपयोग कर प्रिंटिंग, प्लॉटिंग, विजुलाइजेशन, विभिन्न प्रारूपों में डाटा इनपुट/आउटपुट एक्जीक्यूटेबल फाईल जनरेट करना और स्टेण्ड ऑनलाईन एप्लीकेशन, ग्राफिकल युजर इंटरफेस बनाना, आदि।



चौथी व पाँचवी कार्यशाला में प्रो. अपराजिता ओझा, डॉ. प्रीति खन्ना, डॉ. प्रवीन कुमार पाधी, डॉ. पी.के.जैन, डॉ. पवन कुमार कांकर, और डॉ. सचिन कुमार जैन वक्ता थे।

### क्रिप्टोलॉजी पर कार्यशाला 25-27 सितम्बर, 2014 :-

महत्वपूर्ण तथ्यों/जानकारी की सुरक्षा पुराने समय से ही मुख्य चिंता का विषय रही है। वर्णक्रम में साधारण से परिवर्तन या प्रतिस्थापन उन्हें अपठनीय बनाने का एक तरीका है। सूचना एवं प्रसारण तकनीक में हुए तेज विकास व ई.कॉमर्स में इसके उपयोग के कारण प्रतिदिन विश्व के एक हिस्से से दूसरे हिस्से में बहुत सी जानकारी व तथ्यों का प्रसारण होता है। इसी बात को ध्यान में रखते हुए क्रीप्टोलॉजी पर राष्ट्रीय कार्यशाला का आयोजन 25-27 सितम्बर, 2014 को किया गया। ऐसी सभी एप्लीकेशन में सुरक्षा की आवश्यकता होती है जहाँ निजी या सार्वजनिक नेटवर्क से सूचना का प्रसारण होता है। सूचना को सुरक्षित बनाए रखने हेतु विभिन्न स्तरों पर लगातार प्रयास किया जा रहा है। इस कार्यशाला का उद्देश्य ऐसे सभी शोधार्थी एवं प्रशिक्षणार्थियों को साथ लाकर एक समुदाय बनाना था। कार्यशाला में क्रिप्टोलॉजी और सूचना की सुरक्षा के सभी पहलुओं पर, अद्यतन प्रवृत्तियों और विकास पर प्रमुख शोधार्थियों से वक्तव्य आमंत्रित किये गये थे।



### बार्क प्रौद्योगिकियों पर प्रदर्शनी 20 सितम्बर 2014 :-

भाभा परमाणविक अनुसंधान केन्द्र मुंबई द्वारा आणविक ऊर्जा विभाग की हीरक जयंती (डायमंड जुबली) पर संस्थान में आऊटरीच कार्यक्रम 20 सितम्बर 2014 को आयोजित किया। कार्यक्रम में “राष्ट्र के सतत् विकास के लिए आणविक ऊर्जा” विषय पर संगोष्ठी का



आयोजन भी किया गया। यह कार्यक्रम देश के शिक्षण संस्थानों, शोध संस्थानों एवं उद्योगों तक लोगों की पहुँच के लिए बार्क की पहल जनजागरण अभियान का हिस्सा था। कार्यक्रम के संयोजक, श्री आर.के.सिंह, मीडिया एवं जनजागरण, प्रमुख बार्क तथा प्रो. तनुजा शेवडे, प.द्वा.प्र.मि. भारतीय सूचना प्रौद्योगिकी अभिकल्पन एवं विनिर्माण संस्थान जबलपुर थीं।

बार्क ने अपने उत्पादों की एक प्रदर्शनी भी आयोजित की। प्रदर्शनी में पोस्टर गैलरी, इन्टैक्टिव मॉडल, जानकारी कियोस्क व ए.वी. मस्तुतियाँ भी थी। इसमें जबलपुर के शिक्षण संस्थाओं द्वारा अच्छी संख्या में उपस्थिति दर्ज कराई गई। छात्रों को संस्थान परिसर भी दिखाया गया। शहर के अनेक शिक्षण संस्थानों ने संगोष्ठी व प्रदर्शनी में हिस्सा लिया। कैरियर के अवसर विषय पर इंजीनियर डॉ. नंद किशोर के उद्बोधन में विद्यालयों एवं महाविद्यालयों के छात्रों की उपस्थिति रही।

इस दो दिवसीय कार्यक्रम का उद्घाटन श्री डी.के. शुक्ला, विख्यात वैज्ञानिक व बार्क के रिएक्टर ऑपरेशन्स विभाग के प्रमुख के उद्बोधन से प्रारंभ हुआ। उन्होंने बार्क में होने वाले समस्त प्रकार के शोध एवं विकास कार्यक्रम का संक्षिप्त परिचय दिया। उन्होंने कृषि एवं चिकित्सा क्षेत्र के उत्पादों पर विशेष जोर दिया। उद्घाटन समारोह की शुरुआत सरस्वती वंदना से हुई। इसके पश्चात प्रो. तनुजा शेवडे संयोजक ने सभी का स्वागत किया। श्री आर.के. सिंह मीडिया एवं जनजागरण प्रमुख ने भारत के विभिन्न शहरों में आयोजित होने वाले आऊटरीच कार्यक्रम पर प्रकाश डाला। संस्थान की निदेशक प्रो. अपराजिता ओझा ने युवाओं द्वारा सामना की जा रही चुनातियों एवं शोध के क्षेत्र में आने की आवश्यकता पर सविस्तार वर्णन किया।

श्री सिंह व श्री शुक्ला ने छात्रों के प्रश्नों के उत्तर दिये। दूसरे सत्र में इंजीनियर सुरेश शर्मा व इंजीनियर नंद किशोर ने एन.पी.सी.आई. एल. की गतिविधियों व डी.ए.ई. में कैरियर के अवसर विषय पर वक्तव्य दिये। प्रदर्शनी का उद्घाटन श्री शुक्ला ने किया। विद्यालयों के विद्यार्थियों को बार्क की विकास गतिविधियों पर एक लघु फिल्म दिखाई गई एवं इसके पश्चात उन्हें प्रदर्शनी में रखे मॉडल दिखाए गए। मॉडल में समुद्र के जल का न्युकलीयर विकिरणों से विलवणीकरण, देश में विकसित जल शुद्धि संयंत्र, भाभाट्रान, कोबाल्ट 60 पर आधारित कैंसर चिकित्सा उपकरण आदि के साथ 41 प्रकार के बीजों की उन्नत रूप तथा उत्पादों का जीवन बढ़ाने की तकनीक का प्रदर्शन किया गया।

**‘फॉल्ट डायग्नोसिस ऑफ मशीन’ विषय पर कार्यशाला 01-02 नवंबर 2014 :-**

अधिकांश उद्योगों में कई प्रकार की मशीनों का उपयोग होता है जिनमें घूर्णन घटक जैसे रोलिंग इलीमेंट बियरिंग, कैमरा, गियर आदि है। मशीन का उचित संचालन इन घटकों की स्थिति पर निर्भर करता है। घूर्णन घटकों की आकस्मिक आपत्तिजनक विफलताओं





के कारण जन-धन की हानि, मशीन की हानि व जुड़े हुए सिस्टम को नुकसान हो सकता है। मशीनों के सुचारु संचालन के लिए गलती जांचने की उन्नत तकनीक होना आवश्यक है। कार्यशाला का उद्देश्य ऐसे समस्त शोधार्थियों व प्रशिक्षणार्थियों को एक छत के नीचे लाना था जिससे कि वे अपनी जानकारी साझा कर सकें एवं जानकारी का ऐसा प्लेटफार्म तैयार हो सके जिसमें घूर्णन घटकों में गलतियों को ढूँढने एवं सुधारने के उपाय विशेषकर गियर व बियरिंग में मिल सकें।

ध्वनि एवं कंपन का परिचय, स्रोत एवं प्रभाव, कंपन उपकरण एवं मापन, ट्राइबोलॉजी एवं स्नेहन, वियर भग्नावशेष विश्लेषण, कंपन संकेत विश्लेषण तकनीक जैसे कि आवृत्ति स्पेक्ट्रम, तरंगिकी, अनुभवजन्य अपघटन का तरीका, गियर व बियरिंग में त्रुटि वर्गीकरण तकनीक, मशीनरी में ध्वनि की निगरानी व विश्लेषण के साथ जुड़े मामलों का अध्ययन आदि विषयों को कार्यशाला में अन्तर्निहित किया गया था।

### जटिल नेटवर्क पर ग्रीष्मकालीन कार्यशाला 19- 23 मई 2014 :-

पिछले कुछ वर्षों से जटिल नेटवर्क एक मुख्य शोध क्षेत्र रहा है जिसने, गणित, भौतिकी, जीव विज्ञान, अभियांत्रिकी और दूसरे विषयों के प्रमुख शोधार्थियों का ध्यान अपनी ओर खींचा है। इस कार्यशाला का उद्देश्य नेटवर्क शोध के क्षेत्र में रुचि रखने वाले विभिन्न विषयों के शोधार्थियों को जोड़ना था। व्याख्यान का स्तर परिचय से लेकर अत्याधुनिक स्तर तक था क्योंकि हर व्यक्ति से हर क्षेत्र की जानकारी की अपेक्षा भी नहीं की जाती है। जटिल नेटवर्क के क्षेत्र की नींव रखना व उन्नत आदर्श बनाने का संक्षिप्त परिचय भी कार्यशाला में दिया गया। इस कार्यशाला में महान शोधार्थियों द्वारा व्याख्यान दिये गये।

यह कार्यशाला नेटवर्क के क्षेत्र में नए उभरते शोध क्षेत्र में रुचि रखने वाले, एम.टेक, पी.एच.डी. छात्र, शोधार्थी, संकाय सदस्यों के लिए लाभप्रद थी। कार्यशाला में विभिन्न विषयों के शोधार्थियों व छात्रों को विषय-वस्तु पर गहन जानकारी दी गई। यह कार्यशाला भारतीय कम्प्यूटर सोसायटी द्वारा आयोजित की गई थी, इसके संयोजक डॉ. अनुराग सिंह थे।

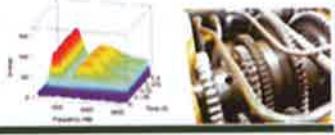
### सुशासन दिवस पर संगोष्ठी :-

भारत के भूतपूर्व प्रधानमंत्री श्री अटल बिहारी वाजपेयी के जन्म दिवस 25 दिसंबर 2014 को सुशासन दिवस के रूप में मनाया गया। इस दिन 'सुशासन के विकास में तकनीकी एवं अविष्कारों का उपयोग' विषय पर संगोष्ठी का आयोजन किया गया था। यह संगोष्ठी छात्रों के साथ ही कर्मचारियों के लिए भी आयोजित की गयी थी। छात्रों व अधिकारियों को नकद पुरस्कार प्रदान किये गये।

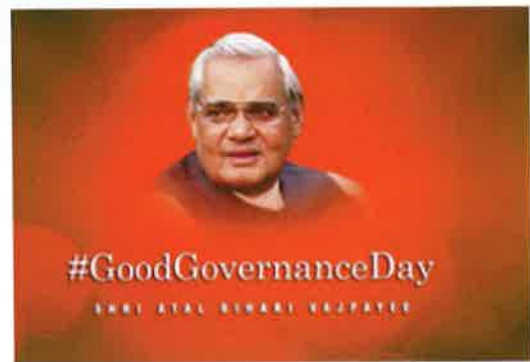
### Workshop On Fault Diagnosis of Machines

01- 02 November, 2014

FDM'14



In Association with Division IV





## हिन्दी पखवाड़ा 2014

प्रत्येक वर्ष की भांति इस वर्ष भी संस्थान में हिन्दी पखवाड़ा 2014 मनाया गया जो कि 14 सितम्बर को प्रारंभ हुआ तथा 29 सितंबर को समाप्त हुआ। राष्ट्र प्रत्येक वर्ष 14 सितंबर को हिंदी दिवस के रूप में मनाता है, क्योंकि इसी दिन संविधान सभा द्वारा वर्ष 1949 में हिंदी को राजभाषा के रूप में अपनाया गया था।

पखवाड़े के दौरान कर्मचारियों एवं विद्यार्थियों के मध्य विभिन्न प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। लोगों ने उत्साह पूर्वक इन प्रतियोगिताओं में हिस्सा लिया। समापन समारोह 29 सितंबर 2014 को मनाया गया जिसमें संस्थान निदेशक, अधिष्ठाता छात्र एवं अधिष्ठाता अकादमिक, कुलसचिव तथा संस्थान के अन्य सदस्य उपस्थित थे। विभिन्न प्रतियोगिताओं के विजेताओं को पुरस्कार प्रदान किये गये।





## अधोसंरचना विकास

### वर्तमान अधोसंरचना

जुलाई 2009 से संस्थान अपने प्रारंभिक अस्थायी परिसर 'जबलपुर' इंजीनियरिंग कालेज से स्थायी परिसर में स्थानांतरित हुआ। केन्द्रीय लोक निर्माण विभाग द्वारा नए भवनों के निर्माण किये जाने से संस्थान को अपनी सारी गतिविधियों कोर लैब कॉम्प्लेक्स से इन नए भवनों में हस्तांतरित करने में सुविधा हुई है। इस वर्ष केन्द्रीय लोक निर्माण विभाग द्वारा लेक्चर हॉल, ट्यूटोरियल कॉम्प्लेक्स, विजिटर्स हॉस्टल, नर्मदा रेजीडेंसी - II, मेस एवं डाइनिंग हॉल, बास्केटबाल कोर्ट, दो टाइप - V आवास, रिंग रोड आदि कार्य पूरे किये गये हैं। अन्य भवनों का निर्माण कार्य, सड़कें, सर्विस नेटवर्किंग, स्ट्रीट लाईट इलेक्ट्रीकल नेटवर्किंग आदि कार्य केन्द्रीय लोक निर्माण विभाग द्वारा तीव्र गति से पूरे किये जा रहे हैं। प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र, पुस्तकालय सह कम्प्यूटर केंद्र, प्रशासनिक ब्लॉक, रेवा रेसीडेंसी - 2A, बालिका छात्रावास (प्रथम चरण) अविवाहित परास्नातक विद्यार्थियों हेतु छात्रावास (द्वितीय चरण) आदि भवनों का निर्माण कार्य पूरा ही होने वाला है।



शैक्षणिक क्षेत्र

1. कोर लैब कॉम्प्लेक्स - कोर लैब कॉम्प्लेक्स संस्थान परिसर में प्रथम निर्मित भवन है। अन्य भवनों के निर्माण पूर्व संस्थान की सारी गतिविधियाँ इसी भवन में संचालित की जाती रही हैं। वर्कशॉप, फिजिक्स लैब आदि इसी कोर लैब कॉम्प्लेक्स में स्थित हैं। कुछ नई प्रयोगशालाएं जैसे की एल एस आई लैब, मटेरियल रिसर्च लैब एवं माइक्रोस्कोप लैब इसी भवन में निर्मित की गई हैं। वर्तमान समय में, निदेशालय, लाइब्रेरी, कम्प्यूटर सेंटर, प्रशासनिक कार्यालय आदि भी इसी भवन में संचालित किया जा रहा है। साथ ही कुछ संकाय सदस्यों के कक्ष भी अस्थायी रूप से बने हैं।

### 2. हॉल ऑफ रेजीडेंस - I (छात्रावास)

यह संस्थान का पहला छात्रावास (सिंगल सीटर) है। इसका निर्माण कार्य संस्थान स्तर पर करवाया गया था, इसकी क्षमता 408 छात्रों हेतु है। इस छात्रावास में पाठ्येत्तर गतिविधियों हेतु सभी सुविधायें हैं। जैसे रीडिंग कक्ष, टी.वी. कक्ष, जिमखाना, कैंटीन आदि।



### 3. हॉल ऑफ रेजीडेंस – III ( छात्रावास )

इस छात्रावास (ट्रिपल सीटर) की क्षमता 498 छात्रों हेतु है। इस भवन का निर्माण कार्य संस्थान स्तर पर करवाया गया था। सभी पाठ्येत्तर सुविधाओं जैसे टी.वी. कक्ष, रीडिंग कक्ष, डांस एव ज़ामा कक्ष आदि इस छात्रावास में उपलब्ध है। इसके अलावा इंडोर बैडमिंटन कोर्ट एवं एक कम्प्यूटर सेंटर भी इसी छात्रावास परिसर में उपलब्ध है।



छात्रावास क्षेत्र

### 4. हॉल ऑफ रेजीडेंस – IV ( छात्रावास )

इस भवन का निर्माण कार्य केन्द्रीय लोक निर्माण विभाग द्वारा करवाया गया था। इस छात्रावास द्विट्रिपल सीटर की क्षमता 498 छात्रों हेतु है। सभी आवश्यक सुविधायें जैसे कैंटिन, टी.वी. कक्ष, संगीत कक्ष, रीडिंग कक्ष, डांस कक्ष इस भवन में उपलब्ध हैं। यह छात्रावास मेस व डाइनिंग हॉल, खेल मैदान आदि से जुड़ा है।

### 5. लैक्चर हॉल ट्यूटोरियल कॉम्प्लेक्स

यह संस्थान का प्रमुख भवन है। कक्षाओं के संचालन आदि कार्य हेतु केन्द्रीय लोक निर्माण विभाग द्वारा इसे निर्मित किया गया है। कुछ शोध प्रयोगशालाएं संकाय सदस्यों के कक्ष, शैक्षणिक कार्यालय भी इसी भवन में स्थित हैं। यह भवन सड़क/फुटपाथ द्वारा अन्य भवनों से जुड़ा है।



लैक्चर हॉल ट्यूटोरियल कॉम्प्लेक्स एवं कोर लैब कॉम्प्लेक्स





## 6. मेस एवं डाइनिंग हॉल

तीनों छात्रावासों हेतु यह सेंट्रल मेस है। इसकी क्षमता 1000 छात्रों हेतु है। इस भवन का उद्घाटन 11 नवंबर 2014 को अधिशासी मंडल के अध्यक्ष प्रो. एस. वी. राघवन द्वारा किया गया था। पूर्व में सभी छात्रावासों में संचालित की जा रही भोजन व्यवस्थाओं को इस सेंट्रल मेस में स्थानांतरित कर दिया गया है।



मेस एवं डाइनिंग हाल के उद्घाटन अवसर की झलकियाँ

## 7. विजिटर्स हॉस्टल

इस भवन का उद्घाटन 11 नवंबर 2014 को अधिशासी मंडल के अध्यक्ष, प्रो. एस. वी. राघवन द्वारा किया गया था। इस भवन में 30 डबलबेड के कमरे, 05 सूट्स एव 01 वी आई पी सूट है। इसके अलावा इसमें फेसिलिटि ब्लॉक, रिसेप्शन, डाइनिंग हॉल, मीटिंग कक्ष, लाउंज भी उपलब्ध है।





पंडित द्वारका प्रसाद मिश्र  
भारतीय सूचना प्रौद्योगिकी,  
अभिकल्पन एवं विनिर्माण संस्थान, जबलपुर



विजिटर्स हॉस्टल के उद्घाटन अवसर की झलकियाँ

#### 8. सुरक्षा भवन

इस भवन का निर्माण कार्य के.लो.नि.वि. द्वारा किया गया। यह भवन संस्थान के अंतिम छोर पर (ग्राम मंहगवाँ की ओर) स्थित है। यह 20 बेडडेड डार्मेटरी सुरक्षा गार्डों के विभाग हेतु है। वर्तमान समय में इस भवन का प्रयोग कई शोध प्रयोगशालाओं हेतु प्रस्तावित है।

#### 9. दो टाईप – V आवास

यह भवन हॉस्टल क्षेत्र में स्थित है। इनका निर्माण हास्टल वार्डनों हेतु करवाया गया है। इसका निर्माण कार्य पूरा हो चुका है तथा इसका उद्घाटन 11 नवंबर 2014 को अधिशासी मंडल के अध्यक्ष प्रो एस वी राघवन द्वारा किया गया है। इन दोनों आवासों में पृथक पृथक रूप से 3 बेडरूम, गैरेज एवं कर्मचारी हेतु आवास की व्यवस्था है।



टाईप – V आवास के उद्घाटन अवसर की झलकियाँ



## 10. नर्मदा रेसीडेंसी – II

इस आवासीय भवन में 50 फ्लैट्स (2 बेडरूम क्षमता वाले) उपलब्ध हैं। इस भवन का उद्घाटन, संस्थान के अधिशासी मंडलाध्यक्ष डॉ. कोटा हरिनारायण द्वारा 10 मार्च 2015 को किया गया। यह आवासीय भवन, सीमेंट क्रांकीट रोड द्वारा हॉस्टल व शैक्षणिक क्षेत्र से जुड़ा है।



### नर्मदा रेसीडेंसी – II के उद्घाटन अवसर की झलकियाँ

11. खेल सुविधायें – सभी प्रकार की खेल सुविधाएं जैसे आउटडोर वॉलीबाल कोर्ट, टेनिस कोर्ट, बॉस्केट बॉल कोर्ट संस्थान परिसर में ही उपलब्ध है। संस्थान में खुले मैदान का उपयोग क्रिकेट, फुटबाल आदि खेलों हेतु किया जाता है। इसके साथ ही छात्रावास – III में इंडोर बैडमिंटन कोर्ट रिमूवेबल पार्टीशन द्वारा तैयार किया गया है। इंडोर बास्केटबॉल कोर्ट का कार्य जल्द ही पूरा होने जा रहा है।



बास्केटबॉल कोर्ट (इण्डोर)



बोरवेल एवं आर.सी.सी. ओवरहेड टैंक द्वारा सभी भवनों को 24 घंटे पानी की उपलब्धता बनी रहती है। विद्युत प्रवाह निर्बाध रूप से मध्य प्रदेश पूर्व क्षेत्र विद्युत वितरण कम्पनी द्वारा स्थापित फीडर द्वारा बना रहता है। सभी भवनों एवं सड़को हेतु पर्याप्त प्रकाश की व्यवस्था है।

### निर्माणाधीन भवन

सभी निर्माण कार्य के.लो.नि.वि. द्वारा तीव्रगति से सम्पन्न कराये जा रहे हैं। लगभग सभी भवनों एवं इमारतों का निर्माण कार्य अंतिम चरण में है। नीचे दिये गये निर्माण कार्य प्रगति पर हैं –

1. प्राथमिक चिकित्सा केंद्र – यह संस्थान का चिकित्सा भवन है, जो कि छात्रावास क्षेत्र, शैक्षणिक क्षेत्र एवं रिंग रोड के बीच में स्थित है। इस भवन में डॉक्टरों हेतु कक्ष, पुरुष एवं महिला वार्ड एवं कुछ प्राइवेट वार्ड हैं। इस भवन का निर्माण कार्य अंतिम चरणों में है।



प्राथमिक चिकित्सा केंद्र

2. नर्मदा रेसीडेंसी – III – इस आवासीय भवन में 60 फ्लैट्स (3 बेडरूम क्षमता वाले) वरिष्ठ संकाय सदस्यों हेतु उपलब्ध हैं। प्लंबिंग एवं विद्युत कार्य प्रगति पर है। यह आवासीय भवन सीमेंट क्रॉकीट रोड द्वारा शैक्षणिक क्षेत्र से जुड़ा है। इस भवन का हस्तांतरण के.लो.नि.वि. द्वारा संस्थान को शीघ्र होने की आशा है।



नर्मदा रेसीडेंसी – III



#### 4. पुस्तकालय सह कम्प्यूटर केंद्र

यह चार मंजिला भवन है जिसमें सेंट्रल लाइब्रेरी एवं कम्प्यूटर सेंटर हेतु आवश्यकतानुसार निर्माण कार्य कराया गया है। यह भवन संस्थान के मुख्य भवन एल.एच.टी.सी. के पास स्थित है। इस भवन का ढांचागत निर्माण कार्य पूरा हो चुका है। विद्युत एवं एयरकंडीशनिंग कार्य प्रगति पर है।



पुस्तकालय सह कम्प्यूटर केंद्र

#### 4. रेवा रेसीडेंसी 2A

यह एक आवासीय भवन है जिसमें संस्थान के कर्मचारियों हेतु दो बेडरूम वाले फ्लैटों का निर्माण किया गया है। इस भवन का ढांचागत कार्य पूरा हो चुका है। विद्युत एवं फिनिशिंग का कार्य प्रगति पर है। इस भवन का हस्तांतरण के.लो.नि.वि. द्वारा संस्थान को शीघ्र होने की आशा है।



रेवा रेसीडेंसी 2A

#### 5. प्रशासनिक भवन

यह भवन संस्थान के मुख्य प्रवेश द्वार के समीप स्थित है। इस भवन का विद्युत, एयरकंडीशनिंग एवं फिनिशिंग कार्य प्रगति पर है।



प्रशासनिक भवन



#### 6. परास्नातक छात्रावास (प्रथम चरण)

विवाहित परास्नातक छात्रों हेतु इस भवन में एक बेडरूम वाले फ्लैटों का प्रावधान है। इस भवन का निर्माण कार्य पूर्णता की स्थिति में है। इस भवन का विद्युत एवं प्लंबिंग कार्य प्रगति पर है।



परास्नातक छात्रावास (प्रथम चरण)

#### 7. परास्नातक छात्रावास (द्वितीय चरण)

इस छात्रावास भवन में परास्नातक विद्यार्थियों हेतु एक कमरे के आधार पर रहने की व्यवस्था है। इस भवन का ढाँचागत कार्य पूरा हो चुका है एवं फिनिशिंग तथा इलेक्ट्रीफिकेशन का कार्य प्रगति पर है।

#### 8. छात्राओं हेतु छात्रावास

इस छात्रावास की क्षमता 250 बालिकाओं हेतु है। निर्माण कार्य तेजी से चल रहा है। ढाँचागत कार्य लगभग पूरा होने वाला है एवं फिनिशिंग का कार्य शुरू हो चुका है।



छात्राओं हेतु छात्रावास

#### 9. खेल गतिविधि केंद्र

इस भवन में ही एंपीथियेटर, इंडोर बैडमिंटन कोर्ट, स्क्वैश कोर्ट एवं अन्य पाठ्येत्तर गतिविधियों हेतु पर्याप्त जगह उपलब्ध है। इस भवन का निर्माण कार्य सुचारु रूप से चल रहा है।

#### 10. रोड एवं सर्विस नेटवर्क

सभी मुख्य सड़कों का निर्माण कार्य प्रगति पर है। सभी प्रकार की सर्विस लाइनें जैसे सीवर लाइन्स, जलापूर्ति हेतु लाइन्स, रिसाईकल्ड वाटर लाइन्स आदि हेतु रोड के साथ ही प्रावधान किया गया है। साथ ही इलेक्ट्रिकल नेटवर्क एवं स्ट्रीट लाईटिंग का कार्य भी चल रहा है।



वर्ष 2014-15 के दौरान क्रय किए गए उपकरण





पंडित द्वारका प्रसाद मिश्र  
भारतीय सूचना प्रौद्योगिकी,  
अभिकल्पन एवं विनिर्माण संस्थान, जबलपुर

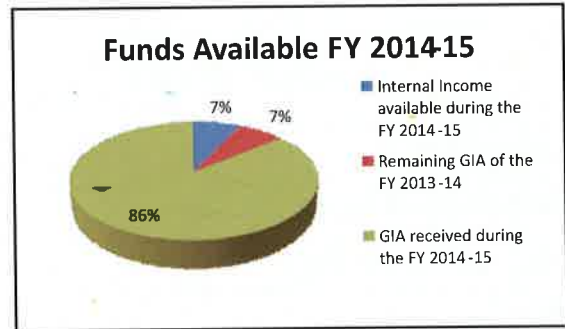
## वित्त वर्ष 2014-15 का वार्षिक लेखा



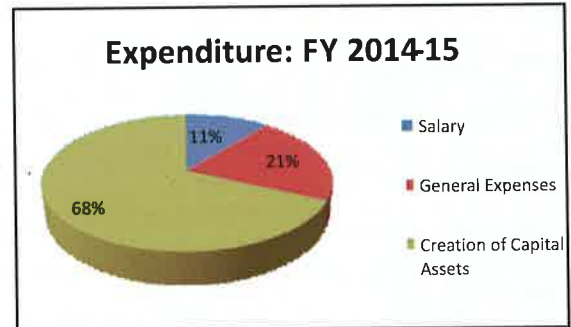


## वर्ष 2014-15 में उपलब्ध निधि एवं वहन किये गये खर्च का विवरण

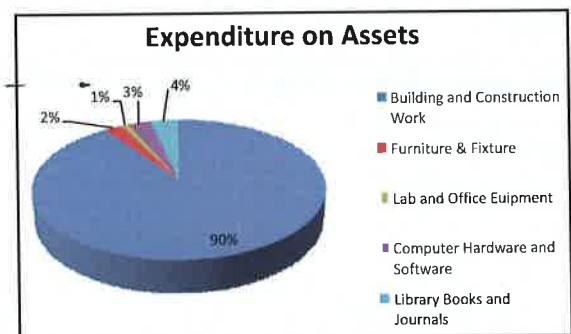
Funds available FY 2014-15	
Particulars	Amount in lakh
Internal Income available during the FY 2014-15	575.71
Remaining GIA of the FY 2013-14	560.38
GIA received during the FY 2014-15	6808.47



Head wise expenditure during the FY 2014-15	
Head	Amount in lakh
Salary	796.63
General Expenses	1500.70
Creation of Capital Assets	4835.99



Expenditure - Creation of Capital Assets during the FY 2014-15	
Particulars	Amount in lakh
Building and Construction Work	4372.58
Furniture & Fixture	112.34
Lab and Office Equipment	45.31
Computer Hardware and Software	131.69
Library Books and Journals	174.07
<b>Total</b>	<b>4835.99</b>





पंडित द्वारका प्रसाद मिश्र भारतीय सूचना प्रौद्योगिकी,  
अभिकल्पन एवं विनिर्माण संस्थान, जबलपुर

आर्थिक चिट्ठा दिनांक 31 मार्च, 2015

राशि ₹ में

निधियों के स्रोत	अनुसूची	चालू वर्ष (31/03/2015 को)	पूर्व वर्ष (31/03/2014 को)
संग्रह निधियां/	1	292,78,60,464	242,68,01,749
विशिष्ट रूप से चिन्हित निधियां	2	0	0
चालू दायित्व एवं प्रावधान	3	10,55,53,168	11,36,04,266
<b>योग</b>		<b>303,34,13,632</b>	<b>254,04,06,015</b>
<b>निधियों का उपयोग</b>			
<b>स्थायी संपत्तियां</b>	4		
मूर्त आस्तियां		69,45,38,706	71,45,82,103
अमूर्त आस्तियां		1,87,63,990	1,85,95,414
प्रगतिशील पूंजीगत कार्य		186,74,63,697	97,44,66,261
निर्धारित/बंदोबस्ती धन से निवेश	5		
लंबी अवधि हेतु		0	0
कम अवधि हेतु		0	0
<b>अन्य निवेश</b>	6	80,00,000	0
<b>चालू संपत्तियां</b>	7	27,21,73,306	19,93,26,319
<b>ऋण, अग्रिम एवं जमा राशियां</b>	8	17,24,73,933	63,34,35,918
<b>योग</b>		<b>303,34,13,632</b>	<b>254,04,06,015</b>
महत्वपूर्ण लेखांकन नीतियाँ	23		
खातों में आकस्मिक देनदारियां और टिप्पणी	24		

(प्रबोध पांडे)  
उप कुलसचिव (वि.ले.)

(रामफल द्विवेदी)  
कुलसचिव

(एस. जी. देशमुख)  
निदेशक (प्रभारी)



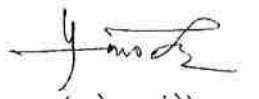
पंडित द्वारका प्रसाद मिश्र  
भारतीय सूचना प्रौद्योगिकी,  
अभिकल्पन एवं विनिर्माण संस्थान, जबलपुर

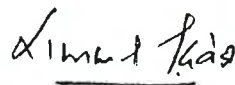
पंडित द्वारका प्रसाद मिश्र भारतीय सूचना प्रौद्योगिकी,  
अभिकल्पन एवं विनिर्माण संस्थान, जबलपुर


आय-व्यय खाता 31 मार्च 2015 को समाप्त होने वाले वर्ष के लिए

राशि ₹ में

विवरण	अनुसूचीयां	चालू वर्ष (31/03/2015 को)	पूर्व वर्ष (31/03/2014 को)
<b>ए आय</b>			
अकादमिक प्राप्तियां	9	4,46,86,003	3,57,68,553
अनुदान एवं दान	10	22,97,33,822	20,15,72,722
निवेश से आय	11	1,00,55,569	67,00,073
ब्याज से आय	12	14,02,863	16,28,221
अन्य आय	13	14,26,844	27,43,918
पूर्व अवधि आय	14	68,323	12,00,702
<b>योग (ए)</b>		<b>28,73,73,424</b>	<b>24,96,14,189</b>
<b>बी व्यय</b>			
कर्मचारियों को भुगतान एवं हितलाभ (स्थापना व्यय)	15	11,37,25,731	9,52,15,088
अकादमिक व्यय	16	4,63,19,607	3,67,54,350
प्रशासनिक एवं सामान्य व्यय	17	6,37,65,296	6,19,59,500
परिवहन व्यय	18	34,37,666	35,65,498
सुधार एवं रखरखाव	19	24,66,326	40,64,237
वित्तीय लागत	20	19,196	14,049
ह्रास	-4	7,06,14,487	5,39,04,826
अन्य व्यय	21	0	0
पूर्व अवधि व्यय	22	3,66,818	170
<b>योग (बी)</b>		<b>30,07,15,127</b>	<b>25,54,77,718</b>
<b>व्यय के ऊपर आय का आधिक्य शेष (ए - बी)</b>		<b>(13,341,703)</b>	<b>(5,863,529)</b>
<b>सामान्य निधि को अंतरण</b>			
आंतरिक आय	1.2A	5,75,71,279	4,80,41,297
भवन निधि		0	0
<b>सामान्य निधि का आधिक्य/(कमी) शेष जो कि सामान्य निधि में ले जाया गया</b>		<b>5,75,71,279</b>	<b>4,80,41,297</b>
<b>विशिष्ट निधि का आधिक्य/(कमी) शेष जो कि संग्रह/पूंजीकोष में ले जाया गया</b>		<b>(70,912,982)</b>	<b>(53,904,826)</b>
महत्वपूर्ण लेखांकन नीतियाँ	23		
खातों में आकस्मिक देनदारियां और टिप्पणी	24		

  
(प्रबोध पांडे)  
उप कुलसचिव (वि.ले.)

  
(रामफल द्विवेदी)  
कुलसचिव

  
(एस. जी. देशमुख)  
निदेशक (प्रभारी)



पंडित द्वारका प्रसाद मिश्र भारतीय सूचना प्रौद्योगिकी, अभिकल्पन एवं विनिर्माण संस्थान, जबलपुर  
प्राप्ति एवं भुगतान खाता वित्तीय वर्ष 2014-2015 के लिए

सं. क्र.	प्राप्तियाँ	चाहू वर्ष (31/03/2015 को)	पूर्व वर्ष (31/03/2014 को)	क्र.	भुगतान	चाहू वर्ष (31/03/2015 को)	पूर्व वर्ष (31/03/2014 को)
I	ओपनिंग बैलेंस			I	व्यय		
A)	कैश बैलेंस	0	0	A)	कर्मचारी भुगतान एवं लाभ	9,33,70,900	8,18,88,527
B)	बैंक बैलेंस	4,54,407	4,36,762	B)	शैक्षणिक खर्च	4,76,42,949	3,65,53,742
	1) केनरा बैंक अनुदान खाता, जबलपुर	24,09,734	2,02,20,316	C)	प्रशासनिक और सामान्य खर्च	6,28,68,716	6,13,87,939
	2) एसबीआई अनुदान खाता, जबलपुर	5,14,58,946	31,29,422	D)	परिवहन खर्च	34,37,666	36,65,035
	3) इलाहाबाद बैंक छात्र शुल्क ए/सी, जबलपुर	1,00,45,979	89,38,568	E)	भरमात और रख रखाव	29,48,396	40,84,237
	4) एसबीआई प्रोजेक्ट खाता	34,49,343	3,70,86,461	F)	वित्त लागत	19,546	14,049
	5) भारतीय स्टेट बैंक (छात्र शुल्क ए/सी)	13,12,90,590	1,25,15,635	II	निर्धारित / बंदोबस्ती धन के खिलाफ भुगतान	0	0
	6) इलाहाबाद बैंक अनुदान खाता, जबलपुर			III	प्रायोजित परियोजनाओं / योजनाओं के खिलाफ भुगतान	54,01,620	60,97,224
	7) सहायक बैंक खातें			IV	प्रायोजित फौजिय और छात्रवृत्ति के खिलाफ भुगतान	0	0
क) हॉल 01		24,72,124		A)	केन्द्रीय क्षेत्र की छात्रवृत्ति	19,17,152	20,72,546
ख) हॉल 03		40,29,771		B)	विदेशी छात्रवृत्ति	31,700	4,92,100
ग) हॉल 04		10,28,900		V	किये गए निवेश और जमा	0	0
घ) जिमखाना		3,28,424		A)	निर्धारित / निधि के बाहर फंड	0	0
ङ) पुस्तकालय		1,82,581		B)	स्वयं के धन से बाहर (निवेश - अन्य)	0	0
II	अनुदान प्राप्त			VI	अनुसूचित बैंकों के साथ सावधि जमा		
A)	भारत सरकार से (एमएचआरडी) (योजना) - सामान्य	10,38,01,000	19,09,09,000		कराए गए निवेश और जमा	55,36,63,918	111,20,00,000
B)	भारत सरकार से (एमएचआरडी) (योजना) - मूलीगत परिसंपत्तियों के सृजन के लिए	48,36,89,000	55,09,09,000		किए गए निवेश और जमा (सहायक लेखा)	28,00,000	0
C)	भारत सरकार से (एमएचआरडी) (योजना) - वेतन के लिए	9,33,57,000	5,81,82,000	VII	अचल संपत्तियों और कैपिटल कार्य में प्रगति पर		
III	शैक्षणिक शुल्क			A)	अचल संपत्तियों की खरीदी	4,68,80,666	7,12,18,903
A)	शैक्षणिक फीस	5,14,19,827	2,88,14,238	B)	पूर्वों कार्य में प्रगति पर व्यय	1,11,97,536	2,64,52,433
B)	अग्रिम फीस प्राप्ति	1,12,18,665	88,74,935	VIII	अन्य भुगतान सहित वैधानिक भुगतान		
C)	छात्र कोचन मनी	13,52,695	11,18,000				

*Yand*

*Dimas*

*S-*

पंडित द्वारका प्रसाद मिश्र  
भारतीय सूचना प्रौद्योगिकी,  
अभिकल्पन एवं विनिर्माण संस्थान, जबलपुर



D) पूर्व उप छात्र संघ	2,71,500	2,40,000	A) एनोसिएशन शुल्क (अन्य संस्थान)	240	240
E) छात्र कल्याण कोष	3,62,000	3,20,000	B) जीआरएस (अन्य संस्थान)	7,560	7,560
F) अतिरिक्त जमा शुल्क	69,42,180	86,96,030	C) सामान्य मदिय निधि (अन्य संस्थान)	1,68,000	1,68,000
G) होल प्रबंधन खाता	50,59,500	46,73,707	D) जीएएसआरएस	2,28,304	2,39,066
H) छात्र लान खाता	27,98,600	23,71,000	E) प्रोफेशनल कर फंड	2,91,520	2,85,750
IV निर्धारित/ बंदोबस्ती धन के खिलाफ प्राप्तियां	0	0	F) इन्सु सो टी पॉइंड	78,425	2,55,884
V प्रायोजित परियोजनाओं/ योजनाओं के खिलाफ प्राप्तियां	57,22,164	73,23,449	G) श्रम कल्याण उपकर	39,212	1,30,830
VI प्रायोजित फेलोशिप और छात्रवृत्ति के खिलाफ			H) नई पेशन	1,26,87,080	1,08,43,060
A) केंद्रीय क्षेत्र की छात्रवृत्ति प्राप्ति	22,27,497	20,85,330	I) टीडीएस भुगतान	1,08,89,750	1,12,07,262
B) विदेशी छात्रवृत्ति	31,700	5,22,000	J) बेट का भुगतान	14,62,173	19,80,949
VII निवेश से आय पर			K) झुका दिवस भुगतान	7,280	0
A) निर्धारित/ बंदोबस्ती धन	0	0	L) सेवा कर	2,87,090	36,136
B) अन्य निवेश	1,00,55,569	67,00,073	IX अनुदान के रिफंड	0	0
C) अन्य निवेश (सहायक लेख)	3,28,376		X जमा एवं अग्रिम		
VIII प्राप्त ब्याज			A) सीपीडब्ल्यूडी, नेपाल	41,80,00,000	44,19,63,900
A) प्राप्त ब्याज	13,23,109	16,35,011	B) डीजेएसएडडी	62,95,066	56,38,335
B) प्राप्त ब्याज (सहायक लेख)	3,22,474	0	C) अग्रिम सेवाना के लिए	1,50,000	3,50,000
IX निवेश भुनाया			D) नगर के फाटक परियोजना के लिए अग्रिम	30,000	2,01,156
X अनुसूचित बैंकों के साथ सावधि जमा भुनाया			E) एनईसी/ एनडब्ल्यूएससी कार्यालया के लिए अग्रिम	1,00,000	25,000
A) निवेश और जमा परिपक्व	55,36,63,918	111,23,87,136	F) कोनिएस 2014 के लिए अग्रिम	0	1,00,000
B) निवेश और जमा परिपक्व सहायक लेखे	8,00,000	0	G) सीसीएनटी 2013 के लिए अग्रिम	0	1,00,000
XI अन्य आय (पूर्व अवधि आय सहित)			H) सीएएसवी 2013 के लिए अग्रिम	0	4,40,340
A) अन्य आय	15,82,100	27,34,661	I) बुस्का जमा राशि	1,12,231	7,12,033
			J) ईएमडी और पीबीजी	19,99,437	12,21,600
			K) बुस्का जमा-एनपीकेवीसीएल	0	5,42,796
XII जमा और अग्रिम			XI अन्य भुगतान		
A) बुस्का जमा राशि	1,26,077	64,513	A) होल प्रबंधन के खाते	50,46,000	46,52,207
B) ईएमडी और पीबीजी	21,66,359	22,17,885	B) छात्र लान खाता	27,83,550	23,61,050
C) सीएएसवी 2013 के लिए अग्रिम	4,40,340	0	C) छात्र कॉसन मनी	19,56,695	13,29,000
D) बुस्का जमा- एनपीकेवीसीएल	4,73,232	0	D) अतिरिक्त जमा शुल्क भुगतान	67,78,945	84,67,320

5-

अग्रिम फंड

फंड



पंडित द्वारका प्रसाद मिश्र  
भारतीय सूचना प्रौद्योगिकी,  
अभिकल्पन एवं विनिर्माण संस्थान, जबलपुर

XIII विविध प्राप्तियां वैधानिक प्राप्तियां सहित				IX अंतिम शेष	
A) एसोसिएशन शुल्क (अन्य संस्थान)	240		240	A) मकदी संसुलन	0
B) जीआईएस (अन्य संस्थान)		7,560		B) बैंक बैलेंस	
C) सामान्य भविष्य निधि (अन्य संस्थान)	1,68,000		1,68,000	1) केनरा बैंक ग्रॉट खाता, जबलपुर	4,72,765
D) जीएसएलआईएस	2,28,065		2,39,305	2) एसबीआई अनुदान खाता जबलपुर	5,37,468
E) प्रोफेशनल फर	2,91,520		2,85,750	3) भारतीय स्टेट बैंक के छात्र शुल्क ए/सी, जबलपुर	35,86,383
F) डब्ल्यू सी टी पॉइंड	78,425		2,55,884	4) एसबीआई प्रोजेक्ट खाता	6,387
G) ग्राम कल्याण उपकर	39,212		1,30,830	5) इलाहाबाद बैंक (छात्र शुल्क ए/सी)	6,47,92,920
H) नई पेंशन	1,35,46,533		1,08,38,160	6) इलाहाबाद बैंक वर्तमान ए/सी, जबलपुर	17,15,78,320
I) टीडीएस बरामद	1,08,89,750		1,12,07,262	7) इलाहाबाद परियोजना ए/सी, जबलपुर	1,04,28,886
J) क्रेडिट बरामद	14,62,173		19,80,949	8) सहायक बैंक खाते	
K) क्रेडिट दिवस योगदान	12,530		0	क) हॉल 01	52,59,309
L) सेवा कर	2,87,090		36,136	ख) हॉल 03	78,01,519
IX कोई अन्य प्राप्तियां	0		0	ग) हॉल 04	24,73,772
				घ) जिनस्थाना	40,49,303
				ङ) पुरस्कारालय	2,49,969
				च) एसबीआई-सीपीएफ/नई पेंशन ए/सी	8,70,455
कुल	157,36,96,779	209,82,55,208	209,82,55,208	कुल	157,36,96,779

*[Signature]*  
(प्रबोध पांडे)  
उप कुलसचिव (वि.ले.)

*[Signature]*  
(रामफल द्विवेदी)  
कुलसचिव

*[Signature]*  
(एस. जी. देशमुख)  
निदेशक (प्रमारी)



**कार्यालय महानिदेशक लेखा संपरीक्षा (केन्द्रीय प्राप्तियां)**

**नई दिल्ली, शाखा ग्वालियर, चौथी मंजिल, लेखा संपरीक्षा भवन, झांसी रोड,  
ग्वालियर – 474002 (म.प्र.)**

कमांक : सेंट्रल/एमजी 2/एसएआर/पीडीपीएम/ट्रीपलआयटीडीएम/2014-15/डी -101

दिनांक:

गोपनीय

प्रति,

**निदेशक,**

पं. द्वारका प्रसाद मिश्र भारतीय सूचना प्रौद्योगिकी  
अभिकल्पन एवं विनिर्माण संस्थान  
डुमना एयरपोर्ट रोड, पोस्ट खमरिया जिला जबलपुर-482005

**विषय : वर्ष 2014-2015 हेतु पीडीपीएम, ट्रीपलआयटीडीएम जबलपुर के लेखों पर पृथक लेखा परीक्षा  
प्रतिवेदन (Separate Audit Report) ।**

**महोदय,**

कृपया इस पत्र के साथ संलग्न वर्ष 2014-2015 हेतु पीडीपीएम, ट्रीपलआयटीडीएम जबलपुर के लेखों पर पृथक लेखा संपरीक्षा प्रतिवेदन (Separate Audit Report) प्राप्त करें। आपसे अनुरोध है कि संसद के समक्ष रखे जाने के पूर्व यह सुनिश्चित किया जाए कि लेखा संपरिक्षित लेखे (Audited Accounts) अधिशासी मंडल (Board of Governors) द्वारा अंगिकृत कर लिए गए हैं।

2. कृपया उक्त प्रतिवेदन संसद के दोनों सदनों के समक्ष रखे जाने की तिथि सूचित की जाए एवं मुद्रित सामग्री की एक प्रति अधोहस्ताक्षरी को सूचनार्थ उपलब्ध कराई जाए।
3. कृपया यह सुनिश्चित करें कि पिछली पृथक लेखा संपरीक्षा प्रतिवेदन (Separate Audit Report) या तो पहले ही प्रस्तुत कर दी जाए या वर्तमान पृथक लेखा संपरीक्षा प्रतिवेदन (Separate Audit Report) के साथ प्रस्तुत की जाए। इस बाबत एक घोषणापत्र भी प्रस्तुत करने का अनुरोध है।
4. कृपया प्राप्ति की पावती दें।

**संलग्नक:** 1 अनुलग्नकों (2 Annexures) सहित  
पृथक लेखा संपरीक्षा प्रतिवेदन (Separate Audit Report)

भवदीय,

निदेशक केन्द्रीय



**पं. द्वारका प्रसाद मिश्र भारतीय सूचना प्रौद्योगिकी अभिकल्पन एवं विनिर्माण संस्थान जबलपुर के लेखों पर 31 मार्च 2015 को समाप्त वर्ष हेतु नियंत्रक एवं महालेखापरीक्षक का पृथक लेखा संपरीक्षा प्रतिवेदन (Separate Audit Report)**

हमने नियंत्रक एवं महालेखापरीक्षकके (कार्य,शक्तियां एवं सेवा शर्तें) अधिनियम 1971 के भाग 20(1) के तहत पं० द्वारका प्रसाद मिश्र भारतीय सूचना प्रौद्योगिकी अभिकल्पन एवं विनिर्माण संस्थान जबलपुर के 31 मार्च 2015 की स्थिति के संलग्न तुलन पत्र (Balance Sheet), एवं उक्त तिथि को समाप्त वर्ष हेतुआय-व्यय विवरण (Income & Expenditure) एवं प्राप्तियां तथा भुगतान (Receipt & Payment A/c) की संपरीक्षा की। संपरीक्षा (Audit) का कार्य वर्ष 2018-2019 की अवधि तक सौंपा गया है। इन वित्तीय विवरणों का उत्तरदायित्व ट्रीपलआयटीडीएम जबलपुर के प्रबंधन का है। इन वित्तीय विवरणों पर हमारी संपरीक्षा के आधार पर अपना अभिमत (Opinion) देना हमारा उत्तरदायित्व है।

2. इस पृथक लेखा संपरीक्षा प्रतिवेदन में, भारत के नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक (CAG) के द्वारा वर्गीकरण (Classification), प्रचलित सबसे अच्छी लेखा प्रथाओं (confirmity with the best accounting practises), मानक लेखों (Accounting standards) एवं प्रकटीकरण के मानदंड, (Disclosure norms) आदि को ध्यान में रखते हुए मात्र लेखांकन पद्धति पर की गई टिप्पणी (Comment) निहित है। लेखों में निहित वित्तीय व्यवहारों पर विभिन्न कानूनों, नियमों, विनियमों (औचित्य एवं नियमितता) (Propriety & Regularity) के अनुपालन बाबत एवं कुशलता-सह- कार्यप्रदर्शन इत्यादि पहलुओं, यदि कोई हों, पर लेखा परीक्षा टिप्पणी को निरीक्षण प्रतिवेदन/सीएजी के लेखापरीक्षा प्रतिवेदन के माध्यम से अलग से प्रतिवेदित (रिपोर्ट) किया जाता है।
3. हमने भारत में सामान्यतः प्रचलित एवं मान्य लेखा मानकों (Auditing Standards) के अनुसार लेखा संपरीक्षा की है। ये मानक अपेक्षा करते हैं कि हम इस तरह से योजना बनाकर लेखा संपरीक्षा करें कि इस बात का तर्कसंगत आश्वासन मिल सके कि वित्तीय विवरण महत्वपूर्ण मिथ्यावर्णन से मुक्त है। रकमों/राशियों एवं वित्तीय विवरणों में किए गए प्रकटीकरण (Disclosure) के समर्थन में प्रस्तुत साक्ष्यों की, नमूना आधार (Test basis) पर जांच, किया जाना लेखा संपरीक्षा में शामिल है। उपयोग किए जा रहे लेखांकन सिद्धांतों एवं प्रबंधन के महत्वपूर्ण आकलनों का मूल्यांकन करना भी लेखा संपरीक्षा में शामिल है। साथ ही समग्र रूप से वित्तीय विवरणों के प्रस्तुतिकरण का मूल्यांकन भी इसमें शामिल है। हमें विश्वास है कि हमारी राय या अभिमत हेतु हमारी लेखा संपरीक्षा एक तर्कसंगत आधार उपलब्ध कराएगी।
4. हमारी लेखा संपरीक्षा के आधार पर हम प्रतिवेदन (Report) देते हैं कि – – –
  - (i) हमेंसमस्त सूचनाएं एवं स्पष्टीकरण प्राप्त हुए हैं, जो कि हमारे सर्वोत्तम ज्ञान एवं विश्वास के अनुसार हमारी लेखा संपरीक्षा हेतु आवश्यक थे।
  - (ii) इस प्रतिवेदन (Report) में दर्शित तुलन पत्र (Balance Sheet), आय-व्यय विवरण (Income & Expenditure) एवं प्राप्तियां तथा भुगतान (Receipt & Payment A/c), मानव संसाधन विकास मंत्रालय, भारत सरकार के आदेश क्रमांक 29-4/2012-FD दिनांक 17/04/2015 द्वारा निर्धारित प्रपत्र में ही बनाए गए हैं।





- (iii) लेखाबहियों एवं अन्य अभिलेखों की हमारे द्वारा की गई जांच के परिप्रेक्ष्य में, हमारी राय में संस्थान द्वारा इनका यथोचित संधारण किया गया है।
- (iv) हम आगे यह भी प्रतिवेदन (Report) देते हैं कि –
- (ए) तुलन पत्र (Balance Sheet)

#### निधियों का प्रयोग (Application of Funds)

#### 1 ऋण, अग्रिम एवं जमाराशियां (Loans, Advances & Deposits)

##### (अनुसूची 8)–रु. 17.25 करोड़

1.1 इसमें संगणकों एवं एयर कंडिशनरों की आपूर्ति हेतु डीजीएस एंड डी को दिया गया अग्रिम रु. 54.91 लाख शामिल है। ये उपकरण मार्च 2014 से पूर्व ही प्राप्त हो चुके थे एवं 2014-2015 में स्थापित किए गए थे परंतु पूंजीकृत नहीं किए गए। जिसके प्रभावस्वरूप ऋण एवं अग्रिम रु. 54.91 लाख से विवरण में अधिकदर्शित हुए, अचल आस्तियां रु. 46.18 लाख से कम दर्शित हुईं एवं मूल्यहास (Depreciation) न लगाए जाने से व्यय खाता रु. 8.73 लाख से कम दर्शित हुआ।

#### 1.2 बड़े संरचनात्मक कार्य (प्रगति पर) (Capital works in progress)

##### (अनुसूची 4)– रु. 186.75 करोड़

इसमें रु. 35.94 करोड़ के ऐसे बड़े संरचनात्मक कार्य थे जिनका कार्य पूर्ण हो चुका था एवं वे उपयोग में भी आ रहे थे परंतु पूंजीकृत नहीं किए गए। जिसके प्रभावस्वरूप प्रगति पर बड़े संरचनात्मक कार्य रु. 35.94 करोड़ से विवरण में अधिकदर्शित हुए, अचल आस्तियां रु. 35.22 करोड़ से कम दर्शित हुईं एवं मूल्यहास (Depreciation) न लगाए जाने से व्यय खाता रु. 0.72 करोड़ से कम दर्शित हुआ।

#### 1.3 चालू आस्तियां (Current Assets)

##### (अनुसूची 7)–रु. 27.22 करोड़

इसमें प्राप्य(Receivable) किराये केरु0 0.45लाख शामिल नहीं किए गए जिसके प्रभावस्वरूप चालू आस्तियां एवं आय खाता उतनी ही राशि से कम दर्शित हुआ। संपरीक्षा टिप्पणियों का लेखांकन पर प्रभाव (Effects of Audit Comments on Accounts) पूर्ववर्ती अनुच्छेदों में वर्णित संपरीक्षा टिप्पणियों के अनुसारशुद्ध प्रभाव यह हुआ कि निधियों के स्रोत (आस्तियां) के आंकड़े वास्तविक आंकड़ों से रु. 80.28 लाख से अधिक दर्शाए गए जबकि व्यय एवं आय के आंकड़े वास्तविक आंकड़ों से क्रमशः रु. 80.73 लाख एवं रु. 0.45 लाख से कम दर्शाए गए।



(बी) अनुदान सहायता (Grant-in-Aid)

संस्थान को वर्ष के दौरान रु. 68.08 करोड की अनुदान सहायता राशि प्राप्त हुई। इसके अलावा पिछले वर्ष की खर्च न की गई राशि रु. 10.42 करोड संस्थान के पास थी (अनुदान सहायता राशि रु. 5.61 करोड एवं आंतरिक प्राप्तियां रु. 4.81 करोड)। इस प्रकार कुल उपलब्ध अनुदान सहायता राशि रु. 73.69 करोड में से संस्थान केवल रु. 71.33 करोड का ही उपयोग कर सका एवं 31 मार्च 2015 को उपयोग न हो सकी राशि रु. 2.36 करोड शेष रही। उपरोक्त के अलावा संस्थान को रु. 51.80 लाख परियोजना अनुदान राशि प्राप्त हुई जिसका विवरण परिशिष्ट 2 में दिया गया है।

- (v) पूर्ववर्ती अनुच्छेदों में दी गई हमारी टिप्पणियों के अधधीन (subject to) हम प्रतिवेदित (Report) करते हैं कि इस प्रतिवेदन में दर्शित तुलन पत्र (Balance Sheet), आय-व्यय विवरण (Income & Expenditure) एवं प्राप्तियां तथा भुगतान (Receipt & Payment A/c) लेखा पुस्तकों से मिलते हैं।
- (vi) हमारी राय में एवं हमारी अधिकतम जानकारी एवं हमें दिए गए स्पष्टीकरणों के आधार पर समस्त वित्तीय विवरण, जिन्हें लेखांकन नीतियों एवं लेखा पर टीपों (Notes on Accounts) सहित देखा/पढ़ा जाए एवं उपरोक्त वर्णित महत्वपूर्ण तथ्यों तथा अन्य मामले जिन्हें इस प्रतिवेदन के परिशिष्ट 1 एवं 2 में दर्शाया गया है, के अधधीन (subject to), सामान्यतः भारत में प्रचलित एवं मान्य लेखा सिद्धांतों के अनुरूप एक सच्चा एवं न्यायसंगत चित्र प्रस्तुत करते हैं –
- (ए) जहां तक कि 31 मार्च 2015 को पं. द्वारका प्रसाद मिश्र भारतीय सूचना प्रौद्योगिकी अभिकल्पन एवं विनिर्माण संस्थान जबलपुर की गतिविधियों (State of Affairs) के तुलन पत्र से संबंधित है।
- (बी) जहां तक कि 31 मार्च 2015 को समाप्त वर्ष हेतु पं. द्वारका प्रसाद मिश्र भारतीय सूचना प्रौद्योगिकी अभिकल्पन एवं विनिर्माण संस्थान जबलपुर आय व्यय खाते में दर्शित कमी (Deficit) से संबंधित है।

स्थान : नई दिल्ली

दिनांक : 17/09/2015

भारत के महालेखाकार के लिए एवं उनकी ओर से

लेखा संपरीक्षा महानिदेशक



## परिशिष्ट-1

### 1. आंतरिक लेखा परीक्षण (Internal Audit) प्रणाली की पर्याप्तता (Adequacy)

आंतरिक लेखा परीक्षण का कार्य बाह्य स्रोतों से होता है। एक सनदी लेखाकार फर्म को इस हेतु नियुक्त किया गया जिसने आंतरिक लेखा परीक्षण कर 31 मार्च 2015 को समाप्त अवधि हेतु अपना आंतरिक लेखा परीक्षण प्रतिवेदन प्रस्तुत किया। आंतरिक लेखा परीक्षण प्रणाली पर्याप्त पाई गई।

### 2. आंतरिक नियंत्रण (Internal Control) प्रणाली की पर्याप्तता

आंतरिक नियंत्रण प्रणाली निम्न कारणों से अपर्याप्त पाई गई।

- (i) आंतरिक लेखा परीक्षण नियमावली (मेन्युअल) नहीं बनाई गई।
- (ii) विनियोग (Investments) हेतु कोई नीति नहीं बनाई गई।
- (iii) बिगड़ी हुई सुधार न हो सकने योग्य वस्तुओं (Unserviceable Items) की सूची नहीं बनाई गई।
- (iv) संगणकों में जमा किया गया डाटा सुरक्षित रखने की कोई नीति नहीं बनाई गई।
- (v) रु. 31.76 लाख लेनदारों (Creditors) को अदायगी/समाधान हेतु वर्ष 2011-2012 से लंबित है।

### 3. आस्तियों के भौतिक सत्यापन (Physical Verification of Assets) की प्रणाली

आस्तियों का भौतिक सत्यापन प्रारंभ (वर्ष 2005-2006) से ही पूर्व लेखा परीक्षा प्रतिवेदनों में चिन्हित किए जाने के बावजूद नहीं करवाया गया।

### 4. सामग्री (Inventories) के भौतिक सत्यापन की प्रणाली

सामग्री का भौतिक सत्यापन प्रारंभ (वर्ष 2005-2006) से ही पूर्व लेखा परीक्षा प्रतिवेदनों में चिन्हित किए जाने के बावजूद नहीं करवाया गया।

### 5. वैधानिक देयताओं के भुगतान में नियमितता

संस्थान, वैधानिक देयताओं के भुगतान में नियमित पाया गया।

वरिष्ठ लेखा परीक्षा अधिकारी/एएमजी II



पंडित द्वारका प्रसाद मिश्र  
भारतीय सूचना प्रौद्योगिकी,  
अभिकल्पन एवं विनिर्माण संस्थान, जबलपुर

## परिशिष्ट-2

पं. द्वारका प्रसाद मिश्र भारतीय सूचना प्रौद्योगिकी अभिकल्पन एवं विनिर्माण संस्थान जबलपुर  
वर्ष के दौरान परियोजना वार प्राप्त एवं उपयोग की गई अनुदान सहायता (Grant-in-Aid) का विवरण

स. क्र.	परियोजना का नाम जिसके लिए अनुदान सहायता प्राप्त हुई है या सामान्य अनुदान	राशि ₹ में					
		1	2	3	4	5	6
		पिछले वित्त वर्ष 2013-14 से लाई गई अनुदान राशि	वित्त वर्ष 2014-15 में प्राप्त अनुदान राशि	कुल अनुदान राशि 3=1+2	वित्त वर्ष 2014-15 में उपयोग की गई अनुदान राशि	वित्त वर्ष 2014-15 में वापस की गई अनुदान राशि	31-03-2015 को उपयोग न की गई शेष राशि
01	कॉम्प्यूट कर्ब ड्राइंग अल्ट्रास्ट्रिक्स फॉर रोबोट मोशन प्लानिंग	23,087	0	23,087	0	23087	0
02	वर्चुअल लैब ऑन मैन्युफैक्चरिंग प्रोसेस	8,73,096	44580	9,17,676	79397		8,38,279
03	इंटेक्ट इवेल्युएशन ऑफ पब्लिक सर्विस गारंटी एक्ट 2010 (स्कूल ऑफ गुड गवर्नन्स एंड पारिषी एनालिसिस)	54,951	2982	57,933			57,933
04	वर्चुअल लैब ऑन आर्टोमेटेड सिस्टम्स	7,64,460	38409	8,02,869	45703		7,57,166
05	ब्रियन कंट्रोल मोबाइल रोबोट	6,30,669	31240	6,61,909	96165	565744	0
06	प्रोसेस डेवलपमेंट फॉर द फेब्रिकेशन ऑफ फ्री फ्राम कंपोनेंट थ्रू इन्फ्रिमेंटल शीट फार्मिंग	55,30,010	291046	58,21,056	709696		51,11,360
07	वेबलैट्स एंड आपरेशनल मॉडिक्स बेस्ड टेकिन्स फॉर इंटरनेट एंड डिजिटल इवेल्युएशन	3,72,785	10928	3,83,413	0	383413	0
08	प्राइडेशन ऑन कोलेक्टर कंटेन्स डेवलपमेंट फॉर पोस्ट ग्रेजुएट सम्बोक्ट (ई-पीजी-पाठशाला)	6,95,063		6,95,063		695063	0
09	टाइम वॉरिंग हार्मोनिकस एंड इंटर हार्मोनिकस एस्टीमेशन इन रियल टाइम फॉर ऑनलाइन एप्लिकेशन्स	9,26,067	80529	10,06,596	846350		1,60,246
10	डेवलपमेंट ऑफ एडीटिव सफ्टवेयर इंटरफेस आरपी सिस्टम फॉर इंड्रुल्स पार्ट क्वालिटी	0	827830	827830	223052		6,04,778
11	डिजाइन ऑफ स्टोव/बूल्बा फॉर रूरल मार्सेस ऑफ इंडिया	0	75000	75000	45000		30,000
12	इलेक्ट्रोडिपोजिशन ऑफ मेगनेटिक फिल्म इन द प्रेजेस ऑफ एक्टर्नल मेमोनेटिक फिल्ड	0	1550000	1550000			15,50,000
13	सेंट्रल सेक्टर स्कालरशिप स्कीम	1,86,000	2227000	24,13,000	1917000		4,96,000
		<b>100,55,888</b>	<b>51,79,544</b>	<b>152,35,432</b>	<b>39,62,363</b>	<b>16,67,307</b>	<b>96,05,762</b>

*Sum*

वरिष्ठ लेखा परीक्षा अधिकारी/एएमजी II



## वार्षिक अंकेक्षण प्रतिवेदन एवं एस.ए.आर. 2014-15 हेतु अनुपालन

क्र.	वार्षिक अंकेक्षण प्रतिवेदन	टिप्पणियां एवं अनुपालन
1.	<p><b>A. Balance Sheet</b></p> <p>Application of funds</p> <p><b>1 Loans, Advances &amp; Deposits (Schedule 8) - Rs. 17.25 crore</b></p> <p>1.1 This includes Rs.54.91 lakh being the value of advance given to the DGS&amp;D for supply of Computers and Air Conditioners. These equipment's had been received before March 2014 and installed during 2014-15, but not capitalized. This resulted in over statement of Loans and Advances by Rs.54.91 lakh, understatement of Fixed Assets by Rs. 46.18 lakh and understatement of expenditure (depreciation not charged) by Rs. 8.73 lakh.</p> <p><b>1.2 Capital work in progress (Schedule 4) - Rs.186.75 crore</b></p> <p>This includes Rs.35.94 crore being value of works completed and put to use but not capitalized. This resulted in over statement of Capital Works in Progress by Rs. 35.94 crore, understatement of Fixed Assets by Rs.35.22 crore and understatement of expenditure (depreciation not charged) by Rs. 0.72 crore.</p> <p><b>1.3 Current Assets (Schedule) - Rs.27.22 crore</b></p> <p>This does not include Rs. 0.45 lakh being rent receivable. This resulted in understatement of current assets and income to that extent.</p> <p><b>Effect of Audit Comments on Accounts</b></p> <p>The net impact of the comments given in the preceding paras is that the Sources of Funds (Assets) were overstated by Rs.80.28 lakh, Expenditure and Income were understated by Rs.80.73 lakh and Rs.0.45 lakh respectively.</p>	<p>वर्ष 2015-16 में कैपिटलाइज्ड किया जायेगा एवं वार्षिक लेखा में दर्शाया जायेगा।</p> <p>केन्द्रीय लोक निर्माण विभाग से पूर्णता प्रमाण पत्र प्रतीक्षित हैं, प्राप्त पर परिसंपत्ति कैपिटलाइज्ड की जायेगी।</p> <p>रु. 21,700/- तीन दुकानों के लाइसेंस फीस प्राप्तकों को लेखों में दर्शाया नहीं जा सका ऑडिट ने भूलवश इसे रु. 45,000/- इंगित किया है। वर्ष 2015-16 में खातों में ले लिया गया है।</p>



क्र.	वार्षिक अंकेक्षण प्रतिवेदन	टिप्पणियां एवं अनुपालन
1.	<b>B. Grant-in-Aid</b> The Institute received grants in aid of Rs. 68.08 crore during the year. In addition to the above, it had unspent balance of Rs.10.42 crore (grants - Rs.5.61 crore and internal receipts Rs.4.81 crore) of the previous year. Thus out of the available grants of Rs.73.69 crore, the Institute could utilize an amount of Rs.71.33 crore leaving a balance of Rs.02.36 crore as unutilized grant as on 31st March 2015. Besides above, the Institute also received project grants of Rs.51.80 lakh details of which are enclosed at Annexure-2.	टिप्पणी मात्र, कार्यवाही अपेक्षित नहीं।
2.	Subject to our observations in the preceding paragraphs we report that the Balance Sheet, Income & Expenditure Account and the Receipt & Payment Account dealt with by this report are in agreement with the books of accounts.	टिप्पणी मात्र, कार्यवाही अपेक्षित नहीं।
3.	In our opinion and to the best of our information and according to the explanations given to us, the said financial statements read together with the Accounting Policies and Notes on Accounts and subject to the significant matters stated above and other matters mentioned in Annexure-1 and 2 to this audit report give a true and fair view in conformity with accounting principles generally accepted in India: (a) In so far as it relates to the Balance Sheet of the state of affairs of the Pt. D.P. Mishra IIITDM, Jabalpur as at 31 March 2014; and (b) In so far as it relates to Income & Expenditure Account of the deficit for the year ended on that date.	टिप्पणी मात्र, कार्यवाही अपेक्षित नहीं।
4.	<b>Adequacy of Internal Audit System:</b> Internal Audit functions have been outsourced. A Chartered Accountant, firm, appointed for the job, has conducted the internal audit and has submitted the internal audit report for the period up to 31 March 2015. The internal audit system was found to be adequate.	टिप्पणी मात्र, कार्यवाही अपेक्षित नहीं।
5.	<b>Adequacy of Internal Control System:</b> The internal control system was found inadequate due to the following: - (i) Internal Audit manual has not been prepared. (ii) No policy has been made for investment.	(i) आगामी समय में निर्मित किया जायेगा। (ii) अल्पकालीन निवेश किये जाते हैं, इस हेतु विस्तृत पॉलिसी आगामी बी.ओ.जी. में स्वीकृती हेतु रखी जायेगी।



क्र.	वार्षिक अंकेक्षण प्रतिवेदन	टिप्पणियां एवं अनुपालन
	<p>(iii) Non preparation of list of unserviceable items.</p> <p>(iv) No security policy of data stored in computers.</p> <p>(v) Creditors amounting of Rs.31.76 lakh were pending for settlement since 2011-12.</p>	<p>(iii) संस्थान के समस्त विभागों एवं अनुभागों से इस प्रकार के सामान की सूची तैयार करने का आग्रह किया गया है।</p> <p>(iv) उचित कार्यवाही हेतु संगणक केन्द्र से आग्रह किया है।</p> <p>(v) ये निर्माण एवं क्रय देनदारियां हैं उक्त विभागों से इन देनदारियों के सामायोजन की प्रक्रिया करने का आग्रह किया गया है ताकि वर्ष 2015-16 में इन देनदारियों को समाप्त किया जा सके।</p>
6.	<p><b>System of Physical Verification of Assets:</b> The physical verification of assets was not conducted since inception (2005-06) even though pointed out in earlier years' audit reports.</p>	<p>विभिन्न समितियों द्वारा संपत्तियों का भौतिक सत्यापन प्रारंभ किया गया था, यह अनुभव किया गया कि पहले संपत्तियों का सूचीकरण एवं उन पर नंबर डालने का कार्य किया जाना चाहिये। उक्त कार्य प्रारंभ हो गया है।</p>
7.	<p><b>System of Physical Verification of Inventories:</b> The physical verification of inventories was not conducted since inception (2005-06) even though pointed out in earlier audit reports.</p>	<p>वर्ष 2015-16 में किया जायेगा।</p>
8.	<p><b>Regularity in payment of statutory dues:</b> The Institute was regular in payment of statutory dues.</p>	<p>टिप्पणी मात्र, कार्यवाही अपेक्षित नहीं।</p>



## सूचना का अधिकार अधिनियम 2005: प्रतिवेदन 01.04.2014 से 31.03.2015

संस्थान ने हमेशा से ही सूचना का अधिकार अधिनियम 2005 के परिपालन पर विशेष ध्यान दिया है। संस्थान ने अपने तंत्र को पारदर्शी बनाने हेतु महत्वपूर्ण कदम उठाए हैं एवं अपनी ओर से अधिकाधिक जानकारी देश के नागरिकों को वेबसाइट पर उपलब्ध कराने के प्रयास किए हैं।

सूचना का अधिकार अधिनियम 2005 के परिपालन में संस्थान ने निम्न व्यक्तियों को निम्न पदों पर नियुक्त किया है:-

श्री प्रबोध पाण्डेय उप कुलसचिव केन्द्रीय जन सूचना अधिकारी	श्री आर.पी. द्विवेदी कुलसचिव प्रथम अपीलीय अधिकारी	प्रो. पी.एन. कॉडेकर प्राध्यापक पारदर्शिता अधिकारी
---	---	---

अधिनियम के तहत वर्ष 2014-15 के दौरान प्राप्त आवेदनों एवं इनपर हुई कार्यवाही का विवरण निम्नानुसार है:

संस्थान को प्राप्त आवेदनों की संख्या	—	79
संस्थान द्वारा जवाब दिये गये आवेदनों की संख्या	—	79
संस्थान को प्राप्त प्राथमिक अपीलों की संख्या	—	17
निर्णय की गई अपीलों की संख्या	—	17
शुल्क एवं अतिरिक्त शुल्क के रूप में आय	—	2507/-